THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

तेज बारिश के बीच महाकाल मंदिर में दीवार गिरी, दो की मौत-चार घायल

उज्जैन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उज्जैन में शुक्रवार को तेज बारिश के बीच महाकाल मंदिर के गेट नंबर चार की दीवार गिर गई। मलबे में दबने से दो की मौत और चार घायल होने की सूचना है। सूचना मिलते ही पुलिस बल और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को मलबे से निकाला।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। उज्जैन में शुक्रवार सुबह से बादल छाए थे। दोपहर बाद तेज बारिश होने लगी। जिससे सड़कों पर पानी बहने लगा। अभी भी यहां तेज बारिश हो रही हैं।

वर्ष-29 अंक : 187 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.11 2081 शनिवार, 28 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तिरुपति लड्डू विवाद

जगन को मंदिर जाने की इजाजत नहीं

पूर्व सीएम ने राक्षसों के राज से की एनडीए सरकार की तुलना

अमरवाती, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने राज्य की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में राक्षसों का राज जारी है। सरकार तिरुमाला मंदिर में मेरी आगामी यात्रा में बाधा डालने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने मंदिर यात्रा के संबंध में राज्य भर के वाईएसआरसीपी नेताओं को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में कहा गया है कि तिरुमाला मंदिर की यात्रा की अनुमति नहीं है और वाईएसआरसीपी की तरफ से आयोजित कार्यक्रम के लिए आवश्यक मंजूरी नहीं है। नतीजतन, नेताओं को उस कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति नहीं है।

'लड्डू प्रसादम पर सरासर झूठ बोल रहे हैं नायडू' :

जगन मोहन रेड्डी ने कहा, एक तरफ वे मेरे मंदिर दर्शन में बाधा डालने के लिए नोटिस दे रहे हैं,

> नायडू सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के कार्यकर्ता दूसरे इलाकों से राज्य में आ रहे हैं। मुझे नहीं पता कि बीजेपी नेतृत्व को इस बारे में पता है या नहीं। राजनीतिक ध्यान भटकाने के लिए सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लड्डू का मुद्दा उठाया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू यह दिखा रहे हैं कि लड्डू प्रसादम के निर्माण में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया है, जो तिरुमाला की पवित्रता और गौरव पर सवाल उठाता है। क्या यह उचित है? चंद्रबाबू नायडू टीटीडी लड्डू प्रसादम पर सरासर झूठ बोल रहे हैं।

घी खरीद ई-टेंडर एक नियमित प्रक्रिया है :

उन्होंने कहा, सीएम चंद्रबाबू नायडू झूठ बोल रहे हैं। घी खरीद ई-टेंडर एक नियमित प्रक्रिया है जो दशकों से हर 6 महीने में होती आ रही है। तिरुपति लड्डू बहुत खास है। बचपन से ही मैं जानता हूं कि यह बहुत खास है। टेंडर प्रक्रिया हर 6 महीने में होती है, यह एक नियमित प्रक्रिया है। यह सालों से होती आ रही है। कोई भी व्यक्ति जो योग्य है, वह इसमें भाग ले सकता है।

टेंडर में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता

उन्होंने बताया कि लड्डू के लिए जो टेंडर निकाले जाते हैं और जो एल1 कम कीमत बताता है, उसे टीटीडी बोर्ड मंजूरी देता है। इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। टीटीडी बोर्ड भी बहुत खास है। केंद्रीय मंत्री और दूसरे राज्यों के सीएम भी बोर्ड के सदस्यों की सिफारिश करते हैं। टीटीडी के टेंडर नियमित रूप से निकाले जाते थे और आपूर्तिकर्ताओं को टेंडर नीलामी के अनुसार दिए जाते थे। टीटीडी के पास एक मजबूत तंत्र है। तिरुमाला में आने वाले टैंकरों के पास एनएबीएल प्रमाणपत्र होना चाहिए। आपूर्तिकर्ताओं को टैंकरों को प्रमाणित करवाना चाहिए और प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए।

जगन मोहन रेड्डी ने कहा, चंद्रबाबू नायडू के शासनकाल में 2014 से 2019 तक करीब 14-15 बार गुणवत्ता के मुद्दों के कारण घी को खारिज कर दिया गया। इसके लिए एक मजबूत प्रक्रिया है। इसी तरह 2019 से 2024 तक 18 बार इसे खारिज कर दिया गया और वापस भेज दिया गया। मैं जो कुछ भी कह रहा हूं वह सब तथ्य हैं।

सिद्धारमैया की बढ़ीं मुश्किलें

मुडा केस में लोकायुक्त पुलिस ने सीएम पर दर्ज की एफआईआर

बेंग लुरू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। बता दें कि लोकायुक्त पुलिस ने मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सिद्धारमैया की याचिका खारिज कर दी थी। सिद्धारमैया ने भूमि आवंटन के संबंध में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामला दर्ज करने की राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के खिलाफ याचिका दायर की थी। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुडा मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। उच्च न्यायालय के ताजा फैसले के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ मुडा मामले में अब मुकदमा चलाया जा सकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह इस बारे में विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे कि क्या कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है या नहीं।

दरअसल, मुडा में कथित गड़बड़ी का मामला जुलाई के शुरूआत में सामने आया था। 1 जुलाई को आईएएस अधिकारी वेंकटचलपति आर के नेतृत्व में जांच के लिए एक सरकारी आदेश जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि प्रथम दृष्टया मुडा के भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं का संदेह है। इसमें कहा गया कि भूखंडों को पात्र लाभार्थियों को देने के बजाय, उन्हें प्रभावशाली लोगों और रियल एस्टेट एजेंटों को आवंटित किए जाने की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद राज्य के शहरी विकास मंत्री ब्यारती सुरेश ने 1 जुलाई को मैसूर में एक बैठक की और मुडा आयुक्त दिनेश कुमार सहित चार अधिकारियों का तबादला कर दिया। राज्य में कथित घोटाले की खबरें सामने आने के बाद, कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने दावा किया कि सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को भी नियमों का उल्लंघन करते हुए एक वैकल्पिक साइट दी गई। दरअसल, मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया।

खड़गे मुश्किल में : लोकायुक्त में दी गई शिकायत, धोखाधड़ी के लगे आरोप

बेंगलूरू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कानूनी दांव पेंच में फंसते नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता रमेश एनआर ने खड़गे और अन्य के खिलाफ कर्नाटक लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है।

यह लगाए गए आरोप : भाजपा नेता एनआर रमेश ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। आरोपों में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, दस्तावेजों की जालसाजी, सरकारी जमीन को अवैध रूप से हासिल करने की साजिश और सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से हड़पने में मदद करना शामिल है।

पांच एकड़ जमीन के मामले में घोटाला :

आरोपों में से एक सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से मंजूरी देने से जुड़ा हुआ है। शिकायत में यह भी दावा किया गया कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को संदिग्ध परिस्थितियों में पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसे लेकर खड़गे, मंत्री प्रियांक एम. खड़गे, राहुल एम. खड़गे, राधाबाई एम. खड़गे, राधाकृष्ण, मंत्री एम.बी. पाटिल और आईएएस अधिकारी डॉ.एस. सेल्वाकुमार का नाम शिकायत में दर्ज किया गया है।

राजनीति की असली परिभाषा सत्ताकरण में बदलकर रह गई : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति का अर्थ वास्तव में समाज सेवा, राष्ट्र-निर्माण और विकास है। लेकिन वर्तमान समय में राजनीति के मायने बदल गए हैं। अब राजनीति का मतलब केवल सत्ता की राजनीति है।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिनंदन समारोह में नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति में मतभेद की समस्या नहीं है, बल्कि विचारों का अभाव है। राजनीति का सही अर्थ समाजीकरण, राष्ट्रकरण और विकास है, लेकिन अब, राजनीति की परिभाषा बदल गई है। इसे केवल सत्ताकरण (सत्ता की राजनीति) में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब हम आरएसएस के कार्यकर्ता थे तो हमें काफी बाधाओं का सामना करना पड़ा। तब न तो हमें कोई

मानता था और न ही कोई सम्मान था। हरिभाऊ बागड़े ने लोगों के कल्याण के लिए समर्पण के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में 20 साल तक विदर्भ में यात्रा की और काम किया। आपातकाल के बाद लोग हमारी रैलियों में पत्थर फेंकते थे, जिस ऑटोरिक्शा का इस्तेमाल मैं घोषणा करने के लिए करता था, उसे लोगों ने आग लगा दी थी। केंद्रीय मंत्री बोले कि अब हजारों लोग हमें सुनने आते हैं। यह मेरी लोकप्रियता नहीं है, बल्कि हरिभाऊ बागड़े जैसे कार्यकर्ताओं का काम है। जिन्होंने कड़ी मेहनत की और अपनी जान जोखिम में डाली। इसके बाद पार्टी इस मुकाम पर पहुंची। उन्होंने कहा कि एक अच्छा पार्टी कार्यकर्ता वही होता है जो पार्टी में कुछ न मिलने पर भी अच्छा व्यवहार करता है।

एयर क्वालिटी पर सुप्रीम कोर्ट-हालात इमरजेंसी जैसे

'पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं, आपका काम सिर्फ कागज में'

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को फटकार लगाई।

कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की वजह से इमरजेंसी जैसे हालात बने हुए हैं। सीएक्यूएम से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है? आप पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं? आपकी कार्रवाई केवल कागज पर है और आप मूकदर्शक हैं। अगर आप यह मैसेज नहीं देते हैं कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तो ये प्रावधान केवल कागज पर ही रह जाएंगे। पिछली सुनवाई के दौरान 27 अगस्त को कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में कर्मचारी कम होने की वजह से ठीक से काम नहीं हो रहा। कोर्ट ने पांच राज्यों को आदेश दिया था कि वे खाली पड़ी नौकरियों को 30 अप्रैल 2025 तक भरें, ताकि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की बेंच कर रही है। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश

और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सीएक्यूएम तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इतनी कार्रवाई काफी नहीं है। आयोग को और अधिक एक्टिव होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रदूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2021 में सीएक्यूएम का गठन किया था। इसे दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने हलफनामा पढ़कर सुनाया। इसमें पराली संकट से निपटने को लेकर सलाह और दिशा-निर्देश जारी करने जैसे कदमों की जानकारी दी गई। लेकिन अदालत इन कोशिशों से नाखुश नजर आई। जस्टिस ओका ने कहा कि, सब कुछ तो हवा में है। एनसीआर राज्यों में जो किया गया है, उसके बारे में हमें कुछ भी नहीं बताया गया। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और पंजाब सरकार से पूछा था कि प्रदूषण की समस्या को रोकने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं।

केरल में मंकीपॉक्स का दूसरा मरीज मिला

कोच्चि, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केरल में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) का दूसरा मरीज मिला है। भारत में मंकीपॉक्स का यह तीसरा मामला है। 29 साल का युवक यूएई से केरल के एर्नाकुलम लौटा था। उसे तेज बुखार था। जांच में एमपॉक्स की पुष्टि हुई। अभी स्ट्रेन का पता नहीं चला है। केरल हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि मरीज का कोच्चि के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। जांच के बाद पता चलेगा कि मरीज एमपॉक्स के खतरनाक और तेजी से फैलने वाले क्लैड-1बी स्ट्रेन से संक्रमित है या नहीं। 18 सितंबर को भारत में एमपॉक्स का दूसरा और क्लैड-1बी स्ट्रेन का पहला मरीज मिला था। 38 साल का संक्रमित मरीज यूएई से केरल के मलप्पुरम लौटा था।

केंद्र सरकार ने स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया

❊ कांग्रेस को 4 समितियों की अध्यक्षता मिली ❊ राहुल गांधी डिफेंस कमेटी के मेंबर ❊ कंगना आईटी समिति की सदस्य

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में साल 2024-25 के लिए 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी का गुरुवार देर रात गठन किया गया। हर समिति में राज्यसभा और लोकसभा दोनों के सदस्य शामिल हैं।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार से 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांगी थी, लेकिन उसे चार प्रमुख पैनलों की अध्यक्षता दी गई है। इसमें विदेश, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण मामलों की समिति शामिल हैं। राहुल गांधी को रक्षा मामलों की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है।

बीजेपी 11 समितियों की अध्यक्षता करेगी। भाजपा सांसद

निशिकांत दुबे को संचार और आईटी समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत भी इस समिति की सदस्य बनाई गई हैं। टीएमसी और डीएमके के खाते में 2-2 समितियों की अध्यक्षता आई है। जेडीयू, टीडीपी, एसपी, शिवसेना (एकनाथ), एनसीपी (अजित) को एक-एक समिति की अध्यक्षता दी गई है। हर डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी में 31 मेंबर्स होते हैं, जिसमें से 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से चुने जाते हैं। इन सभी कमेटी का कार्यकाल एक साल से ज्यादा नहीं होता है।

'पीएम किसान की राशि 6000 से 10 हजार करेंगे'

शाह ने आयुष्मान स्कीम को लेकर भी किया बड़ा ऐलान

अंबाला, 27 सितंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा की धरती से बड़ा ऐलान कर दिया है।

उन्होंने कहा है कि अगर हरियाणा चुनाव में बीजेपी की सरकार बनती है तो पीएम किसान की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 10 हजार कर दिया जाएगा। इसी तरह आयुष्मान भारत स्कीम को लेकर कहा गया है कि बीमा को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख किया जाएगा।

किसान निधि और आयुष्मान योजना को लेकर बड़ा ऐलान :

हरियाणा के अंबाले में अमित शाह ने कहा कि आप एक बार फिर बीजेपी की सरकार बनाएं, जो किसानों को अभी 6 हजार रुपये मिल रहे हैं, उसे बढ़ाकर 10 हजार कर देंगे। आयुष्मान भारत के अंदर भी अभी फ्री इलाज 5 लाख तक का मिलता है, उसे बढ़ाकर 10 लाख कर देंगे। बुजुर्गों को तो 5 लाख अतिरिक्त और देंगे। अब चुनावी मौसम में गृह मंत्री अमित शाह का यह ऐलान मायने रखता है क्योंकि किसान निधि योजना की वजह से देश के कई किसानों को फायदा हुआ है। ऐसे में अगर उस राशि को ही बढ़ा दिया जाएगा, इसका सीधा असर किसानों की आमदनी पर पड़ेगा। जानकार मानते हैं कि यह बीजेपी का एक मास्टर स्ट्रोक भी साबित हो सकता था। हरियाणा में किसानों का एक वर्ग पार्टी से नाराज चल रहा है, तीन कृषि कानून वाले आंदोलन के बाद से ही चुनौती और ज्यादा बढ़ी है। ऐसे में उन्हीं किसानों को खुश करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने यह बड़ा ऐलान कर दिया है।

बीजेपी का हरियाणा वाला संकल्प पत्र :

इसी तरह वर्तमान में आयुष्मान भारत का लाभ भी कई लोगों को मिल रहा है। इसे भी मोदी सरकार की एक बड़ी स्कीम के तौर पर देखा जाता है।

अब अगर इसका दायरा भी बढ़ा दिया जाएगा, जमीन पर व्यापक असर देखने को मिल सकता है। वैसे हरियाणा चुनाव को लेकर बीजेपी का जो संकल्प पत्र सामने आया है, उसमें भी बड़े ऐलान किए गए हैं। इस लिस्ट में सभी महिलाओं को 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत प्रतिमाह 2,100 वित्तिय सहायता प्रदान करने की बात है। इसी तरह गांवों के 50 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने का वादा है।

मानहानि केस में केजरीवाल, आतिशी की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी मार्लेना की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाल दी है। अब इनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 30 सितंबर को सुनवाई करेगा। दरअसल भाजपा नेता राजीव बब्बर ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। इस मामले में हाईकोर्ट से भी केजरीवाल और आतिशी मार्लेना को झटका लगा चुका है। दरअसल साल 2018 में अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि दिल्ली में अग्रवाल समाज के आठ लाख वोट थे, लेकिन भाजपा ने अग्रवाल समाज के चार लाख वोट कथित तौर पर मतदाता सूची से कटवा दिए। केजरीवाल ने दावा किया कि अग्रवाल समाज भाजपा का कट्टर वोटर था, लेकिन नोटबंदी और जीएसटी से नाराजगी की वजह से ये भाजपा से नाराज हैं और इसी वजह से भाजपा ने इनके वोट ही कटवा दिए।

महाराष्ट्र इलेक्शन-चुनाव आयोग ने चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी से जवाब मांगा

ईसी बोला-चुनाव प्रभावित होगा, जल्द तारीखों का ऐलान

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और डीजीपी से आदेश का पालन न करने पर जवाब मांगा है। मामला विधानसभा चुनाव को देखते हुए अधिकारियों के ट्रांसफर से जुड़ा है। इलेक्शन कमीशन ने आदेश दिया था कि, राज्य में उन अधिकारियों का ट्रांसफर किया जाए। जो या तो अपने होम टाउन में पोस्टेड हैं या वे अधिकारी जिन्हें एक जगह सर्विस करते हुए तीन साल से ज्यादा हो गया। चुनाव आयोग ने 31 अगस्त तक रिपोर्ट फाइल करने का समय दिया था। एडीजीपी ने अभी तक अधूरी रिपोर्ट दी है। वहीं चीफ सेक्रेटरी का भी पूरी रिपोर्ट फाइल करना बाकी है। मुंबई में करीब 100 से ज्यादा अधिकारियों को ट्रांसफर नहीं हुआ है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव होने की संभावना है। चुनाव आयोग वर्तमान में चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए दो दिन के दौरे पर है। जल्द ही चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है।

महा विकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग पर चल रही बात :

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) 18 से 20 सितंबर तक मुंबई में बैठक हुई थी। शिवसेना नेता संजय राउत ने बताया था कि गठबंधन में शामिल किस पार्टी को कितनी और कहां की सीटें मिलेंगी इसका फॉर्मूला तय किया जाएगा।

बांग्लादेश में बेलगाम हुए कट्टरपंथी : दुर्गा पूजा से पहले हिंदुओं को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के हटने के साथ ही अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लिए मुसीबतें बढ़ रही हैं। बंगालियों का सबसे बड़ा त्योहार, दुर्गा पूजा नजदीक आने के साथ ही कट्टरपंथी इस्लामी समूह त्योहार को खुले तौर पर मनाने का विरोध कर रहे हैं। ये कट्टरपंथी त्योहार के दौरान देशव्यापी छुट्टियों के खिलाफ हैं।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में कट्टरपंथी समूहों ने ढाका के सेक्टर 13 में एक मार्च भी निकाला, जिसमें हिंदुओं द्वारा दुर्गा पूजा के लिए खेल के मैदान के इस्तेमाल का विरोध किया गया। इंसाफ कीमकारी छात्र-जनता नामक एक संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें बांग्ला में तख्तियों पर लिखा था, सड़कें बंद करके कहीं भी पूजा नहीं की जाएगी, मूर्ति विसर्जन से जल प्रदूषण नहीं होगा, मूर्तियों की पूजा नहीं की जाएगी। संगठन ने तर्क दिया कि चूंकि हिंदू

आबादी दो प्रतिशत से भी कम है इसलिए दुर्गा पूजा के लिए सार्वजनिक छुट्टियों की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे मुस्लिम बहुसंख्यकों का जीवन बाधित होता है। उनका यह भी दावा है कि धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए किसी भी मुस्लिम को हिंदू त्योहारों के समर्थन में शामिल नहीं होना चाहिए। संगठन की मांग में बांग्लादेश में कई जमीन पर कब्जा करके बनाए गए मंदिरों को हटाना भी शामिल है। एक अन्य मांग में कहा गया है, चूंकि भारत बांग्लादेश का राष्ट्रीय दुश्मन है इसलिए बांग्लादेश के हिंदू नागरिकों को भी भारत विरोधी होना चाहिए। इस कारण से, भारत विरोधी बैनर और भारत विरोधी नारे मंदिरों में रखे जाने चाहिए।

दुर्गा पूजा पर टेढ़ी नजर :

इन घटनाओं से हिंदू समुदाय में चिंता बढ़ रही है, जो अत्यधिक तनाव के बीच दुर्गा पूजा मनाने की तैयारी कर रहा है। पिछली शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद समुदाय को हमलों का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन की ओर से सुरक्षा के आश्वासन के बावजूद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

12 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को फांसी की सजा

जालंधर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। 12 साल की मासूम बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी युवक को हुए फांसी की सजा सुनाई है।2021 में 12 साल की गायब मासूम बच्ची का शव एक युवक गुरप्रीत सिंह के घर से बरामद किया गया।

मेडिकल जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने मासूम बच्ची से दुष्कर्म किया था। एडीशनल सैशन जज अर्चना कंबोज ने ये सख्त फैसला सुनाया है।

अदालत ने फैसला दिया है कि दोषी को तब तक फांसी से लटकाया जाए, जब तक उसकी मौत न हो जाए। अदालत के इस सख्त फैसले की पुष्टि जालंधर के डीए अनिल कुमार बोपाराए और एडीए निखिल नाहर ने की है।

लक्ष्मी बाई की मूर्ति को लेकर विवाद

बिना शर्त माफी का हलफनामा, सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सदर बाजार इलाके में शाही ईदगाह के पास डीडीए के जमीन पर लगाई जा रही रानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति को लेकर पिछले कई दिनों से लगातार विवाद जारी है। शाही ईदगाह पार्क में प्रतिमा स्थापित करने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में शाही ईदगाह प्रबंधन कमेटी की याचिका पर आज सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने कमेटी से माफी मांगने और विवादास्पद दलीलों को हटाने को कहा था।

कमेटी के वकील का कहना है कि बिना शर्त माफी के साथ एक हलफनामा दायर किया गया था, लेकिन वह रिकॉर्ड में नहीं है। मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी। हाई कोर्ट ने कहा, सीनियर वकील ने कहा कि उन्होंने कल रजिस्ट्री में आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल किया है। वे रिकॉर्ड में नहीं हैं, उन्हें रिकॉर्ड में लाया जाए।

बिना शर्त माफी का हलफनामा

शाही ईदगाह मैनेजमेंट कमेटी ने दिल्ली हाई कोर्ट में बिना शर्त माफी के साथ हलफनामा दायर किया। कमेटी ने शाही ईदगाह पार्क में रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा स्थापित करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने समिति की 'निंदनीय दलीलों' के लिए उसे फटकार लगाई थी और कहा था कि समिति सांप्रदायिक दलीलें कर रही है। कमेटी ने कोर्ट में पिछली तारीख पर कहा था कि वह याचिका वापस ले रही है, लेकिन हाई कोर्ट ने पहले माफी मांगने को कहा था। इसके साथ ही एकल न्यायाधीश के खिलाफ लगाए गए आरोपों सहित निंदनीय दलीलों को हटाने के लिए आवेदन भी मांगा था, जिन्होंने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। आज सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को बताया गया कि माफी दायर की गई है, लेकिन रिकॉर्ड पर नहीं है। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि इस मामले में कोर्ट के आदेश के बाद माफीनामा रजिस्ट्री में जमा करा दिया गया है। दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लाने के लिए सुनवाई मंगलवार तक टाल दी गई है।

सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात

जुमे की नमाज की वजह से कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुरुवार से ही सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किए जाने लगे थे। मौके पर अर्धसैनिक बलों के अलावा पुलिस फोर्स तैनात कई गई है। मामले से जुड़ा एक मैसेज प्रसारित हुआ, जिसमें जानकारी दी गई थी ईदगाह के साथ कुछ गलत हो रहा। इस तरीके की गलत जानकारी थी, मैसेज में कुछ लोगों को वहां पहुंचने के लिए बोला गया था। इस वजह से आज यानी शुक्रवार को मौके पर अच्छी तरह से पुलिस फोर्स तैनात की गई है। फिलहाल, मौजूदा वक्त में शांति का माहौल है।

कार के अंदर मिले एक ही परिवार के 5 लोगों के शव

सामूहिक खुदकुशी की आशंका; जांच में जुटी पुलिस

पुदुकोट्टई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के नमनसमुद्रम पुलिस स्टेशन लिमिट्स में एक घर के बाहर खड़ी कार में 5 शव मिलने से सनसनी फैल गई। बुधवार सुबह तिरुचि-कारईकुडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर नमनसमुद्रम के पास एक इमारत के बाहर खड़ी कार में एक परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए। पुलिस के मुताबिक ये सभी तमिलनाडु के सेलम के रहने वाले थे। वहीं पुलिस की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि बिजनेस के लिए मणिगंडन नाम के शख्स ने लोन लिया हुआ था, जो कि काफी ज्यादा हो गया था। इसी दबाव में आकर परिवार के सभी सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय मणिगंडन, उनकी पत्नी नित्या (48), उनकी मां सरोजा (70) बेटी निहारिका (22) और बेटा धीरन (20) के रूप में हुई है। ये सभी लोग सेलम जिले के स्टेट बैंक कॉलोनी के निवासी थे। स्थानीय लोगों ने सुबह 9 बजे इलानकुडीपट्टी में एक मठ के सामने कार खड़ी देखी और पुलिस को सूचना दी। वहीं पुदुकोट्टई जिले की नमनसमुद्रम पुलिस ने सभी शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पुदुकोट्टई के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की याचिका निपटाई

जीएमआर को एयरपोर्ट का संचालन सौंपने के मामले में फैसला

नागपुर नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने निजी कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स को नागपुर के बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का रिनोवेशन व संचालन करने की अनुमति देने के अपने फैसले के खिलाफ केन्द्र और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण की सुधारात्मक याचिका का शुक्रवार को निपटारा कर दिया। शीर्ष अदालत ने यह निर्णय सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की स्वतंत्र पेशेवर राय पर गौर करने के बाद लिया। सॉलिसिटर जनरल की ओर से कहा गया था कि केंद्र और एएआई की सुधारात्मक याचिकाएं ऐसी याचिकाओं पर विचार करने के लिए निर्धारित कानूनी मापदंडों के अंतर्गत नहीं आतीं।

सुधारात्मक याचिका यानी क्यूरेटिव पिटीशन, वादी के लिए उपलब्ध अंतिम कानूनी सहारा है और इसका विकल्प शीर्ष अदालत की ओर से 2002 में रूपा अशोक हुर्रा मामले में दिए गए फैसले के तहत तैयार किया था। ऐसी याचिका, मुख्य मामले और समीक्षा याचिका के खारिज होने के बाद, कुछ कानूनों का उल्लंघन होने पर दायर की जा सकती है। इस सुविधा के उपयोग के लिए किसी मामले में दिए गए फैसले में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन होना चाहिए, पक्षपात की आशंका होनी चाहिए और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होना चाहिए। शुक्रवार को शीर्ष विधि अधिकारी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की चार न्यायाधीशों की विशेष पीठ से कहा कि केंद्र और एएआई की सुधारात्मक याचिकाएं 2002 के फैसले के तहत नहीं आती हैं। वे वे पक्षपात का तर्क देकर नहीं कह सकते कि सरकार का पक्ष नहीं सुना गया।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, इन कार्यवाहियों को अंतर-न्यायालय अपील में नहीं बदला जा सकता। मुझे अपना निर्णय स्वीकार करना होगा...मैंने केंद्र से भी परामर्श नहीं किया है। हालांकि, विधि अधिकारी ने एक पहलू प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया था कि केंद्र और एएआई मुकदमे में आवश्यक पक्ष नहीं थे, तथा इस पर पुनर्विचार किया जा सकता है, क्योंकि इसी प्रकार के मामलों में इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के विचारों की सराहना की और कहा कि सुधारात्मक याचिका को बिना दबाव के निपटाया जाता है। विधि अधिकारी के इस कथन को स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा, निर्णय में यह कहा गया है कि एएआई और भारत संघ आवश्यक पक्ष नहीं हैं, जो कानून की दृष्टि से सही स्थिति नहीं होगी। इससे पहले, पीठ ने सॉलिसिटर जनरल से न्यायालय के एक अधिकारी के रूप में, न कि मामले में केंद्र और एएआई के वकील के रूप में, निष्पक्ष विचार मांगे थे।

पूर्व सीएम का हत्यारा आतंकी हवारा पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, पंजाब जेल भेजने की मांग

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आतंकवादी जगतार सिंह हवारा ने खुद को दिल्ली से पंजाब के किसी जेल में ट्रांसफर करने की मांग की है। इस बाबत उसने एक अर्जी सुप्रीम कोर्ट में दी है। सुप्रीम कोर्ट ने हवारा की याचिका पर दिल्ली, पंजाब और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हवारा को 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली हुई है और वह फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। बब्बर खालसा से जुड़ा आतंकवादी हवारा 2004 में चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में सुरंग बनाकर अपने 2 साथियों के साथ भाग निकला था। हालांकि 2005 में उसे दिल्ली में दोबारा गिरफ्तार किया गया। तब से वह तिहाड़ जेल में है।

झूठ बोलना बंद नहीं करेंगे तो हर 15 दिन में जेल की सजा

संजय निरुपम का संजय राउत पर निशाना

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत को मानहानि के केस में जमानत मिल गई, लेकिन विरोधी उनपर जमकर हमले कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने कहा कि अगर संजय राउत जेल जाने से बचना चाहते हैं तो उन्हें झूठ बोलना बंद करना होगा, क्योंकि वह रोज झूठ बोलते हैं। संजय निरुपम ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, "संजय राउत रोज झूठ बोलते हैं और उनका झूठ आज कोर्ट में पकड़ा गया। इसके लिए उन्हें 15 दिन जेल की सजा और 15 हजार रुपये जुर्माना भरने की सजा हुई थी। लेकिन, 15 हजार रुपये का मुचलका भरने से जेल जाने से बच गए हैं।" निरुपम ने आगे कहा कि लेकिन सवाल यह है कि वह कब तक बचेंगे। इस तरीके से रोज झूठ बोलते हैं उनको हर 15 दिन में जेल जाना होगा। अगर जेल जाने से बचना चाहते हैं तो उन्हें झूठ बोलना बंद करना होगा।

किरीट सोमैया की पत्नी ने किया था केस

संजय राउत को मानहानि के मामले में दोषी पाया गया था। उन्हें 15 दिन की जेल और 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। संजय राउत ने कहा कि उनको ऐसे ही फैसले की अपेक्षा थी लेकिन मैंने जो कहा था वह आरोप था और किरीट सोमैया भी आरोप लगाते रहते हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हम जैसे लोगों को न्याय कैसे मिल सकता है। संजय राउत के खिलाफ किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया ने याचिका दाखिल की थी।

बीजेपी ने दी थी यह प्रतिक्रिया

संजय राउत को लेकर कोर्ट का फैसला आने पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी प्रतिक्रिया दी थी और उनसे यही उम्मीद करता हूं कि वे कम झूठ बोलेंगे। भगवान ने झूठ बोलने के लिए पैदा नहीं किया। रोज झूठ बोलने बंद करें लेकिन मुझे लगता नहीं है कि वे मेरी बात सुनेंगे।

हरियाणा चुनाव: रॉबर्ट वाड्रा का मोदी पर पलटवार बोले- "अगर गलत हूं तो साबित करो"

हिसार, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने रॉबर्ट वाड्रा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर तंज कसा है। इसके जवाब में रॉबर्ट वाड्रा ने पीएम मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा, आप साबित करें कि मेरी कोई जमीन हरियाणा में है या मैंने कोई गलत काम किया है। आप नहीं कर सकते, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में लगातार उनका नाम लेते हैं। उन्होंने बताया कि मोदी की सरकार को दस साल हो गए हैं और सभी एजेंसियों ने जांच की, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। वाड्रा ने चेतावनी दी कि अगर कुछ है तो उसे साबित करें। वाड्रा ने यह भी कहा कि मोदी पिछले दस सालों से उन्हें फर्जी मुद्दों में उलझाए हुए हैं। हरियाणा में मनोहर लाल की सरकार ने खुद अदालत में लिखित में कहा था कि वाड्रा के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वाड्रा ने पीएम मोदी से सवाल किया कि वे किस आधार पर आरोप लगा रहे हैं और किस चीज़ का इंतजार कर रहे हैं? इस तरह वाड्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर के बाहर महिला ने किया हंगामा, नेम प्लेट निकालकर फेंकी

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के मंत्रालय में स्थित महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर के बाहर एक महिला ने आज (27 सितंबर) हंगामा किया। उसने डिप्टी सीएम की नेम प्लेट निकालकर नीचे फेंक दी। मंत्रालय की छठी मंजिल पर यह घटना हुई है। महिला का चेहरा सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है। पुलिस अज्ञात महिला की तलाश में जुट गई है। एक अज्ञात महिला अचानक देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय में तोड़फोड़ करने लगी और मंत्रालय से चली गई। इस घटना से सनसनी मच गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, संबंधित महिला बिना पास लिए ही मंत्रालय में दाखिल हो गई थी। महिला सेक्रेटेरियट गेट से मंत्रालय में दाखिल हुई।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस कमिश्नर ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और महिला की तलाश युद्धस्तर पर जारी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला पहले अदंर गई थी, उसके कुछ समय बाद वो मंत्रालय के गेट से बाहर जाने लगी, तभी गेट तक पहुंचने पर उसे कुछ याद आया और वो दोबारा मंत्रालय के छठवीं मंजिले पर गई और देवेंद्र फडणवीस के ऑफिस के बाहर हंगामा किया, घटना के बाद महिला मौके से फरार हो गई।

कब की है घटना?

इस घटना ने मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद खामियों को उजागर कर दिया है। बताया जा रहा है कि महिला गुरुवार रात को मंत्रालय में दाखिल हुई थी। उस वक्त मंत्रालय इलाके में पुलिस की ज्यादा मौजूदगी नहीं थी। इसलिए यह महिला बिना किसी की नजर में आए आसानी से सेक्रेटेरियट के गेट से अंदर घुस गई।

भजन मंडली को लेकर जा रही गाड़ी नहर में गिरी, पानी में बहीं दो छोटी बच्चियां, तलाश जारी

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिले के साकोली में भजन मंडली को लेकर जा रही एक मिनी मैक्स गाड़ी पुल से नहर में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुबह 4 बजे हुई इस दुर्घटना में 13 लोग घायल हुए हैं, जबकि 2 छोटी बच्चियां पानी में बह गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार, नायब तहसीलदार और पुलिस मौके पर पहुंच गई। लापता बच्चियों की

तलाश की जा रही है और घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है।

'केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को सिर्फ गुमराह किया'

वीरेंद्र सचदेवा का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के नौ साल से ज्यादा समय तक के कार्यकाल को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम के कार्यकाल के दौरान विकास कार्य और आधारभूत सुविधाओं के रखरखाव के मामले में दिल्ली लगभग चार दशक पीछे चली गई. साढ़े नौ साल के शासनकाल में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की बदहाली का कभी कोई निरिक्षण नहीं किया. अब अपनी छवि ठीक करने के लिए मुख्यमंत्री आतिशी और मनीष सिसोदिया के साथ निरीक्षण कर रहे हैं. वीरेंद्र सचदेवा के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल ने आरजेडी प्रमुख और बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव की तरह दिल्ली की जनता को केवल गुमराह किया. वीरेंद्र सचदेवा के मुताबिक दिल्ली के पूर्व सीएम का सियासी सफर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की ही तरह है.दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष के अनुसार आज राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों, फ्लाईओवर, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बाजार सबकी दुर्दशा देखते ही बनती है. उनका यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि केजरीवाल के शासन में दिल्ली की सड़कों का वो हाल हो गया जो कभी 1990-97 के बीच लालू यादव के राज में पटना और बिहार की सड़कों का था. दिल्ली का ये हाल आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की पापुलर पॉलिटिक्स करने की आदत की वजह से हुई. देश की राजधानी में इस वर्ष के मानसून में जलजमाव एवं बिजली करंट जैसे मामूली कारणों से लगभग 50 लोगों की अप्राकृतिक कारणों से मौत हुई.

राहुल गांधी की सिटिजनशिप पर बवाल

कैसे साबित होती है नागरिकता और क्या लगते हैं डॉक्यूमेंट?

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सिटिजनशिप को लेकर एक बार फिर बवाल मचा हुआ है। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की नागरिकता के विवाद पर नागरिकता अधिनियम-1955 के तहत की गई शिकायत पर केंद्र सरकार से कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति किन डॉक्यूमेंट के जरिए अपनी नागरिकता को साबित कर सकता है।

राहुल गांधी की नागरिकता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर लंबे समय से राजनीतिक गलियारों में चर्चा होती रहती है। इतना ही कोर्ट में दी गई दलील के मुताबिक तमाम दस्तावेज और ब्रिटिश सरकार के कुछ ई-मेल हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं। दलील में कहा जा रहा है कि वो चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं और लोकसभा सदस्य का पद नहीं धारण कर सकते हैं।

क्या है मामला

दरअसल कहा जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास दोहरी नागरिकता है। याचिका में राहुल गांधी के दोहरी नागरिकता धारण करने को भारतीय न्याय संहिता तथा पासपोर्ट एक्ट के तहत अपराध बताते हुए सीबीआई को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश देने की भी मांग की गई है। वहीं याचिकर्ता का कहना है कि उसने दोहरी नागरिकता के संबंध में सक्षम प्राधिकारी को दो-दो बार शिकायतें भेजीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं किये जाने पर वर्तमान याचिका दाखिल की जा रही है।

नागरिकता

भारत में नागरिकता को लेकर अक्सर राजनीति होती रहती है। सरकार द्वारा सिटीजनशिप एमेंडमेंट एक्ट बनने के बाद आसानी से लोग इसके जुड़े नियम को समझ सकते हैं। इतना ही नहीं संविधान में विभिन्न अनुच्छेदों के जरिए नागरिकता को पारिभाषित किया गया है। इन अनुच्छेदों में वक्त-वक्त पर संशोधन भी हुए हैं। इसके अलावा संविधान का अनुच्छेद 5 से लेकर 11 तक नागरिकता को परिभाषित करता है।

इसमें अनुच्छेद 5 से लेकर 10 तक नागरिकता की पात्रता के बारे में बताता है, वहीं अनुच्छेद 11 में नागरिकता के मसले पर संसद को कानून बनाने का अधिकार देता है। वहीं नागरिकता को लेकर 1955 में सिटीजनशिप एक्ट पास हुआ। इस एक्ट में अब तक चार बार 1986, 2003, 2005 और 2015 में संशोधन हो चुके हैं।

70 मिनट में पोस्टमार्टम

मजिस्ट्रेट ने केवल 20 मिनट में निपटाया काम सीबीआई को जांच रिपोर्ट में मिलीं ये बड़ी खामियां

कोलकाता, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर रेप-हत्या मामले की जांच रिपोर्ट में गंभीर खामियां पाई हैं। सूत्रों ने बताया कि पहली चूक तब पकड़ी गई जब मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में कहा गया कि उन्हें पीड़िता के शव की जांच के लिए केवल 20 मिनट का समय मिला। कानूनी शब्दों में, जांच रिपोर्ट एक दस्तावेज है जो पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट द्वारा तब बनाया जाता है जब कोई व्यक्ति अचानक, अनजाने में या फिर हिंसक तरीके से मारा जाता है। इसमें मृतक की पहचान, उसकी मौत का कारण और ये पता लगाने के लिए तैयार किया जाता है ताकि ये जान सकें कि क्या मौत संदिग्ध तरीके से हुई है। सूत्रों ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट को पीड़िता के शव की जांच के लिए बहुत कम समय दिया गया था।

जांच अधिकारियों का मानना है कि जांच रिपोर्ट तैयार करने में भी जल्दबाजी की गई। इसके अलावा, पोस्टमार्टम प्रक्रिया को केवल 70 मिनट में पूरा कर लिया गया, जिससे जांच में अनियमितताओं की आशंका है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने दूसरी बड़ी लापरवाही ये पाई कि जांच रिपोर्ट में पीड़िता के शरीर पर लगे घावों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। साथ ही, जांच अधिकारियों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शहर पुलिस की जब्ती सूची में बड़े विरोधाभासों की पहचान की है। ये तब सामने आए जब केंद्रीय एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जांच का जिम्मा संभाला। इससे पता चलता है कि शुरुआती जांच में अनियमितताएं हुईं हैं।

'वहां कौशल नहीं': असम में सेमीकंडक्टर इकाई पर प्रियांक खरगे नाराज

सीएम सरमा बोले- कांग्रेस का असल रंग सामने आया

गुवाहटी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों की स्थिति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इसकी तीन इकाई गुजरात में और एक असम में है, जिसे लेकर कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने विरोध जताया। खरगे के इस विरोध पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार किया। उन्होंने प्रियांक खरगे के जरिए कांग्रेस को घेरा। असम सीएम ने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस ने असम के विकास का विरोध कर अपना असली रंग दिखा दिया। इसी के साथ उन्होंने असम कांग्रेस के नेताओं को इस विभाजनकारी सोच से हटकर राज्य के विकास के लिए खड़े होने की अपील की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, एक बार फिर असम के विकास का विरोध करते हुए कांग्रेस ने अपना असली रंग दिखा दिया है। कर्नाटक के एक मंत्री जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे भी हैं, उन्होंने दावा किया कि असम को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की मेजबानी करने का कोई अधिकार नहीं है। मैं असम कांग्रेस के नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस विभाजनकारी सोच से निकलकर राज्य के विकास में भूमिका निभाएं।

प्रियांक खरगे का बयान

इससे पहले कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को लेकर विरोध जताया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, पांच सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों में चार गुजरात और एक असम में है। लेकिन उनके पास वहां इकोसिस्टम का कोई कौशल नहीं है। उनके पास वहां शोध, उद्भवन और नवीनीकरण की व्यवस्था नहीं है। जब चिप डिजाइनिंग की 70 फीसदी प्रतिभा कर्नाटक में हैं तो मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि सरकार राजनीतिक बल का इस्तेमाल कर दूसरे राज्यों में क्यों दबाव बनाना चाह रही है। यह गलत है।

केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

इससे पहले कर्नाटक मंत्री प्रियांक खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सेमी कंडक्टर कंपनियों को गुजरात में निवेश के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि जब शीर्ष में बैठे लोग प्रधानमंत्री की बजाय मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं तो कर्नाटक जैसे राज्यों को नुकसान होगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 28 सितंबर, 2024

युविचार

अपने अहं को मार देने और अपने आत्मसम्मान को मार देने में फ़र्क़ है।

स्वच्छता में सभी की भागीदारी हो : जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल ने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि स्वच्छता हर किसी की जिम्मेदारी है और लोगों की भागीदारी से ही स्वच्छता संभव है। राज्यपाल शुक्रवार को स्वच्छता की भागीदारी कार्यक्रम के तहत खैरताबाद के इंदिरा नगर कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। सबसे पहले उन्होंने इंदिरा नगर कॉलोनी का दौरा किया और कॉलोनी की स्थिति और स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हमारा घर, हमारा गांव, हमारा राज्य और हमारा देश स्वच्छ और सुरक्षित होना चाहिए। स्वच्छ एवं सुरक्षित समाज के लिए सभी को अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य तभी अच्छा होगा जब प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। उन्होंने कहा कि हमें सरकारी सहयोग तभी मिलेगा जब हम अपना काम करेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता की पूरी समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सेवा के माध्यम से स्वयं की सेवा करनी चाहिए, स्वच्छता राष्ट्र सेवा का हिस्सा है। कहा कि समाज के विकास के लिए स्वच्छता कार्यक्रम जरूरी है और सभी को सफाई करने व साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। उन्होंने सभी से स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने और सभी को जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि इंदिरा नगर कॉलोनी स्वच्छ एवं सुंदर होगी तो कॉलोनी के लोग सुरक्षित रहेंगे। राज्यपाल ने कहा कि इंदिरा कॉलोनी अन्य बस्तियों के लिए मार्गदर्शक बने और सभी लोग सहयोग करें। प्रमुख सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने कहा कि राज्यपाल ने इंदिरा नगर कॉलोनी को गोद लिया है, ताकि राजभवन और सचिवालय के बेहद नजदीक इस कॉलोनी का शुचितापूर्वक विकास किया जा सके। उन्होंने कहा कि कॉलोनी की साफ-सफाई के साथ-साथ कॉलोनी के हर घर को विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राज्यपाल कार्यालय से एनएसएस स्वयंसेवक इंदिरा नगर कॉलोनी के घरों में आकर पता लगाएंगे कि वहां क्या समस्याएं हैं, परिवार की स्थिति के बारे में विवरण एकत्र करेंगे और प्रत्येक घर को उस दिशा में विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। अगले छह माह में कॉलोनी का और अधिक विकास होगा। इससे पहले राज्यपाल ने सभी को पवित्रता का संकल्प दिलाया। स्वयंसेवकों ने फ्लैश मॉब प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा, संयुक्त सचिव भवानी शंकर, अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, जोनल कमिश्नर रवि किरण, स्वच्छता कर्मचारी, कॉलोनी के लोग, महिलाएं, गैर सरकारी संगठन, छात्र और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सीएम ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वतंत्रता सेनानी और तेलंगाना के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले आत्म-त्यागी आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी को उनकी जयंती पर अपने जुबली हिल्स आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, विधायक विवेक, मयनामपल्ली रोहित और एसएटी अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अवैध रूप से गरीबों का घर तोड़ने वाले अधिकारियों को जाना होगा जेल : इटेला

भाजपा सांसद ने कई कॉलोनियों का दौरा किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने आज कहा कि यह याद रखना चाहिए कि अधिकारी 35 साल तक सेवा में रहेंगे, जबकि राजनेता केवल पांच साल तक सत्ता में रहेंगे।

शुक्रवार को सांसद ने कोत्तापेटा, सत्यनगर, फणीगिरी कॉलोनी, जनप्रिय अपार्टमेंट और अन्य क्षेत्रों का दौरा किया और उन लोगों के साथ बैठक की, जो मूसी सौंदर्यीकरण परियोजना के नाम पर अपने घर खो रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी उच्च अधिकारियों के आदेशों की बात मानेंगे, लोगों और कानूनों की अनदेखी करेंगे और गरीबों के घरों को तोड़ेंगे, तो उन्हें जेल होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वे गरीबों को परेशान करने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार शनिवार और रविवार को चोरों की तरह गरीबों के घरों को तोड़ रही है क्योंकि उन्हें डर है कि अगर सप्ताह के दिनों में उनके घरों को तोड़ा गया तो प्रभावित लोग अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। यदि आप मूसी नदी की गहराई बढ़ाना चाहते हैं, तो सरकार को एक दीवार बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के सभी तालाब नाले के पानी से दूषित हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व सीएम केसीआर का शासन, जिन्होंने हुसैन सागर झील के पानी को नारियल के पानी में बदलने का वादा किया था, 10 साल तक बिना कुछ किए समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, शब्द कहना आसान है, लेकिन इसे अमल में लाना मुश्किल है।

उन्होंने याद किया कि छोटे व्यापारियों ने अपनी मेहनत की कमाई और सरकार की अनुमति से घर बनाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने एफटीएल और बफर जोन के नाम पर संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया है। सरकार अपनी जागीर की तरह पुलिस के साथ क्यों आई और उन्हें धमकाया और घरों पर निशान लगाए। उन्होंने कहा कि पहले सरकार ने उन्हें बताया था कि वे कहीं भी घर नहीं तोड़ रहे हैं और गरीब लोगों को परेशान नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, अगर आप इसे देखें, तो जो कहा गया था और जो आप अब कर रहे हैं, उसके बीच कोई मेल नहीं है।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इन घरों को पट्टे दिए थे और कहा कि गरीबों ने उन घरों का निर्माण किया था। उन्होंने आरोप लगाया, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने भी सीएम रेवंत रेड्डी को हाइड्रा के नाम पर नाटक बंद करने के लिए एक पत्र लिखा था। राज्य सरकार के पास केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों और यहां तक कि गरीबों के लिए कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले कई सीएम और सरकारें देखी हैं, उन्होंने कहा कि उस समय कम से कम लोगों की समस्याओं को सुनने का एक तरीका था।

आसमान छू रही प्याज की कीमतें

बजट पर पड़ रहा भारी दबाव

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे निवासियों के बजट पर भारी दबाव पड़ रहा है। एक महीने पहले इसकी कीमत 25 से 30 रुपये प्रति किलोग्राम थी, लेकिन अब यह बढ़कर 70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इस नाटकीय वृद्धि ने उपभोक्ताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है तथा कई लोगों को अपनी खरीद पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया है। तेलंगाना रैतु बाजार के मूल्य चार्ट के अनुसार, प्याज की कीमत वर्तमान में 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। स्थानीय दुकानें 70 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक कीमत वसूल रही हैं, जिससे कई घरों में प्याज महंगा हो गया है। कीमतों में भारी वृद्धि के कारण बिक्री में भारी कमी आई है, क्योंकि हैदराबाद के निवासी अपने खर्चों को पूरा करने के लिए प्याज की खरीद कम कर रहे हैं।

प्याज की कीमतों में उछाल का कारण तेलंगाना और अन्य पड़ोसी राज्यों में भारी बारिश के कारण फसल को हुए नुकसान के कारण आपूर्ति-मांग में असंतुलन को माना जा सकता है। रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है, जिसके कारण शहर में आपूर्ति में कमी आई है। हैदराबाद के प्रमुख प्याज बाजारों (जिनमें मलकपेट, बोवेनपल्ली, मूसापेट और गुडीमलकापुर शामिल हैं) में आवक में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है, जिससे स्थिति और भी खराब हो गई है। हैदराबाद के रेस्तरां भी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

प्याज की बढ़ती कीमतों के कारण उनके लिए अपने व्यंजनों में प्याज शामिल करना मुश्किल होता जा रहा है। प्याज की कमी को देखते हुए एक रेस्तरां ने तो अपनी दीवार पर एक नोटिस भी लगा दिया, जिसमें ग्राहकों को सूचित किया गया कि उनके यहां प्याज उपलब्ध नहीं है और उनसे सहयोग करने का आग्रह किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, इसलिए यह अनिश्चित है कि प्याज की कीमतों में और कितनी वृद्धि होगी।

कोंडा लक्ष्मण बापूजी आंदोलनों की प्रेरणा : आम्रपाली काटा

कोंडा लक्ष्मण बापूजी की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी और तेलंगाना आंदोलन के नेता कोंडा लक्ष्मण बापूजी आंदोलनों की प्रेरणा थे। आयुक्त आम्रपाली काटा ने स्वतंत्रता सेनानी और तेलंगाना आंदोलन के नेता कोंडा लक्ष्मण बापूजी की 109वीं जयंती मनाने के लिए जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और उनके चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर कमिश्नर ने कहा, कोंडा लक्ष्मण बापूजी पहली पीढ़ी के आंदोलन नेता थे, जिन्होंने तेलंगाना के स्वशासन और स्वाभिमान के लिए लड़ाई लड़ी, और तेलंगाना के अस्तित्व को दिखाने के लिए कोंडा लक्ष्मण बापूजी का समझौता न करने वाला संघर्ष हर किसी के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना साधना आंदोलन के पहले चरण से लेकर अंतिम चरण तक संघर्ष किया और प्रेरित किया।

उनकी प्रशंसा एक बलिदानी के रूप में की गई, जिन्होंने राज्य की खातिर पदों को त्याग दिया और हथकरघा उद्योग के विकास के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि यह उन्हें महान श्रद्धांजलि देने का एक सप्ताह तभी होगा जब वह अपनी भावना को जारी रखने का प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त अशोक सम्राट, यदागिरी राव, मुख्य कीटविज्ञानी डॉ. रामबाबू, ओएसडी वेणुगोपाल, पीआरओ विजयलक्ष्मी, एएमसी शारदा, रमना और अन्य ने भाग लिया।

आत्महत्या का प्रयास करने वाले की मौत

महिला एसआई के हमले के बाद की थी आत्महत्या

जगतियाल, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला सब-इंस्पेक्टर द्वारा कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले युवक शिवप्रसाद की गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शिवप्रसाद ने रविवार को अपने घर पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। परिवार के सदस्यों ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे हैदराबाद के गांधी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

उनकी बहन प्रशांति ने अस्पताल से एक वीडियो जारी किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि कोरुतला एसआई स्वेता द्वारा उनके भाई के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के बाद उन्होंने आत्महत्या का प्रयास किया। शिवप्रसाद की मौत के बाद पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने एसआई को एसपी कार्यालय से संबद्ध करने के आदेश जारी किए।

जगतियाल के मंचिनिलाबावी के निवासी शिवरासाद की शादी कोरुटला कस्बे की कविता से हुई थी। पिछले कुछ सालों से दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। कविता ने 19 सितंबर को कोरुट्ला पुलिस में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। 22 सितंबर को शिवप्रसाद को काउंसलिंग के लिए कोरुट्ला पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जहां एसआई श्वेता ने कथित तौर पर शिवप्रसाद को थप्पड़ मारा और उसकी पिटाई की। अपमान सहन न कर पाने के कारण शिवप्रसाद ने उसी दिन अपने घर पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। परिवार के सदस्यों ने उसे स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सीतारामा परियोजना को जल्द पूरा करें : उत्तम रेड्डी

तय समय सीमा के अंदर निर्माण पूरा हो जाना चाहिए

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को खम्मम जिले में सीतारामा परियोजना को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि इस परियोजना के पंप हाउसों का उद्घाटन 15 अगस्त को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया था। सुरंगों और नहरों के निर्माण की प्रगति को लेकर शुक्रवार को जलसौदा में साथी मंत्रियों तुम्मला नागेश्वर राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।

राज्य सरकार के सिंचाई विभाग के सलाहकार आदित्य दास नाथ, मुख्य सचिव राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, ईएनसी अनिल कुमार, नागेंद्र राव के साथ-साथ सीतारामा परियोजना सीई श्रीनिवास रेड्डी, खम्मम जिला सीई विद्यासागर और अन्य ने भाग लिया।

इस मौके पर बोलते हुए मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर ढिलाई नहीं बरतने की सलाह दी।

इसके लिए वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रशासनिक मंजूरी में कोई देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। तकनीकी मामलों में अधिकारी आपस में समन्वय बनाये रखें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अनुसार, परियोजना का निर्माण निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

बीआरएस ने कांग्रेस पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

मूसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना में हुआ बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस सरकार पर मूसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना की आड़ में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन का पर्दाफाश करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीआरएस विधायक पी कौशिक रेड्डी ने परियोजना की लागत में अचानक 16,000 करोड़ रुपये से 1.5 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी पर सवाल उठाया और इसे सार्वजनिक धन की हेराफेरी का एक जबरदस्त प्रयास बताया। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार आगे कोई भी कदम उठाने से पहले परियोजना पर सार्वजनिक सुनवाई करे।

उन्होंने सरकार पर गलत प्राथमिकताएं तय करने और लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इन कदमों से हैदराबाद के निवासियों पर गंभीर असर पड़ेगा। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कार्तिक रेड्डी ने कहा कि मुसी सौंदर्यीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में शुरू में 16,000 करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया था। उन्होंने सवाल किया कि अचानक, हम अनुमानों को 1.5 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ते हुए सुनते हैं। यह भारी आंकड़ा कहां से आया? मुसी नदी में साल में मुश्किल से दो महीने पानी रहता है। यहां रिवरफ्रंट का क्या मतलब है?

उन्होंने राज्य सरकार से मूसी नदी के जलप्रवाह रिकॉर्ड जारी करने, न्यूनतम प्रवाह स्तर (एमएफएल) तय करने, नदी तल का सीमांकन करने और नदी के किनारों पर अवैध निर्माण रोकने की मांग की। मूसी परियोजना की तुलना केंद्र की नमामि गंगे पहल से करते हुए बीआरएस नेता ने कहा कि 2,400 किलोमीटर लंबी गंगा नदी पर 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि मूसी (जो लंबाई में मात्र एक अंश है) के लिए बहुत ज्यादा प्रस्ताव आ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर टेंडर के लिए ठेकेदारों का पहले से चयन करने और उसके अनुसार टेंडर तैयार करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट परियोजना कांग्रेस नेताओं की जेब भरने के लिए शुरू की गई है, न कि लोगों की सेवा के लिए। हाइड्रा का इस्तेमाल ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है, जबकि मूसी परियोजना का इस्तेमाल धन को दूसरी जगह लगाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस लोगों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और मूसी सौंदर्यीकरण की आड़ में किए गए अन्यायपूर्ण विध्वंस के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

7 नई सीधी उड़ानें शुरू

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिगो एयरलाइंस ने शुक्रवार को हैदराबाद से अयोध्या, कानपुर और प्रयागराज के लिए अपनी सीधी उड़ान शुरू की है। एयरलाइंस ने सितंबर के दौरान राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) से 7 सीधी उड़ान सेवाएं शुरू की हैं। आरजीआईए से नए मार्ग हैदराबाद को राजकोट, अगरतला, जम्मू, आगरा, कानपुर, अयोध्या और प्रयागराज से जोड़ेंगे। एयरलाइन अयोध्या के लिए सप्ताह में 4 बार सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को उड़ानें संचालित करेगी। स्पाइसजेट द्वारा 1 जून को हैदराबाद से अयोध्या के लिए अपनी सीधी उड़ानें बंद करने के बाद यह नई सेवा तीन महीने के अंतराल के बाद शुरू की गई है।

हैदराबाद-राजकोट के बीच सीधी उड़ान 16 सितंबर को शुरू की गई थी, जबकि हैदराबाद-अगरतला के बीच सप्ताह में 4 दिन की सेवा 23 सितंबर को और हैदराबाद-जम्मू के बीच सप्ताह में 3 दिन की सेवा 24 सितंबर को शुरू की गई थी।

हिंदी पखवाडा का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे में लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तथा मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद की अध्यक्षता में हिंदी पखवाडा-2024 का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में एम.ए.रहमान/अपर मंडल रेल प्रबंधक, ए.के.सिंह/मुख्य परियोजना प्रबंधक/ गति शक्ति और डॉ. पद्मा.सीएच/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक विशेष अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी/हैदराबाद ने अपने स्वागत संबोधन में हैदराबाद मंडल पर 14 से 27 सितंबर तक हिंदी पखवाडा-2024 के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एम.ए.रहमान/अपर मंडल रेल प्रबंधक, ए.के.सिंह/मुख्य परियोजना प्रबंधक/ गति शक्ति और डॉ. पद्मा.सीएच/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कर्मचारियों को अपने दैनिक काम-काज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए लोकेश विश्नोई/ मंडल रेल प्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे अपने साथी कर्मचारियों को भी हिंदी कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करें और अपने दैनंदिन काम में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें ताकि मंडल पर हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति को सुनिश्चित कर सके। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले/ हिंदी कार्यान्वयन में सहयोग देने वाले कर्मचारियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया है। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी/हैदराबाद ने कार्यक्रम का संचालन किया। राजभाषा विभाग के कर्मचारी एम.मंजुला, वरिष्ठ अनुवादक, डी.रजिनी, वरिष्ठ अनुवादक और सुनील कुमार शर्मा, कनिष्ठ अनुवादक ने हैदराबाद मंडल पर हिंदी पखवाडा-2024 के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

राष्ट्रपति आज नालसर विश्वविद्यालय का दौरा करेंगी

पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपील की

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति 28 सितंबर को नालसर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी। शहर की यातायात पुलिस ने आम जनता को अपनी यात्रा की योजना बनाने और यातायात के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करने में उनका सहयोग करने की सलाह दी।

राष्ट्रपति सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक हकीमपेट वाई जंक्शन, एनआईएसए, तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल, थुमुकटा वाई जंक्शन, बिट्स जंक्शन, रोटरी, ऑरेंज बाउल, नालसर क्रॉस रोड लेफ्ट टर्न, पेद्दाम्मा कॉलोनी, नालसर मेन गेट राइट टर्न से नालसर यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम होते हुए नालसर यूनिवर्सिटी पहुंचेंगी। वापसी की यात्रा में राष्ट्रपति नालसर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑडिटोरियम से यात्रा करेंगे और नालसर मेन गेट लेफ्ट टर्न, पेद्दाम्मा कॉलोनी, नालसर क्रॉसरोड राइट टर्न, शमीरपेट पीएस, ऑरेंज बाउल, रोटरी, बिट्स जंक्शन, थुमुकटा वाई जंक्शन, तेलंगाना स्पोर्ट्स, एनआईएसए से हकीमपेट वाई जंक्शन होते हुए दोपहर 2.30 बजे से शाम 4 बजे तक हैदराबाद की सीमा में प्रवेश करेंगी। यातायात पुलिस आम जनता से अनुरोध करती है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं और यातायात के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करने में यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-31-2024
दिनांक: 10.09.2024

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल में पलासा-विशाखापटनम मेन लाइन ईएक्स थेरुवली से विजयनगरम RV लाइन और कोट्टावलसा-किरंदुल लाइन पर स्टेशन यार्ड और सेक्शनों का प्रस्तावित ग्रेडिएंट सत्यापन।
कार्य की अनुमानित लागत: ₹1,36,71,484.02
ईएमडी: रु. 2,18,400/-, **पूर्णता अवधि:** 6 (छह) माह
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 04.10.2024 को 1500 बजे

निविदा सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-32-2024,
दिनांक: 10.09.2024

कार्य का नाम: DEN/SOUTH/WAT के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत हाई वेक्स के सेस स्लीप की मरम्मत और हाई वेक्स पर सेस का सुरक्षा कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत: ₹1,71,93,586.83/-
ईएमडी: ₹2,36,000/-, **पूर्णता अवधि:** 12 (बारह) माह
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 15.10.2024 को 1500 बजे

इन ई-निविदाओं के अधीन फर्म के लेटर हेड में जमा किये गये एवं समय पर प्राप्त डाक/कूरियर/फैक्स के माध्यम से भेजे गये या व्यक्तिगत रूप से जमा किये गये मैनुअल प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को अवैध माना जाएगा और उन पर कोई विचार किये बिना उन्हें तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

नोट: भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए कृपया निविदा बंद होने की तिथि के 10 दिन पूर्व तक वेबसाइट को दोबारा देखें।
वेबसाइट www.ireps.gov.in

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभियंता)
वाल्टियर

PR-556/P/24-25

चीनी लहसुन तो नहीं खरीद रहे आप

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पूछा, बैन है तो मिल कैसे रहा

प्रयागराज, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बाजार में कई तरह के लहसुन मिल रहे हैं। दुकानदार आपको अलग-अलग राज्यों का बताकर बेचते होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं संभव है कि आपके नजदीक वाली मार्केट में चीनी लहसुन भी बिक रहा हो। जी हां, इलाहाबाद हाई कोर्ट के सामने जब चीनी लहसुन दिखाया गया तो सभी हैरान रह गए। काफी पहले से इस पर बैन है। कोर्ट ने गंभीर सवाल किया कि तब ये मिल कैसे रहा है? इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के नामित अधिकारी को तलब किया। कोर्ट ने पूछा कि प्रतिबंधित 'चीनी लहसुन' अब भी बाजार में कैसे उपलब्ध है? न्यायालय की लखनऊ पीठ ने केंद्र के वकील से देश में ऐसी वस्तुओं के प्रवेश को रोकने के लिए मौजूद सटीक व्यवस्था के बारे में भी प्रश्न किया है और यह भी पूछा है कि इसके प्रवेश के स्रोत का पता लगाने के लिए क्या कोई कवायद की गई है।

आधा किलो चीनी लहसुन भी कोर्ट में

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओ पी शुक्ला की पीठ ने वकील मोतीलाल यादव द्वारा दायर जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि 'चीनी लहसुन' के हानिकारक प्रभावों के कारण देश में इस पर प्रतिबंध है। अदालत को बताया गया कि प्रतिबंध के बावजूद, लखनऊ सहित पूरे देश में ऐसा लहसुन आसानी से उपलब्ध है। याचिकाकर्ता ने अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायाधीशों के समक्ष लगभग आधा किलो 'चीनी लहसुन' के साथ-साथ सामान्य लहसुन भी पेश किया था। कुछ महीने पहले खबर आई थी कि भारत के बाजारों में लहसुन की कीमतें बढ़ने के बाद चीनी लहसुन की स्मगलिंग बढ़ गई। भारत सरकार ने इसे रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी थी। यहां तक कि स्निफर डॉग भी तैनात किए गए। सबसे ज्यादा आशंका नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते भारत आने की थी। भारत ने काफी पहले 2014 में ही चीनी लहसुन के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन यह अब भी देश में मिल रहा है।

कहां है शम्मी? जिसने बेहोशी की हालत में आरपीएफ जवान को ट्रेन से फेंका 50 हजार का है इनाम

गाजीपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आरपीएफ के दो जवानों की हत्या में 13 आरोपियों को पुलिस ने चिह्नित कर लिया है। इनमें सात गिरफ्तार हो चुके हैं और एक मुठभेड़ में देर हो चुका है। मुख्य आरोपियों में शम्मी उर्फ गांधी शामिल है। इसने आरपीएफ जवान प्रमोद के बेहोश होने के बाद पैर से मारा था और साथियों के साथ प्रमोद को गेट तक लाया और झुलाते हुए चलती ट्रेन से फेंक दिया था। पुलिस ने इस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। वहीं, पुलिस शम्मी समेत अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। आरपीएफ के दो सिपाही जावेद खान और प्रमोद 19 अगस्त को बाड़मेर गुवाहाटी एक्सप्रेस में अवैध शराब की तस्करी रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान तस्करों ने दोनों जवानों को निर्ममतापूर्वक पीटकर चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। जांच में जुटे अधिकारियों के मुताबिक कुचमन में तस्करों के चेन पुलिंग करने के दौरान ट्रेन में चढ़ने वाला शम्मी उर्फ गाधी हत्याकांड का मुख्य आरोपी है।

एआई की मदद से 9वीं क्लास के दो छात्रों ने बनाई महिला टीचर की 'वैसी तस्वीर', फिर कर दी वायरल

मुरादाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के एक स्कूल से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। मुरादाबाद जनपद में कक्षा 9 में पढ़ने वाले दो छात्रों ने अपने ही स्कूल की एक अध्यापिका की एआई तकनीक से गंदी तस्वीर बना दी। गंदी तस्वीर बनाकर छात्रों ने उसे इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। वायरल फोटो को जब स्कूल के अन्य अध्यापक और अध्यापिकाओं ने देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मामले में पहले तो उन लोगों द्वारा प्रिंसिपल से शिकायत की गई। प्रिंसिपल से शिकायत करने के बाद दोनों छात्रों द्वारा अन्य अध्यापिकाओं का भी फोटो एआई तकनीक से बनाकर वायरल करने की धमकी दी गई। इस मामले से परेशान अध्यापिका द्वारा मुरादाबाद सिविल लाइन थाने में दोनों छात्रों के खिलाफ शिकायत की गई है।

गांजा को मान्यता दी जाए

सपा सांसद अफजाल अंसारी ने की मांग

गाजीपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सपा सांसद अफजाल अंसारी ने गांजा और भांग को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहां कि लोग धार्मिक स्थलों पर प्रसाद कहकर गांजा पीते हैं। मेरे सरकार से मांग है कि इसे कानून का दर्जा दे दिया जाए। वह बृहस्पतिवार को पत्रकार भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने बाबा मुख्यमंत्री से कहिए, ये नई शराब की दुकानों को बंद कराए। किस धर्म में कहा गया है कि शराब की दुकानों का विस्तार कीजिए। इसको सरकार बंद करें। कानून का दर्जा देकर इसे वैध कर दो, लेकिन कानून का इतना बड़ा माखौल मत उड़ाओ।

उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि गांजा को वैध कर देना चाहिए। लाखों-करोड़ों लोग खुलेआम गांजा पीते हैं। बड़े-बड़े धार्मिक आयोजनों में लोग गांजा पीते हैं। उसे भगवान का प्रसाद और भगवान की बूटी कहकर पीते हैं। भगवान की बूटी है, तो अवैध क्यों? ये दोहरी नीति क्यों। अगर गांजा कानूनन अवैध है, तो पीने की छूट क्यों है। ये दोहरी नीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि कुंभ में एक मालगाड़ी गांजा चला जाए तो खप जाएगा। साधु, संत, महात्मा और समाज के बहुत लोग गांजा बड़े शौक से पीते हैं। न यकीन हो तो मेरे साथ गाजीपुर के मठों में चलकर देखिए। मेरी मांग है कि इसको कानून का दर्जा दे दीजिए।

बिजनौर में पुलिस पर हमला

मारपीट में दो सिपाही घायल 50 मीटर तक धकेला, दी जान से मारने की धमकी

बिजनौर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बिजनौर कोतवाली देहात में दो भाइयों के झगड़े की सूचना पर पहुंची 112 पीआरबी पर तैनात पुलिस कर्मियों पर एक पक्ष ने हमला कर दिया। मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा लेकिन आरोपी फरार हो गए। पीआरबी के चालक की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुरुवार रात्रि पुलिस को ग्रामीण तेजपाल से सूचना मिली कि कि गांव इब्राहीमपुर खंडसाल में विवाद हो गया है। मौके पर 112 पीआरबी के सिपाही पहुंचे। वहां उपस्थित प्रतिवादी राजीव पुत्र सागर ने बताया कि भाइयों का आपसी झगड़ा है। बताया गया कि इसी दौरान वहां तेजपाल पुत्र सागर,गंगाराम पुत्र सागर, निर्वेश पत्नी गंगाराम, मोहिनी पत्नी तेजपाल सभी निवासी ग्राम इब्राहिमपुर खंड्साल अचानक पहुंचे और पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज और हाथापाई करने लगे।

बीजेपी नेता नीलम उदयभान करवरिया का हैदराबाद में निधन

प्रयागराज की मेजा सीट से बनी थीं एमएलए

प्रयागराज, 27 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में रसूखदार राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाली बीजेपी नेत्री और पूर्व विधायक नीलम उदयभान करवरिया का निधन हो गया है। उनका निधन देर रात हैदराबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान हुआ। नीलम करवरिया लीवर ट्रांसप्लांट के लिए पिछले कुछ दिनों से हैदराबाद के अस्पताल में भर्ती थीं।

बीती रात तबीयत बिगड़ने पर वेंटिलेटर पर रखा गया था। हालांकि वेंटिलेटर सपोर्ट के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। नीलम करवरिया का पार्थिव शरीर आज शाम एयर एंबुलेंस से प्रयागराज पहुंचेगा। पार्थिव शरीर को आज प्रयागराज में उनके कल्याणी देवी स्थित आवास पर लोगों के दर्शनार्थ रखा जाएगा। उनका अंतिम संस्कार कल 28 सितंबर को सुबह 10 बजे प्रयागराज के रसूलाबाद घाट पर होगा। नीलम करवरिया अपने पीछे दो बेटियां समृद्धि और साक्षी और एक बेटे सक्षम को छोड़ गई हैं।

निशिकांत दुबे के दावे पर भड़के मौलाना काब रशीदी, लगाया सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का आरोप

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को एक पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए थे। निशिकांत दुबे के इस आरोप पर उत्तर प्रदेश जमीयत उलेमा ए हिन्द के कानूनी सलाहकार मौलाना काब रशीदी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मौलाना काब रशीदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद का यह बयान देश में सांप्रदायिक धुर्वीकरण का माहौल बनाने का एक हिस्सा है, यह अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करने वाली बात है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) ने लोगों से उनकी राय मांगी तो मुस्लिम संगठनों ने मदद के लिए एक पत्र ड्राफ्ट किया। मौलाना काब रशीदी ने कहा कि इस पत्र को क्यूआर कोड के जरिये भेज दिया गया।

बीते साल यूपी में कितने पर्यटक आए

महाकुंभ में कितने आएंगे? सीएम योगी ने बताए आंकड़े

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश भारत के प्रमुख राज्यों में से एक हैं। राज्य में काशी से लेकर अयोध्या और ताजमहल समेत कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं जो कि भारत समेत दुनियाभर से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अब शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने लोगों को विश्व पर्यटन दिवस पर की शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने इसके साथ ही यूपी में पर्यटकों से जुड़े कुछ आंकड़े भी शेयर किए हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मुझे खुशी है कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं से जुड़े स्थान न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरी दुनिया को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षित करने में सफल रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन के स्थलों पर आए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया है कि ये पर्यटक उत्तर प्रदेश में सिर्फ पर्यटन के लिए नहीं आते हैं बल्कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के सृजन में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी अपनी गुणवत्तापूर्ण कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। चाहे वह सड़क कनेक्टिविटी हो, ट्रेन कनेक्टिविटी हो, हवाई कनेक्टिविटी हो या जलमार्ग कनेक्टिविटी हो, ये सभी आज हमारे पास उपलब्ध हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं आपको प्रयागराज महाकुंभ 2025 के बारे में भी याद दिलाना चाहूंगा। प्रयागराज महाकुंभ मकर संक्रांति 2025 को शुरू होगा और 26 फरवरी, 2025 तक चलेगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारा मानना है कि दुनिया भर से करीब 40 करोड़ श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे।

इन जिलों में कटाव से लोग परेशान, भागलपुर में पुलिया ध्वस्त; शेखपुरा के 150 घरों में बाढ़ का पानी

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में गंगा नदी का जलस्तर घटते ही भीषण कटाव शुरू हो गया है। बक्सर, भागलपुर, पटना, बेगूसराय समेत कई इलाकों में कटाव जारी है। भागलपुर में पुलिया ध्वस्त हो गई। इस कारण पीरपैंती में बाखरपुर, बाबूपुर पंचायत समेत कई गाँवों का सम्पर्क टूट गया। बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी ने इस पुलिया का दो साल पहले ही निर्माण करवाया था। गंगा का घटता जलस्तर घटते ही पुलिया ध्वस्त हो गई। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। कहा कि लाखों की लागत से बनी पुलिया ने जल समाधि ले ली है। इससे हमलोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

अनामिका जैन अंबर की मां को ठगों ने दिया झांसा

मांगे 1 करोड़,बेटे को बताया रेप का आरोपी

मेरठ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मशहूर कवि सौरभ जैन सुमन की मां और कवियत्री अनामिका जैन अम्बर की मां से एक करोड़ रुपये माँगने का मामला सामने आया है। जिसके बाद हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा कि साइबर ठगों ने बेटे सौरभ जैन पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके पकड़े जाने की बात कहकर उन्हें छोड़ने के लिए एक करोड़ रुपये देने की मांग की और कहा कि अगर तुरंत पैसे नहीं दिए गए तो वो उन्हें मीडिया के सामने पेश कर जेल भेज देंगे। सौरभ जैन की माँ सरिता जैन ने बताया कि उनके पास करीब डेढ़ बजे मोबाइल फ़ोन पर व्हाट्स एप कॉल आई, जिसमें साइबर ठगों ने कहा कि उनके बेटे और उसके दोस्तों को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में पकड़ा गया है। अगर वो चाहती है कि इस मामले में उनके बेटा बच जाए तो तुरंत उनके अकाउंट में एक करोड़ रुपया डाल दें नहीं तो वो उनके बेटे को मीडिया के सामने पेश कर देंगे।

सरिता जैन ने बताया कि उन्होंने ठगों से आराम से कहा कि अगर वो उनके बेटे को छोड़ देंगे तो उन्हें पैसे दे दिए जाएंगे, जिसके बाद ठग भड़क गए और उन्होंने उन्हें अंजाम भुगतने तक की धमकी दी और कहा कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो बहुत बुरा होगा। जिसके बाद वो बुरी तरह घबरा गईं और उनकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उनके पिता ने फोन पर बात सख्ती से बात की और ठगों ने फोन डिसकनेक्ट कर दिया। इस मामले में कवि सौरभ सुमन ने पुलिस से शिकायत की है। वो अभी दिल्ली में बताए जा रहे हैं। उन्होंने इस सिलसिले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की और इस मामले में कार्रवाई की माँग की है। उन्होंने बताया कि उनकी मां हार्ट की मरीज है। उनका ब्लड प्रेशर भी ठीक नहीं रहता है। सौरभ जैन की शिकायत पर पुलिस मामले की जाँच में जुट गई है।

क्या नीतीश सरकार 'नेम प्लेट' नीति करेगी लागू

संजय झा की दो टूक से साफ हुआ रुख

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार अपने फरमान को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती है। यूपी के बाद हिमाचल में 'नेम प्लेट' की चर्चा के बाद एक बार इस मुद्दे पर सियासत शुरू हो गई है। वहीं, इस मुद्दे पर जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नेम प्लेट विवाद पर जेडीयू सहमत नहीं है। साथ ही बैंड बाजों वालों को भी नेम प्लेट लगाने की मांग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी सरकार 'सबका साथ सबका विश्वास' लेकर चलती है। बिहार सरकार ऐसा नहीं करेगी। इन सब चीजों से बचना चाहिए। दरअसल, यूपी सरकार की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा है कि संभल के।।। चंदौसी में बैंड बाजों के नाम मंगलम, अशोक, गीता और सरोज रखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति जो काम करता है, वह नाम भी अपने ही नाम से रखे। वहीं, हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में फास्ट फूड, रेहड़ी और ढाबों के मालिकों को अपनी दुकानों के बाहर पहचान पत्र लगाने का निर्देश दिया गया है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने फेसबुक पर एक पोस्ट कर कहा, 'हिमाचल में भी हर भोजनालय और फास्ट फूड रेहड़ी पर उसके मालकि की आईडी लगाई जाएगी। इस संबंध में मंगलवार को शहरी विकास एवं नगर निगम ने बैठक संपन्न होने के बाद निर्देश जारी किए गए।' दरअसल, उत्तर प्रदेश की तर्ज पर कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में नेम प्लेट लगाने को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

अखिलेश-राहुल की संगत में रहने वाले लोग भूल जाते हैं भाषा की मर्यादा

केशव प्रसाद मौर्य का अफजाल अंसारी पर पलटवार

मैनपुरी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, "अफजाल अंसारी जैसे लोगों के बयान पर जवाब देने का मतलब है कि उनके कद को बढ़ाना। मेरा मानना है कि सभी को भाषा की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए। भाषा की मर्यादा पर ना तो राहुल गांधी और ना ही अखिलेश यादव का कोई ख्याल रहता है। जो लोग इनकी संगत में रहते हैं, वह भी भाषा की मर्यादा को भूल जाते हैं।"

'यूपी पुलिस ढूंढ निकालेगी'

केशव प्रसाद मौर्य ने सपा नेता के पास से बरामद हुए नकली नोटों के मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "नकली नोट बनाने, भ्रष्टाचार करने और माफियागिरी या दंगा करने का काम जो भी करेगा, उसको ये पता होना चाहिए कि अगर वह पाताल में भी छुपेगा तो उत्तर प्रदेश की पुलिस उसे ढूंढ निकालेगी और कानून के कठघरे में खड़ा कर सजा दिलाने का काम करेगी।"

'तिरुपति मंदिर मामले में होगी सख्त कार्रवाई'

केशव प्रसाद मौर्य ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद पर चल रही राजनीति को लेकर कहा, "यह आस्था से जुड़ा हुआ मामला है और आंध्र प्रदेश सरकार ने इस मामले में एसआईटी का भी गठन किया है। मुझे लगता है कि दूध का दूध पानी का पानी होगा और जिसने भी ऐसा काम किया है, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।"

प्रधानमंत्री देशद्रोही, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल आतंकी संगठन, महाराष्ट्र में मौलाना तौकीर के जहरीले बोल

बरेली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आइएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ तीखे बयान दिए हैं, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी को "देशद्रोही" और आरएसएस तथा विश्व हिंदू परिषद को "आतंकवादी संगठन" करार दिया। मौलाना तौकीर ने इन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो वे धरना प्रदर्शन करेंगे, खासकर बक्फ बिल के खिलाफ। मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अगर सरकार देश में शांति स्थापित करना चाहती है, तो आरएसएस और अन्य हिंदू संगठनों पर रोक लगानी चाहिए, जिन्हें उन्होंने बार-बार "आतंकवादी संगठन" बताया है।

'बुआ जी' के पास पहुंचने से पहले

मोतिहारी में चरस की बड़ी खेप जब्त कीमत जानकर चौंक जाएंगे आप

मोतिहारी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में रेल पुलिस ने भारी मात्रा में चरस जब्त करने के साथ चार धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई चरस की बड़ी खेप को दिल्ली-हरियाणा भेजना था। वहां 'बुआ जी' नाम की किसी महिला के पास इसे पहुंचाना था, लेकिन सुगौली रेलवे स्टेशन पर दो तस्कर पकड़े गए। इनसे पूछताछ के बाद दो और गिरफ्तारी हुई। जिस 6 किलो 110 ग्राम चरस को पुलिस ने जब्त किया है उसकी कीमत दो करोड़ रुपये के आसपास आंकी गई है। चरस की सूचना मिलने के बाद रेल पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी ने एक टीम बनाकर छापेमारी के आदेश दिया था। इसके बाद रेल पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार और सुगौली रेल प्रभारी थानाध्यक्ष नंदनी कुमारी के नेतृत्व में सुगौली स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर एक से दो संदिग्धों को पकड़ा गया। जांच की गई तो इनके पास जो बैग था उसमें से चरस के पैकेट मिले। चरस का कुल वजन 6 किलो 110 ग्राम के करीब था।

सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्स से लेकर जाने वाले थे दिल्ली

गिरफ्तार दोनों तस्करों की पहचान जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बेलहिया गांव निवासी असलम आलम (30 वर्ष) और मुमताज अंसारी (35 वर्ष) के रूप में की गई है। पकड़े जाने के बाद इन लोगों ने बताया कि सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्स से वे लोग चरस लेकर दिल्ली जाने वाले थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में एक और कारोबारी सिजाउद्दीन अंसारी के पुत्र नेमुल्लाह अंसारी का नाम आया जिसे पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया।

आरओ-एआरओ पेपर लीक मामले में प्रयागराज के बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल गिरफ्तार

मेरठ/प्रयागराज, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आरओ-एआरओ पेपर लीक मामले में पारुल सोलोमन का मेरठ से कनेक्शन सामने आया है। गिरफ्तार हुई पारुल के पति मेरठ के मिशन कंपाउंड मसीहपुरम की रहने हैं। ये जानकारी मिलने पर मेरठ एसटीएफ सक्रिय हो गई है। इस संबंध में पारुल के परिवार के बाकी सदस्यों का रिकॉर्ड भी खंगालने में जुट गई है।

आरओ-एआरओ की परीक्षा का प्रश्न फरवरी 2024 में लीक कराया गया था। इस केस की जांच एसटीएफ को मिलने के बाद बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल एंड कॉलेज के कर्मचारी अर्पित, विनीत, यशवंत के अलावा डॉ। शरद सिंह पटेल, अभिषेक शुक्ला और कमलेश कुमार पाल को गिरफ्तार किया गया था। इस प्रकरण में जब आरोपियों से पूछताछ हुई तो स्कूल की पूर्व प्रधानाचार्य पारुल सोलोमन और उनके पिता बलदेव सोलोमन का नाम भी सामने आया था। एसटीएफ ने इस मामले में पारुल के पिता बलदेव सोलोमन को गिरफ्तार कर लिया था और गुरुवार को पारुल को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। लखनऊ एसटीएफ की पूछताछ के बाद ये जानकारी सामने आई है कि आरोपी पारुल बलदेव सोलोमन का मेरठ से कनेक्शन है। पारुल मेरठ के मिशन कंपाउंड मसीहपुरम की रहने वाली है। इनके पति सुमित सोलोमन भी मेरठ के रहने वाले हैं। इस जानकारी के बाद मेरठ एसटीएफ ने भी सक्रियता बढ़ा दी है और पारुल बलदेव समेत उसके परिजनों का पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

'बीजेपी शासित राज्यों में बिहारियों को पीटा जाता है तब यहां की सरकार कहां सोई रहती है

बंगाल मामले पर आरजेडी ने सरकार को घेरा

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सिलीगुड़ी में परीक्षा देने गए बिहार के दो छात्रों के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद सियासत गर्म है। गिरिराज सिंह, ललन सिंह, चिराग पासवान समेत एनडीए के कई नेता ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। इस बीच आरजेडी ने बीजेपी और बिहार सरकार पर हमला किया है। शुक्रवार को आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार को तो इस मामले में पहले पता ही नहीं था। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बंगाल के सिलीगुड़ी में बिहारी छात्रों के साथ मारपीट की घटना को लेकर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने ममता बनर्जी से बात की। वहां की सरकार से बात कर कार्रवाई करवाई। दोषियों को गिरफ्तार किया गया है। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहारियों के साथ अगर कहीं अन्याय होता है तो लालू यादव और तेजस्वी यादव तुरंत कार्रवाई करते हैं, लेकिन बीजेपी शासित राज्यों में जब बिहारियों को पीटा जाता है तब यहां की सरकार कहां सोई रहती है? बिहार सरकार को तो इस मामले में बाद में पता चला लेकिन ये राजनीति कर रहे हैं।

बाढ़ के पानी में फंसी बस से 27 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला, लोगों ने ली राहत की सांस

भावनगर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। (गुजरात)। गुजरात के भावनगर जिले में बाढ़ के कारण मार्ग पर फंसी एक बस से तमिलनाडु और पुडुचेरी के 27 तीर्थयात्रियों सहित 29 लोगों को रातभर चले अभियान के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी आरके मेहता ने बताया कि कोलियाक गांव के पास एक छोटी नदी को पार करने के लिए बने पुल पर बस गुरुवार शाम को फंस गई थी, हालांकि 8 घंटे तक चले अभियान के बाद सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मेहता ने कहा कि कोलियाक गांव के पास निष्कलंक महादेव मंदिर में दर्शन करने के सभी तीर्थयात्री भावनगर की ओर जा रहे थे। क्षेत्र में भारी बारिश के कारण नदी पर बना पुल डूब गया था। इसके बावजूद बस चालक ने नदी को पार करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि बचावकर्मी घटनास्थल पर एक मिनी ट्रक लेकर पहुंचे और बस की पिछली खिड़की के जरिए सभी 27 तीर्थयात्रियों, चालक और सफाईकर्मी को वाहन से सुरक्षित बाहर निकाला लेकिन आगे और भी चुनौतियां थीं। मेहता ने बताया कि बस से सभी को निकालने के बाद मिनी ट्रक भी मार्ग पर फंस गया। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों में अधिकतर वरिष्ठ नागरिक थे। जिलाधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर फिर एक बड़ा ट्रक भेजा गया और उसके जरिए सभी 29 लोगों को लाया गया। करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह करीब 3 बजे सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। हमने भावनगर में उनके रहने और खाने की व्यवस्था की है। हमने उनकी चिकित्सीय जांच भी करवाई है।

'ओसामा बिन लादेन की बायोग्राफी पढ़ो

समाज ने उसे आतंकी बनाया': जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने दुनिया के सबसे बड़े टेररिस्ट की तुलना कलाम से की

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। शरद पवार गुट के एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ऋता आव्हाड अपने विवादित बयान के चलते सुर्खियों में है। उन्होंने अपने एक विद्यालय के कार्यक्रम में दिए गए भाषण में बच्चों को ओसामा बिन लादेन की बायोग्राफी पढ़ने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े आतंकी की तुलना भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से भी की। भाजपा ने उनके बयान की कड़ी निंदा की है। भाजपा नेता शहजाद पूनवाला ने कहा, जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने खुले मंच पर बच्चों से ओसामा बिन लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया, जैसे वे एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी पढ़ते हैं, ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसे बना। आतंकवादियों का बचाव करना भारत ब्लॉक की आदत बन गई है।

जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने क्या कहा?

एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बच्चों की एक सभा को संबोधित करते हुए, ऋता आव्हाड ने एक विवादास्पद टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने छात्रों से लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया, ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसे बना। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा, आपको ओसामा बिन लादेन की जीवनी अवश्य पढ़नी चाहिए। एपीजे अब्दुल कलाम का राष्ट्रपति बनना, ओसामा बिन लादेन के आतंकवादी बनने के तरीके से मिलता-जुलता है। लेकिन वह आतंकवादी क्यों बना? समाज ने ही उसे ऐसा बनने पर मजबूर किया।

ऋता आव्हाड ने बयान पर दी सफाई

अपने बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा होने के बाद भाजपा की तीखी आलोचना के बाद ऋता आव्हाड अपने बचाव में आगे आईं और दावा किया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने कहा, मेरे सामने युवा लोग थे। मैंने उनसे कहा कि वे अपने मोबाइल फोन से उठें और अब्दुल कलाम के बारे में किताबें पढ़ें जो राष्ट्रपति थे। मैंने उनसे यह भी कहा कि वे पढ़ें कि ओसामा बिन लादेन आतंकवादी क्यों बना। उन्होंने कहा, जब हम रामायण पढ़ते हैं, तो हम रावण के बारे में भी पढ़ते हैं। वह वहां था और इसलिए रामायण हुई।

हम अपने जीवन को कैसे बनाना चाहते हैं, यह हमारे हाथ में है, लेकिन मेरा बयान पूरा नहीं दिखाया गया। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए दो अलग-अलग व्यक्तित्वों के दो उदाहरण दिए। लेकिन मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

भ्रूण का लिंग पता चलने पर 4 महीने की गर्भवती पत्नी का कराया अबॉर्शन तबीयत बिगड़ने के बाद मौत

पुणे, 27 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक 24 वर्षीय महिला की गर्भपात के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस महिला का घर में ही गुपचुप तरीके से गर्भपात कराया गया था। अत्यधिक ब्लीडिंग होने के कारण उसकी तबीयत खराब हो गई थी जिससे उसकी अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। इस महिला की 2017 में शादी हुई थी। मामला पुणे के इंदापुर का है। इस महिला के पहले से ही दो बच्चे हैं। पुलिस को संदेह है कि भ्रूण के लड़की होने का पता चलने पर परिवार ने घर पर गर्भपात की कराया। पुलिस ने उसके पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसकी सास पर भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच में पाया गया कि चार महीने के भ्रूण को परिवार ने खेत में दफना दिया था। पुलिस ने बताया कि गर्भपात करने के लिए एक डॉक्टर को बुलाया गया था जिसकी जांच भी की जा रही है। महिला के भाई की शिकायत के आधार पर ससुराल वालों पर एफआईआर दर्ज की गई है। उसके पति और ससुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने खेत से भ्रूण को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इंदापुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 91,90 और 85 के अंतर्गत केस दर्ज कर लिया है।

भारत में 1994 में पीसीपीएलडीटी एक्ट लागू किया गया था जिसके तहत गर्भधारण के बाद भ्रूण के लिंग का पता करना अवैध करार दिया गया है। इसे अपराध माना गया है। यहां तक कि सभी स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में ऐसा नोटिस लगाया जाता है जिसमें इस बात की जानकारी दी जाती है कि लिंग का पता लगाना जुर्म है।

वैष्णो देवी जा रहे 9 श्रद्धालुओं की हुई थी हत्या, अब एनआईए ने कर दी बड़ी कार्रवाई

जम्मू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के रियासी में बीते जून महीने में वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमला हुआ था। इस आतंकी घटना में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 41 लोग घायल हुए थे। अब एनआईए ने इस मामले में बड़ा एक्शन लिया है। जानकारी की मुताबिक, एनआईए ने टेरर फंडिंग के मामले में प्रदेश के 7 स्थानों पर छापेमारी की है। इसमें शिव खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकी हमले का मामला भी शामिल है। एनआईए ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी और रियासी जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे हैं। अधिकारियों ने बताया है कि कई टीमें शुक्रवार की सुबह से ही शिव खोड़ी आतंकवादी हमले के सिलसिले में राजौरी और रियासी जिलों में छापे मार रही हैं। उन्होंने बताया कि एनआईए का ऑपरेशन अभी जारी है और इस मामले में ज्यादा जानकारी का इंतजार है। बीते 9 जून को आतंकवादियों ने वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस पर घात लगाकर गोलीबारी की थी। इस आतंकी हमले में सात तीर्थयात्रियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 अन्य घायल हो गए थे। शिव खोड़ी मंदिर से कटरा जा रही बस अंधाधुंध गोलीबारी के कारण रियासी के पौनी क्षेत्र में तेरयाथ गांव के पास सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई थी। गृह मंत्री अमित शाह ने इस आतंकवादी हमले की जांच का जिम्मा 17 जून को एनआईए को सौंपी थी। रियासी में श्रद्धालुओं की बस पर हुए आतंकी हमले के मामले में अब तक राजौरी के एक व्यक्ति हाकम खान को गिरफ्तार किया गया है, जिसने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद कथित तौर पर मुहैया कराई थी तथा हमले से पहले इलाके का जायजा लेने में उनकी मदद की थी।

पहले भी की थी छापेमारी

एनआईए ने इससे पहले 30 जून को भी राजौरी में हाइब्रिड आतंकवादियों और उनके ओवरग्राउंड वर्कर से जुड़े पांच स्थानों पर छापेमारी की थी। हाइब्रिड आतंकवादियों का पता लगा पाना मुश्किल होता है क्योंकि आम लोगों के बीच रहकर सामान्य जीवन जीते हैं और उनका आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होता है जबकि ओवरग्राउंड वर्कर उन व्यक्तियों को कहा जाता है जो आतंकवादी संगठनों के लिए गुप्त रूप से काम करते हैं।

कांग्रेस एमपी गेनीबेन ठाकोर ने की ओबीसी आरक्षण को विभाजित करने की मांग, मंत्री ने दिया ये जवाब

अहमदाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर की अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को विभाजित करने की मांग की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी सत्ता हासिल करने के लिए समाज को बांटने की कोशिश कर रही है। विश्वकर्मा स्वयं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी कांग्रेस के अन्य नेताओं को फूट डालो और राज करो की चाल सिखा रहे हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री विश्वकर्मा ने गांधीनगर में मीडिया से बातचीत में कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तब गेनीबेन ने यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया? कांग्रेस इसे उन राज्यों में क्यों नहीं लागू कर रही है, जहां वह सत्ता में है? गेनीबेन से लेकर राहुल गांधी तक, कांग्रेस के सभी नेता सत्ता हासिल करने के लिए समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। विश्वकर्मा ने कहा कि अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति की तरह ही राहुल गांधी भी इसी नीति में विश्वास करते हैं और अपने विदेशी खून के कारण वह इसे अन्य पार्टी नेताओं को सिखा रहे हैं। लोकसभा में गुजरात की बनासकांठा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली गेनीबेन ठाकोर ने हाल में कहा था कि अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के लिए मौजूदा 27 प्रतिशत आरक्षण को दो भागों में विभाजित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 17 सितंबर को लिखे एक पत्र में ठाकोर ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को विभाजित करना जरूरी है, क्योंकि गुजरात में कुल 146 पिछड़ी जातियों में से केवल पांच से 10 जातियों को अधिकांश लाभ मिल रहे हैं, जबकि अन्य 'अत्यधिक पिछड़ी जातियों' को केवल एक या दो प्रतिशत लाभ मिले हैं।

बीजेपी विधायक मुनिरत्ना पर लगे रेप के आरोप पीड़िता बोली-विधानसभा के अंदर किया दुष्कर्म

बेंगलूरू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीजेपी विधायक मुनिरत्ना नायडू पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। महिला ने कहा कि विधायक मुनिरत्ना ने विधानसभा और सरकारी कार के अंदर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि विधायक मुनिरत्ना ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया। इतना ही नहीं उसे हनी ट्रैप में भी फंसाया। बता दें कि वे पहले ही हिरासत में थे। अब उन्हें एसआईटी की हिरासत में लिया गया है। हालांकि बीजेपी विधायक ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार कर्नाटक सरकार ने मुनिरत्ना के खिलाफ एसआईटी जांच का आदेश दिया था। इससे पहले वे ठेकेदार को धमकी देने और उनसे गलत व्यवहार करने के आरोप में जेल में थे। इसके बाद एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना उसे मत्यालनगर में स्थित उनके गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया।

रेप कर बनाया वीडियो

महिला ने कहा कि मुनिरत्ना ने पूरी घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया। उसने धमकी दी कि अगर उसने इसके बारे में किसी को बताया तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। पीड़िता ने कहा कि मुनिरत्ना ने उसे कई बार हनी ट्रैप करने के लिए मजबूर किया। बीजेपी विधायक ने मुझे जान से मारने की धमकी देकर हनीट्रैप का काम करवाया।

हनी ट्रैप में फंसाने का लगाया आरोप

महिला ने मुनिरत्ना के गनमैन और 6 सहयोगियों के खिलाफ भी धमकाने का आरोप लगाया था। महिला ने कहा कि विधायक ने उन्हें एक पूर्व पार्षद के पति को हनी ट्रैप मे फंसाने के लिए इस्तेमाल किया था। इधर कर्नाटक सरकार ने मुनिरत्ना के खिलाफ एसआईटी जांच का आदेश दिया था।

पहले भी मर्यादाएं हो चुकी हैं तार-तार

इससे पहले 2012 में बीजेपी सरकार के दो मंत्री लक्ष्मण सावदी और सीसी पाटिल मोबाइल में पोर्न देखते हुए कैमरे में कैद हुए थे। 2023 में भी त्रिपुरा विधानसभा सत्र की कार्यवाही के दौरान बीजेपी विधयक जादब लाल नाथ मोबाइल में पोर्न देखते हुए पकड़े गए थे। इसके बाद पार्टी ने उन्हें बर्खास्त कर दिया था।

सोशल मीडिया के जरिए बच्चों का यौन शोषण करने वाले रैकेट का भंडाफोड़, सरगना काबू

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के साइबर क्राइम डिवीजन ने ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिए बच्चों से यौन शोषण के मामले में एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस रैकेट के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। रैकेट के 54 संदिग्धों की धरपकड़ को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीमें अन्य राज्यों में दबिश दे रही हैं। ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए बच्चों के यौन शोषण संबंधी सामग्री (सीएसएएम) को देखने, रखने और आगे भेजने की गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के अलावा इस मामले में 54 संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की ओर से सुनाए गए फैसले के बाद प्रदेश में यह घटना सामने आई है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान फाजिल्का के रामसरा निवासी विजयपाल के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने आरोपी से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं और उचित तरीके से हैश वैल्यूज भी दर्ज की गई हैं। इस संबंध में साइबर पुलिस थाना में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि हाल ही में सुप्रीमकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि बच्चों के यौन शोषण संबंधी सामग्री को देखना, अपने पास रखना, आगे भेजना और इस संबंध में रिपोर्ट न करना, प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेज (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।

कंगना रनौत की बढ़ सकती है मुश्किलें, कोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई, दर्ज कराया गया बयान

मंडी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ सकती है. आगरा के एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में एक अधिवक्ता ने कंगना रनौत के खिलाफ वाद दाखिल किया है. जिसमें अधिवक्ता ने बीजेपी सांसद पर देशभर के किसान, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान करने का आरोप लगाया है. अधिवक्ता ने कोर्ट में दाखिल वाद में कहा कि कंगना ने अपने बयानों से देश का अपमान किया है. इस मामले में एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई. याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कहा कि 26 अगस्त 2024 को कंगना रनौत ने बयान दिया था कि जब दिल्ली बॉर्डर पर किसानों का आंदोलन चल रहा था उस समय वह हत्याएं हो रही थी और बलात्कार हो रहे थे और अगर देश में मजबूत सरकार न होती तो देश के हालात बांग्लादेश जैसे हो जाते.

कंगना रनौत पर गंभीर आरोप

उन्होंने कहा कि इसका मतलब साफ है कि कंगना रनौत ने देश के करोड़ों किसानों को हत्यारा, बलात्कारी और उग्रवादी कहा. इससे पहले 21 नवंबर 2021 को कंगना रनौत ने एक बयान और दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि एक गाल पर चांटा खाने से आजादी नहीं बल्कि भीख मिलती है. 1947 में जो आजादी देश को मिली वह महात्मा गांधी के भीख के कटोरे में मिली है. अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कहा कि अभिनेत्री व भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने बयानों से करोड़ों किसानों का अपमान किया है. उन्होंने कहा कि मैं भी एक किसान हूं, तो यह मेरा भी अपमान है. बीजेपी सांसद ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसावादी सिद्धांत का मजाक बनाया. कंगना रनौत के बयान से करोड़ों शहीदों का अपमान हुआ है.

स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है. अधिवक्ता ने कहा कि वो कंगना रनौत के इन तमाम बयानों से आहत हैं इसलिए एमपी एमएलए कोर्ट में उन्होंने वाद दाखिल किया है. जिसमें आज उनका बयान दर्ज हुआ है. उन्होंने बताया कि इस मामले में अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी. कोर्ट कंगना को भी जवाब देने कि लिए तलब कर सकती है.

जुल्फ लहरा देने मात्र से ही बरसने लगते थे करोड़ों रुपये, अब हकीकत आया सामने तो उड़ गए होश

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में हर रोज तरह-तरह के कारनामे सुनने और देखने को मिलते हैं। कुछ दिन पहले ही दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया था, जिसने 50 महिलाओं को शादी का झांसा देकर ठग लिया। शुक्रवार को क्राइम ब्रांच ने एक 36 साल की महिला को गिरफ्तार किया है, जो पुरुषों को सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये ठग लेती। लग्जरी लाइफ स्टाइल जीने वाली इस महिला के बाल के लहराने के स्टाइल से लोग पैसे बरसाने लगते थे। दरअसल, यह महिला गुजरात की रहने वाली है। इस वजह से लोग इसके झांसे में आ जाते थे। अहमदाबाद की रहने वाली मीनाक्षी अग्रवाल का काम हर दिन बड़े-बड़े लोगों को अपने जाल में फंसाना और साल दो साल में करोड़पति बना देना। मीनाक्षी हर रोज निर्दोष लोगों को रेलवे टेंडर, हेल्थ और भवन निर्माण सहित कई सरकारी टेंडरों में काम दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये एडवांस में ले लेती थी। लोग भी दंपत्ति की विलासितापूर्ण जीवनशैली से प्रभावित होकर करोड़ों रुपये एडवांस में दे देते थे। लेकिन, जैसे ही महिला और उसका पति पैसा एडवांस लेता फिर अपना मोबाइल फोन बंद कर गायब हो जाते। दिल्ली पुलिस में इसको लेकर एक नहीं कई एफआईआर दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस का माथा ठनका। पुलिस ने महिला की गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम भी घोषित कर दिया। गुरुवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को खुफिया जानकारी के आधार पर राजस्थान के जयपुर से इस महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

कौन है एडल्ट स्टार आरोही उर्फ रिया बर्डे, कैसे दोस्त ने पहुंचाया इस बांग्लादेशी एक्ट्रेस को जेल?

ठाणे, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आरोही या बन्ना शेख एडल्ट फिल्मों में यह नाम काफी जाना-माना है। दोनों ही नाम उस एक्ट्रेस के हैं जिसे महाराष्ट्र की उल्हासनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नाम है रिया बर्डे। रिया मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है। आरोप है कि रिया और उसका परिवार फर्जी डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल कर यहां अवैध रूप से भारत आया। यह परिवार लंबे समय से भारत सरकार को धोखा देकर यहां आराम से गुजर-बसर कर रहा था। लेकिन वो कहते हैं न कि झूठ एक न एक दिन सबके सामने आ ही जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ रिया के साथ भी। रिया के एक दोस्त ने ही उसका भंडाफोड़ किया। अब रिया के साथ-साथ उसकी पूरी फैमिली के खिलाफ कार्रवाई होगी। रिया के परिवार में उसकी

मां, भाई और एक बहन भी हैं। सभी के सभी फर्जी काजगों का इस्तेमाल कर खुद को हिंदू बता यहां लंबे समय से रह रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, भारतीय कागजात बनाने के लिए रिया की मां ने अमरावती के एक शख्स से शादी की थी। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने रिया के अलावा उसकी मां अंजलि बर्डे उर्फ रूबी शेख, पिता अरविंद बर्डे, भाई रविंद्र उर्फ रियाज शेख और बहन रितु उर्फ मोनी शेख को भी आरोपी बनाया है। पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया- गिरफ्तार रिया कई प्रोडक्शन हाउस से जुड़ी हुई थी और उसने कई पोर्न या सी ग्रेड फिल्मों में काम किया है। रिया पोर्न इंडस्ट्री में आरोही और बन्ना शेख नाम से भी जानी जाती है। सब-इंस्पेक्टर संग्राम मालकर ने बताया- जांच में पता चला कि रिया की मां अंजलि बांग्लादेश की रहने वाली है। वह अपनी दो बेटियों रिया- रितु और बेटे के साथ भारत में अवैध रूप से रह रही थी।

कतर में है रिया की मां

रिया की मां खुद को पश्चिम बंगाल की बताती थी। उसने अमरावती निवासी अरविंद बर्डे से शादी की। बाद में खुद और बच्चों के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक का पासपोर्ट बनवा लिया, ताकि वह अपनी भारतीय पहचान साबित कर सके। पुलिस ने पाया कि रिया की मां और पिता दोनों फिलहाल कतर में रह रहे हैं।

पहले भी हो चुकी है अरेस्ट

पुलिस ने बताया- रिया को पहले मुंबई पुलिस ने वेश्यावृत्ति से जुड़े एक मामले में अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। पूरा मामला तब सामने आया जब रिया के दोस्त प्रशांत मिश्रा को पता चला कि वह मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है और देश में अवैध रूप से रह रही है। उन्होंने पुलिस में उसकी शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने उसके दस्तावेजों की जांच की और पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश किया।

यूपी से लाए अवैध हथियार : सीआईए कपूरथला ने दो आरोपी दबोचे, देसी कट्टा बेचने की फिराक में घूम रहे थे दोनों

कपूरथला, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कपूरथला सीआईए स्टाफ की टीम ने कांजली बेईं के पास गश्त के दौरान अवैध हथियारों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी हथियार बेचने की फिराक में घूम रहे थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस टीम ने एक देसी कट्टा (315 बोर) समेत एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपियों की पहचान गांव तलवंडी चौधरियां के रहने वाले प्रगट सिंह उर्फ आकाश और गगनदीप सिंह के तौर पर हुई है। दोनों के खिलाफ थाना सिटी में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। सीआईए इंचार्ज जरनैल सिंह ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद ज्यूडिशल कस्टडी में भेज दिया गया है।

बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगी रिपोर्ट, पूछे ये 6 सवाल

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में संगठित तरीके से बच्चों की तस्करी के मुद्दे पर व्यापक सुनवाई करने का निर्णय लिया और केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस मामले में डेटा एकत्र करके एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सर्वोच्च अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ याचिकाकर्ता संजय समेत अन्य की ओर से दायर याचिका पर यह आदेश दिया। जस्टिस हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को निम्नलिखित विवरण वाली एक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछे ये 6 सवाल

1 2020 से यानी जब क्राइम मल्टी एजेंसी सेंटर (क्रि-मैक) लॉन्च किया गया था, तब से प्रत्येक जिले/राज्य में कितने बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं?

2 पंजीकृत प्रकरणों में से कितने बच्चों को 4 माह की निर्धारित अवधि में बरामद किया जा चुका है और कितने बच्चों को बरामद किया जाना शेष है?

3 क्या प्रत्येक जिले में मानव तस्करी विरोधी इकाइयां स्थापित की गई हैं और यदि हां, तो संबंधित मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को कितने मामले सौंपे गए हैं।

4 लागू कानूनों के तहत मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को प्रदत्त शक्तियां क्या हैं?

5 प्रत्येक जिले/राज्य में बाल तस्करी के मामलों से संबंधित लंबित मुकदमों की संख्या।

6 गुमशुदा बच्चे की जांच में देरी या बरामदगी न होने के मामलों में संबंधित राज्य क्या कदम उठाने का इरादा रखते हैं, सहित वर्ष-वार डेटा प्रदान किया जाना चाहिए।

एससी ने एचसी के आदेशों को किया रद्द

सर्वोच्च अदालत ने हाईकोर्ट के उन आदेशों को रद्द करते हुए यह निर्देश जारी किए, जिसमें उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान राज्यों में फैले बाल तस्करी रैकेट में शामिल होने के छह आरोपियों को जमानत दी गई थी। विशेष रूप से जिन व्यक्तियों को जमानत दी गई थी, उन पर 4 वर्षीय लड़के के अपहरण का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ऐसे मामलों में शामिल मापदंडों पर विचार किए बिना आरोपी व्यक्तियों को जमानत दे दी थी।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 28 सितंबर- 2024

थमेगा रेल जिहाद या मौत के तांडव का इंतजार?

सुरेश गांधी

फिरहाल, देश में लव जेहाद के बाद इन दिनों 'रेल जिहाद' लोगों की जुबान पर है। हर दुसरे तीसरे दिन देश के किसी न किसी हिस्से में रेल से मौत के खेल की लगातार साजिशें हो रही हैं। गुजरात में सूरत के बाद बोटाद में ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई है। भावनगर पैसेंजर ट्रेन को बेपटरी करने का प्रयास हुआ है। रेलवे ट्रैक पर रखे 4 फीट लंबा लोहे का एंगल से ट्रेन टकरा गयी। इंजन बंद होने के कारण ट्रेन बेपटरी होने से बच गयी। जबकि 24 घंटे पहले यूपी के कानपुर में दुसरी बार महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर एलपीजी का एक गैस सिलेंडर रखा पाया गया। चार दिन पहले गुजरात के सूरत के पास वडोदरा में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ की गई थी। अराजक तत्वों ने पटरी के बीच फिश प्लेट खोल दिए थे। रेलवे की मानें तो हाल के सप्ताह में 2 पत्थरबाजी की घटनाएं और 4 रेलवे ट्रैक को डिरेल करने की कोशिशें हुईं। देखा जाएं तो भारतीय रेल करोड़ों भारतीयों की लाइफ लाइन है। हर दिन करोड़ों लोग अलग-अलग ट्रेनों से सफर करते हैं। ट्रेनों से सफर को अन्य की तुलना में काफी सेफ सफर माना जाता है। मगर भारत की लाइफ लाइन को अब किसी की नजर लग गई है। पर्दे के पीछे कोई दुश्मन है, जो ट्रेनों को बार-बार टारगेट कर रहा है। कोई तो है जो रेल से मौत के खेल की साजिश रच रहा है। कानपुर से लेकर अजमेर व गुजरात तक में ट्रेन को बेपटरी करने की बड़ी साजिश सामने आई है। कानपुर में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिलने के बाद अब राजस्थान के अजमेर जिले में रेलवे ट्रैक पर अलग-अलग जगहों पर करीब एक क्विंटल के सीमेंट ब्लॉक मिले हैं। दिल्ली-हावड़ा रेल खंड को ही सबसे अधिक टारगेट किया जा रहा है। यहां गौर करने वाली बात है कि माहभर में दर्जनभर से अधिक भारतीय रेलवे के साथ 14 अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। इसमें 2 पत्थरबाज़ी की घटनाएं और 12 रेलवे ट्रैक को डिरेल करने की कोशिशें हुई हैं। हालांकि, अब तक दुश्मन अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए हैं। मगर यह भी हकीकत है कि कोई तो है जो रेल से मौत का खेल खेलना चाह रहा है। खास यह है कि इनघटनाओं के अलावा, रेलवे में इस साल ऐसे कई हादसे हुए हैं, जहां ट्रैक पर कुछ रखे होने की वजह से ड्राइवर को इमरजेंसी ब्रेक लगानी पड़ी है या फिर कई बार ट्रेन बेपटरी हुई है। केवल राजस्थान में एक महीने में तीसरी बार ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश हुई है। इससे पहले 28 अगस्त को बारां के छबड़ा में मालगाड़ी के ट्रैक पर बाइक का स्क्रैप फेंका गया था, जिसमें इंजन बाइक के कबाड़ से टकरा गया। हालांकि, अब इन साजिशों से पर्दा उठाने के लिए जांच तेज हो चुकी है। ऐसे मामले इस कदर बढ़ रहे हैं कि रेलवे अब एनआईए की मदद लेने पर विचार कर रहा है। रेल रिकार्ड के मुताबिक 4 सितंबर, को वाराणसी स्टेशन से रवाना होने के कुछ देर बाद ही लखनऊ से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर हमला हुआ। वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर फेंके गए थे। इससे ट्रेन की खिड़कियों को काफी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि यात्रियों या कर्मचारियों में से कोई भी घायल नहीं हुआ। 5 सितंबर, को रांची से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को झारखंड के हजारीबाग में इसी तरह से निशाना बनाया गया। ट्रेन पर पत्थर फेंके गए, जिससे कई खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। इसी दिन सायंकाल कुरडुवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। एक सिग्नल पॉइंट के पास ट्रैक पर जानबूझकर एक फाउलिंग मार्क स्लैब रखा गया था। सतर्क लोको पायलट ने समय रहते ट्रेन को रोक लिया और हादसा होने से बचा लिया। इसके बाद उसने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया औरअधिकारियों ने जल्दी से अवरोध को हटा दिया। इस घटना की भी जांच चल रही है। 7 सितंबर को इंदौर-जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के दो कोच संदिग्ध परिस्थितियों में जबलपुर स्टेशन के पास डिरेल हो गए। डिरेलमेंट की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है, क्योंकि घटना की असामान्यता रेलवे संचालन पर प्रभाव डालने वाले हाल के अन्य व्यवधानों के बीच संभावित गड़बड़ी की चिंता पैदा करती है। 8 सितंबर को राजस्थान के अजमेर के फुलेरा-अहमदाबाद ट्रैक पर सरधना और बांगड़ स्टेशनों के बीच पटरियों पर सीमेंट के ब्लॉक डालकर एक मालगाड़ी को पटरी से उतारने की कोशिश की गई। हालांकि, कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। 9 सितंबर को कानपुर में प्रयागराज से भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस के साथ मौत का खेल खेलने की साजिश रची गई। कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे एलपीजी सिलेंडर से उड़ाने की साजिश थी। मगर सिलेंडर से ट्रेन टकराई मगर गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। ट्रेन से टकराने के बाद सिलेंडर ट्रैक से बाहर चला गया और लोको पायलट ने समय पर आपातकालीन ब्रेक लगा दिए। पुलिस को घटनास्थल से पेट्रोल और माचिस मिलीं, जो स्पष्ट रूप से आपराधिक इरादे को दर्शाती हैं। 24 सितम्बर को सूरत में भी रेल को डिरेल करने की कोशिश की गयी। 18 सितंबर को मध्य प्रदेश में एक आर्मी स्पेशल ट्रेन के रूट पर 10 डेटोनेटर रखे गए थे। ये डेटोनेटर ट्रेन के आने से पहले फट गए। इसके अलावा यूपी के रामपुर में अराजक तत्वों ने रेल की पटरी पर टेलीफोन का खंभा रख दिया था। 26 सितम्बर की सुबह बोटाद में ट्रेन की पटरियों से छेड़छाड़ की गई। रेल जेहादियों ने रात में ओखा-भावनगर पैसेंजर ट्रेन के रास्ते में ट्रैक पर 4 फीट लंबा लोहे का टुकड़ा रख दिया। बुधवार तड़के बोटाद से गुजरने के दौरान ओखा-भावनगर पैसेंजर ट्रेन इस टुकड़े से टकरा गई। टक्कर लगते ही इंजन बंद हो गया। इस कारण ट्रेन करीब 3 घंटे तक खड़ी रही। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी आरपीएफ और राणपुर पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। हद तो तब हो गयी जब कानपुर में दूसरी बार रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर रखकर सैकड़ों लोगों की जान लेने की साजिश हुई, जिसे नाकाम कर निर्दोष लोगों की जान बचाई गई है। शुरू की एक-दो घटनाओं से लगा कि स्थानीय स्तर के किसी सिरफिरे ने गंभीरता को सही तरीके से भांपे बिना ऐसा कर दिया होगा। पर एक के बाद एक हो रही घटना ने यह साफ कर दिया है कि देश में जगह ट्रेन पलटाने की साजिश केवल किसी सिरफिरे की करतूत नहीं हो सकती है। मामला गंभीर है, रेलवे को एक्शन के साथ उच्चस्तरीय जांच की भी मदद लेनी ही पड़ेगी। क्योंकि सूरत में फिश प्लेट खोलने और रामपुर में भी पटरी पर खंभा रखकर निर्दोष लोगों की जान लेने के षड्यंत्र में एक खास तरह का पैटर्न दिख रहा है। इसकी सच्चाई इनफोर्समेंट एजेंसियों की जांच के बाद ही सामने आएगी। परंतु इसके पीछे जनमानस को गहरा घाव देने की कोशिश जरूर है। किसी बड़े नेटवर्क का हाथ होने की आशंका है। यह नेटवर्क अपराधियों का होना तो संभव नहीं लग रहा है। क्योंकि, अपराधी कोई भी वारदात ज्यादातर आर्थिक लाभ को ध्यान में रखकर करते हैं। किसी ट्रेन हादसे में लोगों की जान जाने से किसी अपराधी गिरोह का कोई हित नहीं सधने वाला है।

देखा जाएं तो इन वारदातों के पहले भी शवों के सौदागरों ने ट्रेनों को निशाना बनाकर सैकड़ों निर्दोषों की जान ले ली है। समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट से लेकर मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए विस्फोट तक इसके उदाहरण हैं। हालांकि, अभी तक की जांच में कोई ऐसे तथ्य सामने नहीं आए हैं, जिससे शक की सुई किसी खास ओर जाती दिखे।

दीदी के राज में दादागिरी

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बिहार के छात्रों के साथ हुई पिटाई का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह देश को झकझोर देने वाला है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कुछ लोग छात्रों के कमरे में जबरन घुसते हैं और उनके साथ दुर्व्यवहार कर मारपीट करते हैं। हमलावर स्थानीय लोग उनसे डॉक्यूमेंट्स भी मांगते हैं। जब छात्र इस बात का विरोध करते हैं तो वह उनसे कान पकड़कर उठक-बैठक लगवाते हैं। मौके पर जिस तरह से छात्रों से बदसलूकी की गई उसे देखकर लगता नहीं कि ममता दीदी के राज में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज है। लोगों में लगता है कानून का भय समाप्त हो चुका है। कोई भी किसी के भी कमरे में बिना इजाजत घुसकर धमकाने के साथ ही मारपीट करने लगता है। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्रवाद की संकीर्ण मानसिकता को उजागर किया है। कैसी विडंबना है कि आजादी के अमृत महोत्सव के बाद भी हम अपने देश के भविष्य को एक सुरक्षित माहौल नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्षेत्रीय अस्मिता के नाम पर ऐसी गुंडई की हिम्मत आखिर कहां से आ रही है। देखा जाए तो यह पहली बार नहीं है कि बिहार के लोगों के साथ इस तरह की बदसलूकी हुई है। मुंबई, गुजरात, असम, मणिपुर, राजस्थान से लेकर बंगाल तक बिहारियों को लेकर जिस तरह कानून को ताक पर रखा जाता है वह बेहद ही चिंताजनक है। आप किसी आदमी से ही ऐसी घृणा कैसे कर सकते हैं? ऐसा करने वालों को यह समझ क्यों नहीं आता है कि देश सबका है। अब क्या अपने ही देश में परीक्षा देने पर रोक लगाई जाएगी। देश में किसी भी व्यक्ति को किसी भी राज्य में जाने की मनाही नहीं है तो फिर ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं। आखिर इसका जवाब कौन देगा? इस तरह की घटनाएं तभी होती हैं जब राज्य सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठ जाती हैं। अब तक विभिन्न राज्यों में कितनी भी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन आज तक किसी आरोपी के खिलाफ कोई ऐसी सजा नहीं हुई जो नजीर बन सके। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बिहारी छात्रों के साथ बदसलूकी मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार तो कर लिया है लेकिन इस मामले में कोई ठोस नतीजा निकलेगा इसकी गुंजाइश कम ही है। राज्यों में जिस तरह से पिछड़े राज्यों के लोगों के प्रति दुर्भावना की घटनाएं सामने आ रही हैं वह संविधान का सीधे तौर पर अपमान है। संविधान में नस्ल, भाषा के आधार पर समानता की बात है फिर अवहेलना कैसे हो रही है? राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने से क्यों पीछे हट जाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को इस बात की आलोचना करने के साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाएं ना हो यह सुनिश्चित करने का आश्वासन तक नहीं दिया है, जो निंदनीय है। बहरहाल, इस तरह की घटनाओं के बाद नेताओं द्वारा निंदा का पैटर्न चल पड़ता है। विपक्ष दलों की तरफ से आलोचना करने में जुबानी जमा खर्च करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष यदि वोट चाहिए तो प्रवासियों को भगवान बना देते हैं। चुनाव खत्म होते ही यहीं लोग फिर जानवर से भी बदतर हो जाते हैं। ऐसे में यह जिम्मेदारी राजनेताओं की भी है कि कम से कम आप लोग जिस संविधान की दुहाई देते हैं, उसकी तो लाज रखने के लिए ही कोई ठोस कदम उठाइए।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा में विघ्न डाल रहे हैं कट्टरपंथी!

मनोज कुमार अग्रवाल

इस बार बांग्लादेश में शारदीय नवरात्रि पर होने वाली दुर्गा पूजा कट्टरपंथी लोगों के निशाने पर है। बांग्लादेश से प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद वहां हिन्दू विरोधी कट्टरपंथी ताकतों द्वारा कदम कदम पर हिन्दुओं का सामाजिक धार्मिक सामुदायिक दमन किया जा रहा है।

बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। राज्य में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों ने हिंदूओ के कई मंदिरों और समितियों को धमकी भरे पत्र भेजे हैं। जिनमें 5 लाख बांग्लादेशी टका की मांग की गई है। इस पत्र में कहा गया है कि अगर ये रकम नहीं भेजी गई तो उन्हें पूजा नहीं करने दी जाएगी। हिंदू समुदाय के सदस्यों का कहना है कि दुर्गा जी की प्रतिमा को तोड़ने और जबरन वसूली के लिए उन्हें कई ऐसी ही धमकियां मिली है।इन धमकियों के चलते बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के आयोजन पर संकट व असुरक्षा का माहौल बना है हालांकि अतीत में मुगल काल में भी मौजूदा बांग्लादेश में दुर्गा पूजा की जाती रही थी। आपको बता दें कि दुर्गा पूजा का उत्साह केवल भारत में ही नहीं, बल्कि हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में भी माँ दुर्गा की पूजा बड़े आयोजन के रूप में होती है। सिर्फ हिंदू समुदाय ही यह त्योहार नहीं मनाते, बल्कि लिबरल मुसलमान भी इसमें बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। वहां यह अब एक सार्वभौमिक त्योहार है। यह जानना काम सुखद नहीं है कि 2022 में बांग्लादेश में 32,168 दुर्गा पंडाल लगाए गए थे। अकेले ढाका में पूजा पंडालों की संख्या 241 थी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित ढाकेश्वरी मंदिर इस बात का प्रमाण है कि इस क्षेत्र में माँ दुर्गा की उपासना सदियों से होती चली आ रही है। माना जाता है कि ढाकेश्वरी मंदिर की स्थापना 12वीं शताब्दी में बल्लाल सेन नाम के एक हिंदू राजा ने की थी। बल्लाल सेन को माँ दुर्गा ने सपने में आकर कहा था कि उनकी प्रतिमा पास के जंगल के एक विशेष स्थान पर दबी हुई है, वह उस प्रतिमा को वहां से लेकर मंदिर में स्थापित करें। ढाकेश्वरी माँ के नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी का नाम ढाका पड़ा, ऐसी मान्यता है। तभी से ढाका में माँ दुर्गा की यह पारंपरिक पूजा होती आ रही है। बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मंदिर के अलावा सिद्धेश्वरी मंदिर, रमना काली मंदिर और रामकृष्ण मिशन मंदिर भी दुर्गा और काली पूजा के लिए विश्वविख्यात है। सिलहट जिले के पंचगांव की दुर्गापूजा लगभग 300 साल पुरानी है। यह पूरे उपमहाद्वीप में एकमात्र लाल रंग की दुर्गा हैसच कहे तो आज जिस रूप में हम दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं, उसकी शुरुआत बंगाल से हुई। आज भी धूमधाम और भव्यता में कोलकाता की दुर्गापूजा का कोई मुकाबला नहीं है। भारत विभाजन से पहले बांग्लादेश भी बंगाल का ही हिस्सा था, इसलिए संस्कृति भी एक ही थी। पहले पूर्वी बंगाल के रूप में पाकिस्तान का हिस्सा बना और फिर 1971 में स्वतंत्र देश बन गया । इधर के कुछ वर्षों में बांग्लादेश में भी इस्लामिक कट्टरपंथी सर उठाने लगे हैं। दुर्गा पूजा के पिछले कुछ आयोजनों में विघ्न प्रयास किए गए। पिछले साल तो किसी कट्टरपंथी ने पंडाल में कुरान की प्रति रख दी और अफवाहें फैला दीं। कई जगह पंडाल में तोड़ फोड़ भी की गई। लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद कट्टरपंथी ताकतों ने हिन्दुओं पर बड़े पैमाने पर हिंसा आगजनी घरो में आगजनी महिलाओं खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी पूजा स्थलों पर तोडफ़ोड़ मूर्ति भंजन की वारदातों को अंजाम दिया गया। हाल ही में कट्टरपंथी तत्वों ने एक पत्र भेज कर खुली अवैध वसूली और धमकी देने का एलान किया है। इन तत्वों ने चेतावनी दी है कि 'अगर आप दुर्गा पूजा मनाना चाहते हैं, तो हर मंदिर समिति को 5 लाख टका दान देना होगा। अगर आप इसका पालन नहीं करते हैं, तो आप उत्सव नहीं मना पाएंगे। हम जो जगह बताएंगे, वहां एक हफ़्ते के अंदर पैसे जमा कर दें। याद रखें, अगर आपने प्रशासन या प्रेस को बताया, तो हम आपको टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।'

चेतावनी पत्र में आगे लिखा है, 'हम अल्लाह की कसम खाते हैं, अगर हमें पैसे नहीं मिले, तो हम तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। हमारी नज़र तुम पर है।'

दुर्गा पूजा से पहले तनाव के चलते बांग्लादेशी अधिकारियों ने देश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास सतर्कता बढ़ाई जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने कहा कि दुर्गा पूजा समारोहों की अवधि के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अपनाई जा रही है। यह मूर्ति विसर्जन (विसर्जन) तक लागू रहेगी।

अगर दुर्गा पूजा समितियों को कोई धमकी देती हैं तो वे आपातकालीन नंबर 999 पर संपर्क कर सकती हैं। दुर्गा पूजा के लिए सादे कपड़ों में सुरक्षाकर्मी, संकट प्रतिक्रिया दल और स्वाट को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा। वहीं, डाकोप पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज सिराजुल इस्लाम ने कहा, 'शुक्रवार को चार मंदिरों ने जीडी दर्ज कराई है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और नियमित रूप से सेना दल के साथ गश्त कर रहे हैं।

यहां आपको बता दें कि पिछले दिनों शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद इस्लामी कट्टरपंथी हमलावरों ने पुलिस और सेना की मौजूदगी में हिन्दुओं के खिलाफ जमकर हिंसा की गई।

बांग्लादेश की सरकार ने बाकायदा फरमान जारी कर हिंदुओं को आदेश दिया है कि दुर्गा पूजा पंडालों में बजने वाले म्यूजिक सिस्टम मस्जिदों में होने वाली अजान और नमाज के वक्त बंद कर दिए जाएं. बांग्लादेश की सरकार के इस तालिबानी फरमान का अब चौतरफा विरोध शुरू हो गया है।

बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने यह आदेश जारी किया है. मंगलवार को जारी किए गए इस फरमान में जहांगीर आलम ने कहा कि दुर्गा पूजा पंडालों के दौरान मस्जिद में अजान से 5 मिनट पहले म्यूजिक सिस्टम को बंद करना अनिवार्य होगा. इसके बाद जब तक मस्जिदों में नमाज चलेगी, तब तक पंडालों में बजने वाले सभी म्यूजिक सिस्टम और लाउडस्पीकर बंद रहने चाहिएं. बांग्लादेश की यूनुस सरकार के इस तालिबानी फरमान का भारत में विरोध शुरू हो गया है. इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक्स पर पोस्ट कर इस आदेश पर विरोध जताया. पोस्ट में दास ने लिखा, बांग्लादेश में गृह मंत्री के सलाहकार फरमान जारी कर रहे हैं कि हिंदुओं को अजान से 5 मिनट पहले अपनी सभी पूजा- अनुष्ठान और संगीत बंद कर देना चाहिए वरना उनकी गिरफ्तारी हो सकती है. ये नया तालिबानी बांग्लादेश है।

इन हालातों में क्या हजारों साल से चली आ रही दुर्गा पूजा इस साल परम्परागत उत्साह से संपन्न हो पाएगी इस मे संदेह की काफी गुंजाइश है लेकिन अजब दुर्योग कहा जाए कि बांग्लादेश में हिन्दूओं के साथ बर्बरता की वारदातों के बावजूद भारत में भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश की टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रही है और बांग्लादेश में हो रही अराजकता के खिलाफ तनिक भी विरोध नहीं जता रही है। सेकुलरिज्म ने हमारे राष्ट्रीय चरित्र और चेतना को किस हद तक करंट प्रूफ या पतन किया है यह इस बात का सटीक सत्यापन है।

डिजिटल युग में फर्जी खबरें

प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है अर्थात यह सुनिश्चित करने में है कि नियामक उपाय वैध भाषण का दमन न करें। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। और जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। आजकल फर्जी खबरें समाचार उद्योग के साथ-साथ समाज के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। इंटरनेट क्रांति ने फर्जी खबरों को फैलाने के लिए एक नरम आधार प्रदान किया है और यह गलत सूचना, समाचार में अशुद्धि, भ्रामक समाचारों, अर्धसत्य और कभी-कभी अत्यधिक सनसनीखेज रिपोर्टिंग का प्राथमिक कारण बन गया है, जो जनता का ध्यान खींचने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जाता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर सूचना इतनी तेज गति से फैलती है कि विकृत, गलत या झूठी सूचना वास्तविक दुनिया में कुछ ही मिनटों में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव पैदा करने की जबरदस्त क्षमता रखती है। फ़ेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप फ़र्जी ख़बरें फैलाने के लिए उपजाऊ प्लेटफ़ॉर्म बन गए हैं। इस पृष्ठभूमि में यह पेपर फ़र्जी ख़बरों की चुनौतियों, समाज पर इसके प्रभाव, फ़र्जी ख़बरों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को विनियमित करने में सरकार की भूमिका, सोशल मीडिया के स्व-नियमन और सबसे बढ़कर नागरिकों और युवाओं की ज़िम्मेदारी का मूल्यांकन करने का इरादा रखता है, जो देश का भविष्य हैं। गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करने और वाक स्वतंत्रता की सुरक्षा के बीच संतुलन हासिल करने में कई दिक्कतें हैं। “फर्जी समाचार” या “भ्रामक सूचना” जैसे शब्दों के लिए स्पष्ट परिभाषाओं का अभाव कानूनी अस्पष्टता उत्पन्न करता है, जिससे वाक स्वतंत्रता संबंधी अधिकारों का उल्लंघन किए बिना सामग्री को विनियमित करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना से निपटने के उद्देश्य से किए गए विनियामक उपाय अक्सर सरकारी अतिक्रमण का कारण बन जाते हैं, जहाँ अधिकारी फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाने के परिप्रेक्ष्य में असहमति की मुद्दों को दबा सकते हैं। अस्पष्ट विनियमन और कानूनी कार्रवाई के डर से व्यक्तियों में स्व-सेंसरशिप की प्रवृत्ति उत्पन्न हो सकती है विशेष रूप से मीडिया, राजनीतिक व्यंग्य या सक्रियता में, जिससे रचनात्मकता और खुले विचार-विमर्श पर असर पड़ता है। उदाहरण के लिए: व्यंग्यकार और हास्य कलाकार अस्पष्ट कानूनों के तहत नतीजों के डर से सरकारी नीतियों पर टिप्पणी करने से बच सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कानूनी समस्याओं से बचने के लिए पहले से ही सामग्री हटाने का दबाव हो सकता है भले ही सामग्री किसी कानून का उल्लंघन न करती हो, जिससे ऑनलाइन उपलब्ध राय की विविधता प्रभावित हो सकती है। ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म अपनी ‘सेफ हॉर्बर’ सुरक्षा खो सकते हैं , जो उन्हें उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के प्रति उत्तरदायित्व से बचाती है। वाक स्वतंत्रता ,व्यक्तियों को राय व्यक्त करने की अनुमति प्रदान करती है जो सदैव सत्यापित तथ्यों के साथ संरेखित नहीं हो सकता है, जिससे गलत सूचना और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना पर नियामक नियंत्रण ,अनजाने में खोजी पत्रकारिता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जिसमें अक्सर शक्तिशाली संस्थाओं के संबंध में असुविधाजनक सच्चाइयों को उजागर करना शामिल होता है। हालाँकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों को रोकने के लिए फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाना आवश्यक है परंतु अति उत्साही दृष्टिकोण वाक स्वतंत्रता सहित नागरिक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है।

सेवा ही सुख है

डॉ. नीरज भारद्वाज

सामान्यतः यह देखा जाता है कि एक सामान्य व्यक्ति हर समय अपने परिवार, मित्रों आदि में अपनी समस्याओं और व्यक्तिगत संघर्ष की बातें करता रहता है। वह अपने ऊपर उठने, आगे बढ़ने के संघर्ष को बताकर प्रसन्नचित्त हो जाता है। सही मायनों में व्यक्ति के पैदा होने से लेकर मृत्यु तक, कहां संघर्ष और समस्या नहीं है, यह सब बातें सबको पता है। फिर भी व्यक्ति इन्हीं चर्चाओं में लगा रहता है। व्यक्ति अपने संघर्ष, दुःख-दर्द, व्यथा को बताने में ही जीवन व्यतीत कर देता है। हरि भजन केवल दुख के समय में होता है, स्थिति ठीक होते ही वही जीवन बेला फिर शुरू। कहा गया है- दुःख में सुमरिन सब करे, सुख में करै न कोय। जो सुख में सुमिरन करे दुःख काहे को होय।। जो व्यक्ति वास्तव में हरि भजन में लग गया, वह इस जीवन रूपी सागर से पार उतर जाता है।

विचार करें तो जीवन की दौड़-धूप और उधेड़बुन से भी अलग सोच, समझ और ज्ञान-विज्ञान का दायरा है। बहुत लोगों के मुख से सुना होगा कि ‘नेकी कर दरिया में डाल’ अर्थात अच्छा काम कर, लोगों की भलाई कर और आगे बढ़ जा। वह अच्छाई या भलाई ही हमें धीरे-धीरे सफलता की ओर ले जाती है, जीवन को सरल बना देती है। सही मायनों में हम इस जीवन को भोगने नहीं बल्कि इस जीवन में हम दूसरों की भलाई करने के लिए आए हैं, उनकी सेवा करने आए हैं। कहा भी गया है- सेवा परमो धर्मः अर्थात सेवा ही परम धर्म है। देखा और समझा जाए तो सेवा करने से अहंकार कम होता है अर्थात समाप्त हो जाता है। सेवा करने के भाव से ही कितने ही सामान्य व्यक्ति महामानव और युगपुरुष बन गए हैं।

अपने परिवार से ही देखें तो माँ का सेवा भाव हम सभी को उत्साह से भर देता रहता है। जीवन को रोजाना नया संदेश देता रहता है। वास्तव में माँ शब्द में ब्रह्मांड छिपा है। पिता का त्याग और समर्पण परिवार को संबल देता है। परिवार का हर एक सदस्य जब सेवा, त्याग, समर्पण में उतर जाता है तो वह परिवार स्वयं में ही स्वर्ग से सुंदर नजर आता है। जहां यह तत्त्व समाप्त हो जाते हैं, अपने-अपने को भोगने में लग जाते हैं तो परिवार, समाज, देश सभी कुछ खंडित नजर आता है। राष्ट्र सेवा भी सबसे बड़ी सेवा है। अपने भारत देश को कहते ही भारत माता हैं और जयकारा लगाते हैं कि भारत माता की जय। इसीलिए राष्ट्र अर्थात देश सेवा भी सबसे बड़ा कार्य है। हम देश की संपदा को भोगने नहीं बल्कि इसकी रक्षा, सौंदर्य, सेवा आदि के लिए ही इस भूलोक पर आए हैं।

जीवन जीने की कला सभी को नहीं आती है। वास्तव में कोई अपने भाग्य को कहता है तो कोई कर्मों को कहता है। गीता में भगवान ने कहा है- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, कर्म के फल पर नहीं। सही मायने में व्यक्ति को अच्छे कार्य करते हुए ही आगे बढ़ना चाहिए। जीवन सरस, सुंदर और मधुर बन जाएगा लेकिन व्यक्ति पता नहीं कहां भटक रहा है। ऐसा लगता है हर एक व्यक्ति इस धरती पर धन इकट्ठा करने आया है। चारों ओर भागम-भाग और लूट मार सी दिखाइए देती है। अध्यात्म चेतना शून्य और भोग चेतना प्रबल रूप से व्यक्ति के सिर चढ़कर बोल रही है।

हमारे संत, महात्मा बार-बार इस भोगवाद और इस भोगवादी संस्कृति से दूर रहने की कहते हैं। साहित्य भी हमारा अध्यात्म चिंतन कहता है। हमारे शास्त्र भी हमें सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया का संदेश देते हैं लेकिन हम हैं कि इस जीवन को जीने से अधिक भोगने में लगे हुए हैं। जीवन की सार्थकता सेवा और जीवों की भलाई है। पेड़ लगाए, नदियों को साफ रखें, पर्यावरण को दूषित न करें।

अनकहा दर्द

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दिवाली का त्योहार था, और शहर भर में रौशनी का आलम था। पटाखों की आवाज़ें, मिठाइयों की खुशबू, और घर-घर में दीप जल रहे थे। लेकिन हमारे मोहल्ले में कुछ अलग ही मंजर था। मोहल्ले के चौराहे पर एक विशाल पंडाल सजाया गया था, जिसमें हर तरफ दीयों की जगमगाहट थी। सब लोग उत्साह में थे, लेकिन मैं जानता था कि इस उत्सव में भी कुछ न कुछ तो गड़बड़ है।“अरे भाई, ये तो दिवाली का मजा ही खराब कर दिया!” मैंने अपने दोस्त बबलू से कहा, जो हमेशा की तरह अपने नए कपड़ों में चमक रहा था। बबलू हंसते हुए बोला, “क्या करूँ यार, ये तो हमारी मोहल्ले की परंपरा है। सब कुछ ठीक नहीं है तो क्या हुआ, कम से कम हम दिखावे के लिए ही सही, दिवाली मनाने आए हैं।”इसी बीच, पंडाल में आयोजक भाई लोग आ गए। उनके चेहरे पर टेंशन साफ दिखाई दे रही थी। “क्या बात है भैया, सब ठीक तो है?” मैंने पूछा। एक आयोजक ने कहा, “भाई, बस थोड़ा सा बजट कम है। मिठाई का खर्चा बढ़ गया है, लेकिन हम तो कोशिश कर रहे हैं कि दिवाली का माहौल बना रहे।”“क्या बात कर रहे हो! दिवाली के लिए तो हमें अमीर बनने की जरूरत नहीं है, बस थोड़ी ईमानदारी से काम कर लो!” मैंने चुटकी लेते हुए कहा। उन्होंने मेरी बात पर हंसते हुए कहा, “ईमानदारी? अरे भाई, ये तो सिर्फ किताबों में होती है। यहाँ तो सब दिखावे का खेल है। समझा?”फिर मैंने देखा कि मोहल्ले की महिलाएं भीड़ में इकट्ठी थीं, वो सभी अपने-अपने तरीके से दिवाली की तैयारी कर रही थीं। एक महिला ने कहा, “इस बार तो हम सब एक साथ मिलकर दीप जलाएँगे।” दूसरी ने कहा, “अरे नहीं, हमारे घर का दीप सबसे बड़ा होना चाहिए। बस वही सबसे सुंदर दिखेगा!”तभी मैंने देखा कि वहाँ पर एक आदमी जो ढेर सारी मिठाइयाँ लेकर आया था, वो सबके बीच में खड़ा होकर बोल रहा था, “भाई लोग, इस बार की मिठाई सबसे खास है! एक तो ये इंपोर्टेड है, और ऊपर से 20% ज्यादा मीठी!” सभी ने एक साथ कहा, “बस ठीक है, बस अच्छी लगे तो चुप रहो।”इसी बीच एक और मित्र, फट्टू, जो हमेशा कुछ न कुछ नया करने की कोशिश करता है, वो भी वहाँ आ गया।

पितृ पक्ष का अंतिम दिन 2 अक्टूबर को

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर होगा सूर्य ग्रहण, लेकिन भारत में नहीं दिखेगा, इसलिए यहां सूतक भी नहीं रहेगा

इस बार आश्विन मास की अमावस्या यानी सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या (बुधवार, 2 अक्टूबर) पर सूर्य ग्रहण रहेगा, लेकिन ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, इस कारण देश में ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा। अमावस्या और पितृ पक्ष से जुड़े सभी शुभ काम पूरे दिन किए जा सकेंगे।

सूर्य ग्रहण जिस जगह दिखाई देता है, वहीं ग्रहण का सूतक मान्य होता है। जहां ग्रहण दिखाई नहीं देता है, वहां ग्रहण का सूतक नहीं मानना चाहिए। सूर्य ग्रहण का सूतक ग्रहण के समय से 12 घंटे पहले शुरू हो जाता है और ग्रहण खत्म होने तक रहता है।

सूर्य ग्रहण का समय

भारतीय समय अनुसार सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर की रात 9.13 बजे से शुरू होगा और मध्य रात्रि 3.17 बजे खत्म होगा।

सूर्य ग्रहण कहां-कहां दिखेगा

2 अक्टूबर को अर्जेंटिना और चिली में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। इन देशों के अलावा अंटार्कटिका, ब्राजिल, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, पेरू, अमेरिका सहित कई देशों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। भारत के आसपास के देशों में ग्रहण के समय रात रहेगी, यहां सूर्य ग्रहण दिखाई नहीं देगा।

ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा, पूरे दिन कर सकते हैं धर्म-कर्म

भारत में ग्रहण नहीं दिखने से यहां सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या से जुड़े सभी धर्म-कर्म पूरे दिन किए जा सकेंगे। बुधवार सुबह सूर्य को जल चढ़ाएं, घर के मंदिर में गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी, शिव-पार्वती आदि देवी-देवताओं की पूजा करें। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण आदि शुभ काम करें। इस दिन जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं। अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल और धन का दान करें। हनुमान जी के मंदिर में दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

पितृ पक्ष में जिन पूर्वजों के लिए श्राद्ध करना भूल गए हैं और जिनकी मृत्यु की जानकारी नहीं है, उनके लिए इस अमावस्या पर ही श्राद्ध करें।

आखिरी श्राद्ध पर सूर्य ग्रहण रात के समय लग रहा है, इसलिए इस दिन तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध आदि दिन में ही संपन्न कर लेना चाहिए। इस तरह पितृ पक्ष के इस कर्म पर सूर्य ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा।

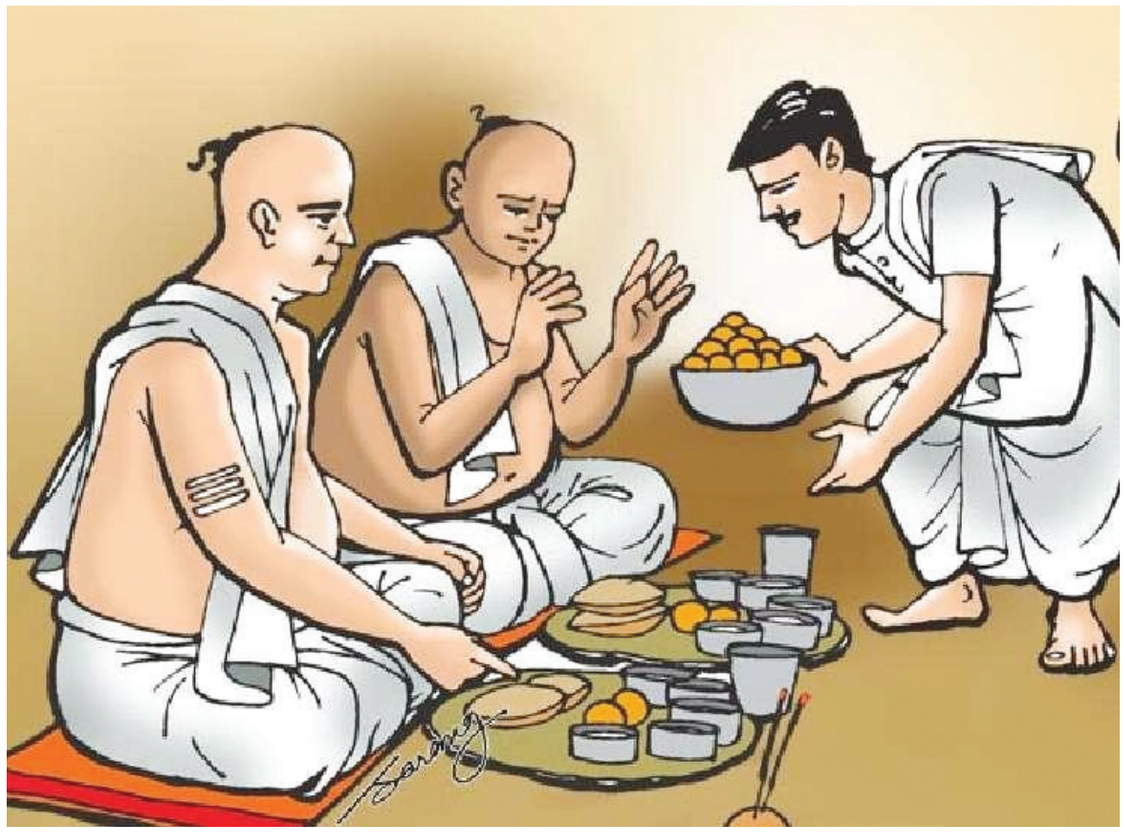

इंदिरा एकादशी आज

सुबह देवी-देवताओं की करें पूजा, दोपहर में पितरों को श्राद्ध और शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

शनिवार, 28 सितंबर पूजा-पाठ के नजरिए से बहुत खास रहेगा, क्योंकि इस दिन पितृ पक्ष, एकादशी और शनिवार का शुभ योग बन रहा है। इस योग में देवी-देवताओं की पूजा के बाद पितरों के लिए धूप-ध्यान जरूर करें। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी का नाम इंदिरा है, ये व्रत भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए किया जाता है। मान्यता है कि एकादशी व्रत से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और अटके कामों में सफलता मिलती है। इस दिन सुबह, दोपहर और शाम को खास धर्म-कर्म करेंगे तो अक्षय पुण्य मिल सकता है। जानिए 28 सितंबर को कौन-कौन से शुभ काम कर सकते हैं...

दिन की शुरुआत सूर्य को जल चढ़ाकर करें। इसके बाद तुलसी को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में भगवान गणेश, विष्णु-लक्ष्मी, शिव-पार्वती और बाल गोपाल का अभिषेक करें। अभिषेक के लिए पंचामृत का भी इस्तेमाल करें।

पंचामृत दूध, दही, घी, मिश्री और शहद मिलाकर बनाना चाहिए। पंचामृत के बाद शुद्ध से अभिषेक करें। इसके बाद भगवान का हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। मिठाई का भोग लगाएं। विष्णु-लक्ष्मी और बाल गोपाल को तुलसी के साथ भोग लगाएं। शिव-पार्वती और गणेश जी को दूर्वा-बिल्व पत्र के साथ भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें।

पूजा में श्री गणेशाय नमः, ऊँ नमः शिवाय, ऊँ गौर्ये नमः, ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय, ऊँ श्री महालक्ष्मयै नमः, कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।

दोपहर में करें पितरों के लिए श्राद्ध

सुबह देवी-देवताओं की पूजा के बाद दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। पितरों के लिए श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण दोपहर में ही करना चाहिए। इसके लिए गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं, कंडे के अंगारों पर गुड़-घी डालें। आप चाहें तो खीर-पुड़ी भी अर्पित कर सकते हैं। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को चढ़ाएं।

शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

तुलसी को विष्णु प्रिया कहा जाता है यानी भगवान विष्णु को तुलसी अतिप्रिय है। इसी वजह से विष्णु जी और उनके अवतारों को तुलसी के बिना भोग नहीं लगाया जाता है। एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं और परिक्रमा करें। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श न करें। दूर से ही पूजा और परिक्रमा करें।

शुभ है घर में इन 3 संकेतों का दिखना, मिलने वाली है 'गुडन्यूज़'

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ विशिष्ट संकेतों का दिखना सौभाग्य और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। अगर आपके घर में ये संकेत दिखाई देते हैं, तो यह एक अच्छा संकेत हो सकता है कि जल्द ही आपकी ज़िन्दगी में सकारात्मक परिवर्तन होने वाले हैं। यहां हम कुछ प्रमुख संकेतों पर चर्चा करेंगे और उनके शुभ प्रभावों के बारे में विस्तार से जानेंगे:

चींटियों का झुंड

अगर आपके घर में अचानक चींटियों का झुंड दिखाई देता है, तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में चींटियों का झुंड दिखाई देना यह दर्शाता है कि मां लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर जल्द ही बरसने वाली है। मां लक्ष्मी धन, समृद्धि और खुशहाली की देवी मानी जाती हैं। उनकी कृपा से धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसलिए, यदि आपके घर में चींटियों का झुंड दिखे, तो यह शुभ संकेत हो सकता है कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और घर में खुशहाली बढ़ेगी।

शंख की ध्वनि या मंत्रों का जाप

सुबह उठते समय यदि आप शंख की ध्वनि सुनते हैं या लगातार मंत्रों का जाप सुनाई देता है, तो इसे भी शुभ संकेत माना जाता है। शंख की ध्वनि और मंत्रों का जाप धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे संकेत मिलना आपके लिए यह बताता है कि आपकी परेशानियों का अंत होने वाला है और खुशियों का आगमन निकट है। यह समय आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का हो सकता है और आपके सुख-समृद्धि में वृद्धि हो सकती है।

पक्षियों का घोंसला

यदि आपके घर के छज्जे या आंगन में किसी पक्षी ने घोंसला बना लिया है, तो यह भी एक शुभ संकेत है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पक्षियों का घोंसला बनाना यह दर्शाता है कि आपके घर में खुशहाली और सुख-समृद्धि का आगमन हो सकता है। यह संकेत बताता है कि जल्द ही आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है, और संभवतः आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सकता है।

इन संकेतों को समझना और उनका ध्यान रखना आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक हो सकता है। यदि इन शुभ संकेतों का अनुभव होता है, तो इसे सकारात्मक रूप से लें और आशा रखें कि आपके जीवन में अच्छे परिवर्तन आने वाले हैं।

क्या कलियुग के बाद आएगा इससे भी खतरनाक युग ?

शास्त्रों के अनुसार, अब तक चार प्रमुख युगों का चक्र बताया गया है, जिनमें तीन—सतयुग, त्रेतायुग और द्वापर युग—बीत चुके हैं और हम वर्तमान में चौथे युग, कलियुग, में जीवन जी रहे हैं। हर युग का एक विशेष महत्व और गुण होता है। सतयुग को सत्य और धर्म का युग माना जाता है, जहां धर्म और नैतिकता का पालन चरम पर था। इसके बाद त्रेतायुग आया, जिसमें धर्म का तीन-चौथाई भाग रह गया और अधर्म बढ़ने लगा। फिर द्वापरयुग में अधर्म का और अधिक प्रसार हुआ। वर्तमान युग, कलियुग, इन सबसे अधिक अधर्म और अनीति का युग माना गया है।

कलियुग का प्रभाव और लक्षण

कलियुग को शास्त्रों में मानवता और नैतिकता के पतन का युग बताया गया है। इस युग में मनुष्य अपने ही कर्मों का दंड भुगतेगा। धर्म, करुणा, और सत्य के मूल्यों का पतन होगा और अज्ञानता, हिंसा, लोभ, और अहंकार का विस्तार होगा। मान्यता है कि कलियुग की शुरुआत एक प्रतीकात्मक घटना से होगी, जिसमें महिलाओं के बाल काटने की परंपरा का आगमन होगा। यह उस सामाजिक पतन का संकेत होगा, जो कलियुग की विशेषता है।

पारिवारिक कलह और सामाजिक विघटन

भगवान विष्णु के अनुसार, कलियुग में परिवारों में विवाद बढ़ेंगे। पुत्र अपने पिता से झगड़ेंगे, माता-पिता का सम्मान कम हो जाएगा, और परिवारों में मेल-जोल और प्रेम की भावना का अभाव रहेगा। रिश्तों में कड़वाहट, स्वार्थ और अलगाव की भावना प्रबल होगी।

प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप

शास्त्रों में बताया गया है कि कलियुग के दौरान पृथ्वी पर प्राकृतिक आपदाएँ चरम पर होंगी। अम्लीय वर्षा से धरती की उर्वरता कम हो जाएगी, जिससे पेड़-पौधे और जीव-जंतु नष्ट हो जाएंगे। पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा, और मानव जाति अस्तित्व के लिए संघर्ष करने लगेगी। इसके परिणामस्वरूप, भुखमरी और बीमारियाँ व्यापक रूप से फैलेंगी, जो मानवता को और अधिक संकट में डालेंगी।

मनुष्यता का पतन

कलियुग में मानवता और नैतिकता पूरी तरह से लुप्त हो जाएगी। मनुष्य अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक-दूसरे को हानि पहुंचाने लगेंगे। लोग अपनी भूख और लालच में एक-दूसरे से लड़ेंगे, और समाज में विश्वास और सहयोग की भावना खत्म हो जाएगी। धरती पर दया, करुणा और इंसानियत का अंत होगा।

चरम मौसम की स्थिति

कलियुग में भयानक प्राकृतिक प्रकोप होंगे। गर्मी, सर्दी, तूफान, बाढ़ और बर्फबारी जैसे मौसम के बदलाव अपने चरम पर होंगे। मौसम का यह असंतुलन पर्यावरण को विनाश की ओर ले जाएगा। कलियुग के अंत में, इन आपदाओं के साथ-साथ पृथ्वी के कई हिस्सों में जीवन समाप्त होने लगेगा।

संसार का अंत और सतयुग का आगमन

शास्त्रों और पुराणों के अनुसार, कलियुग के अंत में संसार का पूर्ण रूप से विनाश हो जाएगा। इस विनाश के बाद एक नए युग की शुरुआत होगी, जिसे सतयुग कहा जाएगा। सतयुग को फिर से धर्म और नैतिकता का युग माना जाएगा, जहाँ सत्य, दया, और धार्मिकता फिर से स्थापित होंगे। यह चक्र अनंत है, और युगों का यह परिवर्तन प्रकृति और संसार की स्वाभाविक व्यवस्था का हिस्सा है।

इस प्रकार, शास्त्रों के अनुसार, वर्तमान कलियुग में मानवता एक गहरे नैतिक और सामाजिक संकट का सामना कर रही है, जिसके अंत में संसार का पुनर्निर्माण होगा और सतयुग का आगमन होगा।

नवरात्रि में वास्तु अनुसार सजाएं मां का भवन

आप नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के मंदिर को न केवल सुंदरता से सजा सकते हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति का भी संचार कर सकते हैं। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के मंदिर की सजावट करने के लिए वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए जा रहे हैं। इन उपायों से आप नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के मंदिर को सुंदरता और भक्ति के साथ सजा सकते हैं, जिससे वातावरण में विशेष ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होगा:

साफ-सफाई: सबसे पहले मंदिर को अच्छे से साफ करें। धूल और गंदगी को हटाएं ताकि वातावरण पवित्र और सुगंधित हो। पवित्रता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई करें।

दीप जलानाः तेल अथवा गाय के शुद्ध देसी घी के दीये जलाएं। यह रोशनी और ऊर्जा का प्रतीक हैं। सुबह और शाम दीयों को जलाने का विशेष महत्व है।

रंगोलीः मंदिर के सामने रंगोली बनाएं। यह स्वागत का प्रतीक है और वातावरण को खुशनुमा बनाता है।

भोग और प्रसादः मां को भोग के लिए फल, मिठाइयां और अन्य खाद्य पदार्थ रखें। इसे सुंदर तरीके से सजाकर अर्पित करें।

ताम्बूल और वस्त्रः देवी को ताम्बूल (पान, सुपारी) अर्पित करें। नए वस्त्र और आभूषण भी अर्पित करना शुभ होता है।

लाइटिंगः मंदिर में रंग-बिरंगी लाइट्स लगाएं। इससे वातावरण में उत्सव का रंग छा जाएगा।

संगीत और मंत्रः देवी के भजन या मंत्र का जाप करें। इससे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

रसोई घर से जुड़ी गलतियां आपकी कुंडली में ग्रहों को करती हैं प्रभावित

रसोई घर का पावर सेंटर होता है। एक रसोई आपके जीवन के बहुत सारे पलों को कंट्रोल करती है। जीवन में अगर पैसों का फ्लो नहीं बन पा रहा है, तो उसकी वजह भी रसोई में छिपी होती है। चार मेन ग्रह आपके बर्थ चार्ट के रसोई द्वारा ही कंट्रोल होते हैं। सबसे पहले होते हैं मंगल क्योंकि रसोई की आग को मंगल बोला गया है। उसके बाद शुक्र आते हैं क्योंकि जीवन संगिनी शुक्र होती हैं। घर की मेन लेडीज शुक्र होती हैं। इनकी सेहत रसोई की ऊर्जा के द्वारा ही कंट्रोल होती है। आपकी धन-संपत्ति और बृहस्पति भी रसोई की ऊर्जा के द्वारा ही कंट्रोल होती है। इसके अलावा आपके राहु अच्छे हैं या बुरे हैं यह भी रसोई द्वारा पता लगता है।

रसोई में इस्तेमाल किए जाने वाला बर्नर जितना ब्लॉक होगा। उतना ही आपके बर्थ चार्ट में मंगल कमजोर होता चला जाएगा। अगर मंगल कमजोर होंगे तो जीवन में कोई भी काम सफल नहीं होगा। मंगल को सही रखने करने के लिए रसोई घर के बर्नर का सही होना बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार साउथ-ईस्ट घर का अग्नि कोण होता है। इस दिशा में भी रसोई है और वहां पर भी कोई न कोई खराबी हैं, तो साउथ-ईस्ट में रसोई होने का कोई फायदा नहीं है। चाहें किसी भी दिशा में रसोई बनी हो लेकिन उसका बर्नर खराब हो तो जीवन में नेगेटिव प्रभाव बने रहते हैं। रसोई के साफ होने और बर्नर के साफ होने से आपके जीवन में धन का प्रवाह बहुत रेगुलर होने लगते हैं। इन सबके अलावा जीवन में रुके हुए मंगल कार्य पूरे होने शुरू हो जाते हैं।

घर की गृहणी को शुक्र कहा जाता है। रसोई घर बर्थ चार्ट में 12वें घर को शो करता है। 12वां घर खर्चों का घर माना जाता है लेकिन इस घर में शुक्र बहुत ही उच्च के काउंटेबल हो जाते हैं। रसोई घर की ऊर्जा सही है तो आपके शुक्र अच्छे रहेंगे और घर की महिलाएं भी सेहतमंद रहेंगी। उनकी वजह से घर में धन-समृद्धि भी आएगी। यहां पर राहु को डिवेलप होने से रोकना है क्योंकि 12वां घर राहु को भी इंडिकेट करता है। रसोई घर में खराब बिजली का सामान पड़ा होने के कारण राहु पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जितना राहु खराब होंगे उतना असर शुक्र पर भी देखने को मिलेगा। शुक्र के खराब होने से गृहणी की सेहत पर असर होगा और घर की बरकत में कमी हो जाएगी।

राहु के खराब होने से बृहस्पति भी खराब होंगे। रसोई में जितना ज्यादा धुंआ इकट्ठा होगा। उतना ही ज्यादा जुपिटर खराब होंगे। मंगल, शुक्र, गुरु और राहु यह चार ग्रह रसोई के द्वारा खराब होते हैं। रसोई घर की शेल्फ कभी भी काली नहीं होनी चाहिए। ब्लैक मार्बल की शेल्फ शनि का सिंबल होती है। शनि और मंगल एक साथ होंगे तो मंगल कमजोर हो जाएंगे। रसोई घर की शेल्फ को क्रीम कलर करवाएं और काला पत्थर रसोई में कभी भी न रखें। इसके अलावा रसोई घर के कूड़ेदान को फ्री करके सोएं। रसोई घर में रात को जूठे बर्तन रखे हुए हैं तो यह आपके वास्तु एनर्जी को बहुत प्रभावित करते हैं। साथ ही चारों ग्रहों को भी खराब करते हैं।

इन बेसिक चीजों का ध्यान रखने से रसोई की ऊर्जा आपके बर्थ चार्ट में मंगल को सही रखेगी, धन-समृद्धि को आकर्षित करेगी और आपके घर के अंदर हेल्थ का वास होगा। साथ ही लंबे समय से रुके हुए काम रसोई की ऊर्जा से बनने शुरू हो जाएंगे।

अपने रिश्ते को लेकर पापा से सलाह लेते हैं इब्राहिम अली, सैफ बोले-'खुद को खुशकिस्मत मानता हूं'

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अपने बच्चों के साथ बहुत ही अच्छा रिश्ता शेयर करते हैं। सैफ की अपने चारों बच्चों के साथ लगाव और प्यार की झलक उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी दिखाई देती है। बातचीत के दौरान सैफ ने बताया कि बच्चे उनसे कई तरह की सलाह लेते हैं। उन्होंने बताया कि बड़े बेटे इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर सलाह ली थी। उन्होंने बताया कि तैमूर पहले से स्टेज पर आने से डरते थे, जबकि जेह जन्म से ही एक कलाकार की तरह हैं।

जेह बचपन से ही एक्टर की तरह है

एक इंटरव्यू के दौरान सैफ अली ने अपने बेटे तैमूर को लेकर कहा, 'तैमूर ने एक बार कहा था कि मुझे स्टेज पर जाकर लोगों के सामने बात करने से डर लगता है, लेकिन अब वो अपने स्कूल प्ले में हिस्सा लेता है'। सैफ ने अपने छोटे बेटे जेह अली खान को लेकर कहा कि वह जन्म से ही एक अभिनेता की तरह काम करता है। वहीं, सारा अली खान और इब्राहिम पहले से ही इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं।

सैफ से राय लेते हैं उनके बच्चे

हाल ही में एक बातचीत के दौरान सैफ अली खान ने बताया कि सैफ ने अपने बच्चों पर एक्टर ही बनने के लिए कोई दबाव नहीं दिया है। वो कुछ भी बन सकते हैं, जो उनको खुशी दे। उन्होंने कहा कि इब्राहिम अली और सारा अली खान पहले से ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। सैफ ने कहा कि उन्हें अपने बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है। सैफ अपने आप को बहुत लकी मानते हैं कि उनके बच्चे उनकी सलाह चाहते हैं।

अपने रिश्ते को लेकर इब्राहिम ने मांगी थी पापा की सलाह

सैफ ने हाल ही में एक रिश्ते को लेकर बात की थी। इब्राहिम अली खान ने अपने पापा से पूछा था कि किस पड़ाव पर आकर अपने रिश्तों को हमें गंभीरता से लेना चाहिए। इस पर सैफ ने कहा कि हमें हर समय अपने रिश्तों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सारा अपने काम को लेकर हमेशा सलाह लेती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें सैफ अली खान की फिल्म 'देवरा पार्ट 1' आज यानी 27 सितंबर को रिलीज हुई है। इस फिल्म जूनियर एनटीआर, जान्हवी कपूर, प्रकाश राज, श्रीकांत दिखाई देंगे।

'तारक मेहता' मेकर्स पर भड़कीं पलक सिधवानी : मानसिक प्रताड़ना का लगाया आरोप, बोलीं- शो छोड़ने नहीं दे रहे

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो में सोनू भिड़े का किरदार निभा रहीं पलक सिधवानी ने मेकर्स पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहा कि वो शो छोड़ना चाहती हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा पलक ने उन खबरों को भी बेबुनियाद बताया है, जिसमें कहा जा रहा था कि कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने पर उन्हें नोटिस जारी किया है। हालांकि, नीला फिल्म प्रोडक्शन का कहना है कि उनकी तरफ से एक्ट्रेस को नोटिस भेजा गया है।

एक इंटरव्यू में पलक सिधवानी ने नीला फिल्म प्रोडक्शन की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। पलक ने कहा, '8 अगस्त को ही मैंने शो छोड़ने की जानकारी मेकर्स को दे दी थी। तो उन्होंने मुझसे कहा था कि टीम की तरफ से एक ऑफिशियल ईमेल भेजा जाएगा। जिसपर वो अपना इस्तीफा भेज सकती हैं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और बार-बार मेरे इस्तीफे को टालते रहे।'

मेकर्स ने कॉन्ट्रैक्ट पढ़ने नहीं दिया था

पलक ने कहा, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो के कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने से पहले मैंने उसे पढ़ने के लिए भी कहा था, लेकिन मेकर्स ने मना कर दिया था। हालांकि, बहुत कहने के बाद पॉइंटर्स पढ़ने को दिए गए थे। इसके अलावा, मैंने शो के साथ-साथ दूसरे असाइनमेंट/एंडोर्समेंट लेने की भी बात कही थी, जिससे मेकर्स को कोई परेशानी नहीं थी।'

मुझे मानसिक रूप से परेशान किया गया

पलक ने कहा, 'मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। जब मैंने मेकर्स को अपनी तबीयत खराब होने के बारे में बताया तो मेरी बात को नजर अंदाज कर दिया गया। इतना ही नहीं सेट पर ही मुझे पैनिक अटैक आया, इसके बाद भी शूट करने के लिए मजबूर किया गया था। जबकि आज तक मेरे 21 लाख से ज्यादा रुपये का भुगतान भी नहीं किया गया है।' पलक ने आगे कहा, इस मामले में मैंने कानूनी सलाह भी ली है और मेरे करियर के लिए जो सही होगा, मैं वहीं निर्णय लूंगी।'

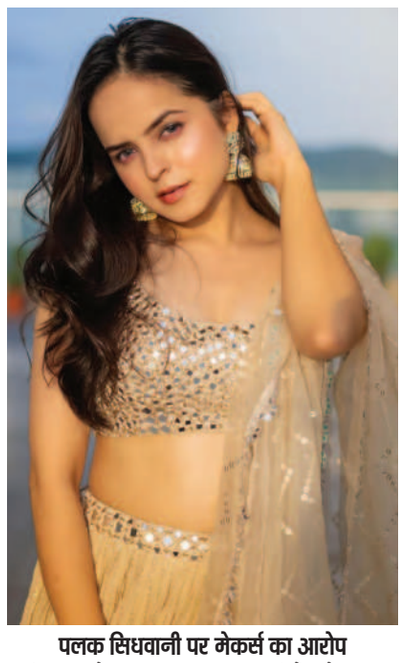

पलक सिधवानी पर मेकर्स का आरोप

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोडक्शन हाउस नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने भी एक स्टेटमेंट जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा, पलक ने एक्सक्लूसिव आर्टिस्ट कॉन्ट्रैक्ट के कई नियमों को तोड़ा है। जिससे शो और प्रोडक्शन कंपनी को काफी नुकसान हुआ है। आरोप लगाया कि बिना कोई परमिशन लिए, पलक ने थर्ड पार्टी एंडोर्समेंट किए। इसके चलते उन्हें कई बार वार्निंग भी दी गई। लेकिन इसके बावजूद पलक कॉन्ट्रैक्ट के नियमों को तोड़ती रहीं। जब प्रोडक्शन हाउस के पास और कोई रास्ता नहीं बचा तो उन्होंने फिर एक्ट्रेस को लीगल नोटिस जारी किया।

बता दें, पलक सिधवानी बीते 5 सालों से तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो का हिस्सा हैं। एक्ट्रेस शो में सोनू भिड़े का रोल प्ले कर रही हैं। उनसे पहले ये किरदार निधि भानुशाली प्ले कर रही थीं, जिन्हें पलक ने रिप्लेस किया है।

स्कूटी पर निकले वरुण धवन और जाह्नवी कपूर

उदयपुर में की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की शूटिंग

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी ' की शूटिंग के लिए आज उदयपुर में अलग-अलग लोकेशन पर दृश्य फिल्माएं गए। इस दौरान वरुण स्कूटी पर जाह्नवी को लेकर वॉल सिटी से गुजरे थे। फिल्म की शूटिंग को लेकर अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी चांदपोल कार से पहुंचे। वहां से वे स्कूटी पर सवार होकर उदयपुर की सड़कों से गुजरते हुए सीधे शूटिंग स्थल पर निकले। इस दौरान ओल्ड सिटी और पिछोला झील के पास होकर वे सीधे अमराई घाट पहुंचे। इससे पहले चांदपोल पुलिया पर भी रुके।

इस दौरान वहां से गुजर रहे वरुण और जाह्नवी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग रुक गए। दूर से ही फैंस उनके साथ सेल्फी लेते देखें गए। शहर की जिन गलियों से वे गुजरे, वहां भी फैंस ने उनकी एक झलक देखी। दोनों इलेक्ट्रिक स्कूटी पर सवार होकर ओल्ड सिटी से गुजरे, दोनों ने हेलमेट लगा रखा था और जैसे-जैसे लोगों को पता चला तो लोग उनको देखना चाहते थे लेकिन उनके आगे और पीछे सुरक्षाकर्मी भी साथ चल रहे थे। अमराई घाट स्थित मांजी की मंदिर में फिल्म के दृश्य फिल्माएं गए। वहां शूटिंग को लेकर सजावट की गई और टेंट लगाकर फिल्म के अलग-अलग दृश्य शूट किए गए। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक लव स्टोरी है। इसमें वरुण और जान्हवी के अलावा रोहित सराफ, मनीष पॉल, सान्या मल्होत्रा और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में है।

शो में 'जेठालाल' की फीस पर झील मेहता ने तोड़ी चुप्पी

झील ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि शो के वरिष्ठ कलाकार होने के कारण वह दिलीप जोशी के साथ कभी भी गहरा रिश्ता नहीं बना पाईं। अभिनेत्री ने उन्हें बहुत अच्छा इंसान कहा है और खुलासा किया कि दिलीप के बेटा उनके स्कूल में पढ़ते हैं। अभिनेत्री ने कहा, वह बहुत अच्छे हैं, लेकिन वहां हमेशा बड़े होने का फैक्टर रहता है, इसलिए मैं सर के साथ और सह-कलाकारों की तरह उस लेवल पर नहीं जुड़ पाई हूं। दिलीप की फीस के बारे में बात करते हुए झील ने खुलासा किया, ₹मुझे यकीन नहीं है कि यह सच है या नहीं, मुझे केवल इतना याद है कि जब मैं 1200 रुपये कमाती थी, तो वह मुझसे 15 गुना अधिक कमाते थे। दिलीप सर को जितना अनुमान लगाया गया है, उससे कहीं अधिक भुगतान किया जाता होगा। और यह सब सही है क्योंकि वह शो को संभालते हैं और उनका काम बेहतरीन है। इसके अलावा, दूसरे सबसे अधिक भुगतान पाने वाले कलाकार दिशा दीदी या शैलेश अंकल होंगे। बता दें कि पलक सिंधवानी शो में नई सोनू हैं। हाल ही में उन्हें प्रोडक्शन हाउस से 'कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन' के लिए नोटिस मिला है।

21 साल बाद फिर पर्दे पर साथ दिखेंगे विक्रम-सूर्या?

कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके मशहूर दक्षिण भारतीय निर्देशक शंकर अपनी नई फिल्म को लेकर कमर कस रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एसयू वेंकटेशन के वेलपारी उपन्यास पर आधारित फिल्म का निर्देशन करने जा रहे हैं।

एक साथ दिख सकते हैं विक्रम-सूर्या

नवीनतम रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो शंकर इस ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म के लिए दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े सितारे चियान विक्रम और सूर्या को फिल्म में लेने की योजना बना रहे हैं। इस खबर ने प्रशंसकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो शंकर के साथ विक्रम की यह तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों 'अन्नियन' और 'आई' जैसी यादगार फिल्में दे चुके हैं।

21 बाद फिर मचाएंगे धमाल

दूसरी ओर, सूर्या की शंकर के साथ यह पहली फिल्म होगी। विक्रम और सूर्या लगभग 21 साल के बाद इस फिल्म के जरिए फिर से एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। इससे पहले वे पीथमगन में एक साथ अभिनय कर चुके हैं। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। फिलहाल, प्रशंसक दोनों अभिनेताओं की पुष्टि का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इन फिल्मों पर काम कर रहे शंकर

मौजूदा समय में शंकर अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। यह 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा शंकर पास इंडियन 3 भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह अनुमान है कि वेलपारी पर बनने जा रही फिल्म पर आधिकारिक रूप से काम शुरू करने से पहले शंकर को अपने सभी बचे हुए प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए अतिरिक्त चार महीने की आवश्यकता होगी।

आमिर खान को मिली फिल्म चार दिन की जिंदगी 30 साल बाद फिर राजकुमार संतोषी के साथ काम करेंगे

लाल सिंह चड्ढा फ्लॉप होने के बाद फिल्मों से ब्रेक लेने वाले आमिर खान, जल्द ही कमबैक करने वाले हैं। उनके पास सितारे जमीन पर और लाहौर 1947 जैसी फिल्में हैं। फिल्म लाहौर 1947 राजकुमार संतोषी डायरेक्ट करने वाले हैं, इसी के साथ उन्होंने अपनी एक और फिल्म चार दिन की जिंदगी में भी आमिर खान की कास्टिंग कर ली है, जो टाइम लूप पर आधारित होगी। इससे पहले आमिर खान ने राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी 1994 की अंदाज अपना अपना में काम किया है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से बताया है, अंदाज अपना अपना के 30 साल बाद आमिर खान फिर राजकुमार संतोषी के साथ फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं। आमिर और राजकुमार के बीच बीते लंबे समय से इस पर चर्चा जारी थी। दोनों ने एक कॉमेडी फिल्म फाइनल की है, जो टाइम लूप पर आधारित होगी। इस फिल्म का वर्किंग टाइटल चार दिन की जिंदगी है।

रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमार संतोषी के लिए ये फिल्म फॉर फ्रंट पर है, हालांकि आमिर खान के साथ ये जानना मुश्किल है कि उनका अगला कदम क्या होगा। चार दिन की जिंदगी का कॉन्सेप्ट बेहद मजाकिया होने वाला है, जिसमें फिल्म का मुख्य किरदार टाइम लूप में फंस जाता है। फिल्म सितारे जमीन पर और लाहौर 1947 के बाद आमिर खान इस फिल्म में जुटेंगे, जबकि राजकुमार संतोषी ने इस फिल्म की सक्रिप्टिंग के लिए टीम तैयार कर ली है। उनका मानना है कि ये फिल्म सिनेमा प्रेमियों के लिए एक रिफ्रेशिंग बदलाव होगी।

बताते चलें कि राजकुमार संतोषी ने आमिर खान के साथ 2 फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। पहली फिल्म लाहौर 1947 है, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस फिल्म में आमिर खान के साथ सनी देओल भी लीड रोल में होने वाले हैं। वहीं दूसरी फिल्म चार दिन की जिदंगी होगी।

तृप्ति डिमरी के डांस को घटिया बताने वाली पोस्ट पर गौरी खान का रिएक्शन

तृप्ति डिमरी जल्द ही अपनी नई फिल्म विक्की 'विद्या का वो वाला वीडियो' के जरिए बॉक्स ऑफिस को हिलाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले तृप्ति डिमरी फिल्म बेड न्यूज में नजर आई थीं। कुछ समय पहले ही तृप्ति डिमरी का नया गाना मेरे महबूब रिलीज किया गया है। इस गाने के रिलीज होते ही तृप्ति डिमरी ट्रोलर्स के हत्थे चढ़ गई थीं। लोगों का

मानना था कि तृप्ति डिमरी के डांस स्टेप काफी वल्गर हैं। इतना ही नहीं लोगों ने तृप्ति डिमरी के साथ साथ फिल्म के मेकर्स की भी अच्छे से क्लास लगाई थी। इसी बीच बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने कुछ ऐसा कर दिया है जिसकी वजह से इस मामले ने तूल पकड़ लिया है।

दरअसल गौरी खान ने तृप्ति डिमरी की एक पोस्ट पर रिएक्ट किया है जिसमें उनके गाने के डंस स्टेप को अश्लील बताया जा रहा है। इस पोस्ट में लिखा गया, मैं तृप्ति डिमरी की फैन हूं। मुझे पता है कि तृप्ति डिमरी को बॉलीवुड में मिल रहे ऑफर्स का फायदा उठाना है। ये उनका हक भी है। हालांकि बॉलीवुड में जिस तरह से तृप्ति डिमरी के साथ व्यवहार किया जा रहा है ये बात मुझे पसंद नहीं आ रही है। तृप्ति डिमरी से कैसे डांस स्टेप करवाए गए हैं। ये अपमानजनक है। क्या आपने तृप्ति डिमरी का ये गना सुना है।

आगे इस पोस्ट में लिखा गया, इस गाने के स्टेप बहुत घटिया हैं। बॉलीवुड के गानों में घटिया डांस और लिरिक्स की भरमार होती है। पता नहीं क्या सोचकर तृप्ति डिमरी ने ये गाना करने के लिए हां भरी। वीडियो में तृप्ति डिमरी कंफर्टेबल भी नजर नहीं आ रही हैं। इस पोस्ट पर अपनी राय देने के लिए पोल भी दिया गया है। गौरी खान ने इस पोल पर रिएक्ट किया है। गौरी खान के ऐसा करते ही सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। लोग कह रहे हैं कि गौरी खान भी इस गाने के अश्लील स्टेप को पसंद नहीं कर रही हैं।

प्रभास की 'स्पिरिट' से जुड़े सैफ अली खान-करीना कपूर ! फिल्म में निभाएंगे ये किरदार

तेलुगु सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में प्रभास एक दमदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। बड़े पर्दे पर प्रभास को वर्दी में देखने के लिए प्रशंसक काफी ज्यादा उत्साहित हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, बॉलीवुड के पावर कपल सैफ अली खान और करीना कपूर खान कथित तौर पर 'स्पिरिट' में खलनायक का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैफ अली खान और करीना कपूर खान फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। अगर यह कास्टिंग समाचार सच है, तो यह वास्तविक जीवन में विवाहित जोड़े द्वारा स्क्रीन पर विलेन की भूमिका निभाने का एक दुर्लभ उदाहरण है। 'एलओसी कारगिल', 'ओमकारा', 'टशन', 'कुर्बान' और 'एजेंट विनोद' के बाद यह जोड़ी छठी बार स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएगी।

500 करोड़ रुपये के बजट में तैयार होगी 'स्पिरिट'

'स्पिरिट' के लिए संदीप रेड्डी वंगा और प्रभास पहली बार साथ आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को 500 करोड़ के भारी भरकम बजट से तैयार किया जाएगा। हालांकि, इसको लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। 'स्पिरिट' की बात करें तो इसका निर्माण वह टी-सीरीज के साथ मिलकर कर रहे हैं। 'स्पिरिट' की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू हो सकती है। प्रभास की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह 'राजा साब' नाम की हॉरर कॉमेडी फिल्म और 'सलार' के अगले भाग में भी नजर आने वाले हैं।

निर्देशक, कलाकारों का वर्कफ्रंट

संदीप रेड्डी वांगा की बात करें तो, वह अपनी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनिमल पार्क' की शूटिंग में भी व्यस्त हैं, जो उनकी बड़ी हिट 'एनिमल' का सीक्वल है। इसमें रणबीर कपूर, तृप्ति डिमरी, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, सैफ अली खान जल्द ही 'देवरा पार्ट वन' और करीना कपूर खान 'सिंघम अगेन' में दिखाई देंगी।

सोमी अली ने लगाया गायक सोनू निगम पर धोखा देने का आरोप, बोलीं- मुझे उन पर भरोसा था

अभिनेत्री सोमी अली को अपनी रेट्रो स्टाइल फिल्मों के लिए जाना जाता है। सोमी ने अब सोनू निगम पर धोखा देने का आरोप लगाया है। सोमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बड़ा सा वीडियो शेयर किया है। इसमें सोनू निगम को लेकर कई सारी बातें बताई हैं। आइए आपको बताते हैं क्या है पूरा मामला।

वो खुद भी गलत व्यवहार करते हैं

सोमी ने वीडियो पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि लोग ऐसे होते हैं और ऐसे ही आपका फायदा भी उठाते हैं। उन्होंने सोनू निगम को टैग करते हुए कहा कि ऐसे ही लोग गलत व्यवहार होने का वीडियो शेयर भी करते हैं। मैं अभी भी विश्वास नहीं कर पा रही हूं कि सोनू निगम जैसे लोग ही आपके साथ गलत तरीके से व्यवहार करते हैं। वो हमेशा वीडियो बनाते हैं कि उनके साथ किस तरीके से बात की गई। किस तरह से लोगों ने उन्हें बुरा कहा। मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह इस स्तर तक गिर सकते हैं।

मुझे लगा वो सम्मान देने योग्य व्यक्ति हैं

सोमी ने वीडियो पोस्ट में कहा कि उन्होने कुछ साल पहले एक टॉक शो शुरू किया था, जिसमें उन्होंने कई लोगों से बात की थी। इस शो में मैंने एक व्यक्ति से बात की थी, जो बहुत ही ज्ञान भरी और बुद्धि वाली बात कर रहे थे। मुझे लगा था कि वह बहुत अच्छे हैं। मुझे लगा था कि वह बहुत ही सम्मानित व्यक्ति हैं, क्योंकि वो हमारे शो में तब आए थे जब हमारे पास कोई बजट नहीं था। हमने उनको कुछ भी रुपये नहीं दिए थे। उनके प्रति मैं बहुत सम्मान की भावना से देखती थी।

अपने मकसद से शो पर आए थे सोनू निगम

सोमी अली ने सोनू निगम पर आरोप लगाया कि वह अपने किसी मतलब के लिए शो पर आए थे। वो किसी अन्य व्यक्ति से मिलना चाहते थे, जिनके साथ मैं बात करती थी। 25 साल की उम्र में मैं यूएस आ गई थी। जब मैंने उनसे एक प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए बात करने की कोशिश की तो उन्होंने किसी भी तरह से बात करने से मना कर दिया। मुझे उन पर भरोसा था, जिसे उन्होंने तोड़ दिया।

रोहित पर भड़क गए मांजरेकर

रवींद्र जडेजा के इस्तेमाल पर कही यह बातें; दिया एलिएस्टर कुक का उदाहरण

टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी संजय मांजरेकर ने भारतीय टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा पर नाराजगी जाहिर की क्योंकि कानपुर टेस्ट मैच के पहले दिन उन्होंने रविंद्र जडेजा से एक भी ओवर नहीं फिंकवाया। मांजरेकर ने एक्स पर एक पोस्ट डाला और उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिएस्टर कुक का उदाहरण देकर रोहित शर्मा को जडेजा के रिकॉर्ड की याद दिलाई जो बाएं हाथ के बल्लेबाज थे।

बांग्लादेश के टॉप 7 में से 5 बल्लेबाज बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में मांजरेकर ने रोहित को उनके खिलाफ ज्यादा से ज्यादा ऑफ स्पिन गेंदबाजी कराने की सलाह दी। कानपुर टेस्ट के पहले दिन अश्विन पारी की शुरुआत में गेंदबाजी करने आए थे, लेकिन जडेजा से एक भी ओवर नहीं फिंकवाया।

जडेजा के सही इस्तेमाल को लेकर मांजरेकर ने दी सलाह

कानपुर टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान जब बाएं हाथ के बल्लेबाज खेल रहे थे तब रोहित शर्मा ने रविंद्र जडेजा से पहले सत्र में गेंदबाजी नहीं करवाई। वैसे जडेजा ने पहले दिन गेंदबाजी नहीं कि, लेकिन टीम इंडिया के अन्य गेंदबाजों ने लंच से पहले अच्छा प्रदर्शन किया। मांजरेकर ने साफ तौर पर अपना गुस्सा जाहिर किया और वो जडेजा को इस्तेमाल नहीं किए जाने से खुश नहीं दिखे और उन्होंने रोहित की आलोचना भी की। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में भारत और इंग्लैंड के बीच 2016 की टेस्ट सीरीज में एलिस्टर कुक के खिलाफ जडेजा की गेंदबाजी के आंकड़े भी दिखाए। मांजरेकर ने अपने पोस्ट में लिखा कि रोहित शर्मा को ये आंकड़ा दिखाने की जरूरत है क्योंकि वो बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने बाएं हाथ स्पिनर से गेंदबाजी नहीं करवाते हैं। उन्होंने लिखा कि रोहित बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने रविंद्र जडेजा से गेंदबाजी नहीं करवाते हैं। उन्होंने जो आंकड़ा पेश किया उसके मुताबिक जडेजा ने बाएं हाथ के बल्लेबाज कुक को 8 पारियों में से 6 बार आउट किया और 75 रन दिए। आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि जडेजा कुक पर हावी रहे और लगातार उनका विकेट लेते रहे।

कानपुर में 60 साल बाद किसी टीम ने लिया फैसला; 2019 के बाद पहली बार नहीं बदली भारतीय प्लेइंग-11

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कानपुर में यह 24वां टेस्ट है और ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब यहां किसी कप्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी हो। इससे पहले ऐसा 60 साल पहले 1964 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने यह फैसला किया था। तब टीम इंडिया के कप्तान मनसूर अली खान पटौदी रहे थे। उन्होंने कानपुर में टॉस जीतने के बाद इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था।

वहीं, भारत में ओवरऑल 2015 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया हो। इससे पहले 2015 में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। तब टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली थे। विराट ने अपनी कप्तानी में भारत में बस एक बार ऐसा फैसला लिया है। अब रोहित भी इस लिस्ट में शामिल हो चुके हैं। भारतीय कप्तान ने कानपुर टेस्ट में प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरे टेस्ट में कोई बदलाव नहीं किया। टीम इंडिया उसी प्लेइंग-11 के साथ कानपुर टेस्ट में उतरी, जिस प्लेइंग-11 के साथ उन्होंने चेन्नई टेस्ट खेला था। 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब भारत ने अपने घर में लगातार दो टेस्ट की प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया हो। पिछली बार ऐसा 2019 में विराट कोहली की कप्तानी में हुआ था। तब इंदौर और कोलकाता, लगातार दो टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं हुआ था। तब भी ऐसा भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ ही किया था।

यह भारत में किसी टेस्ट सीरीज में पहली बार है जब दोनों मैच में टॉस जीतने वाले कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया हो। चेन्नई में नजमुल शांतो ने भी टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत में एक सीरीज में दो बार यह हो चुका है, लेकिन तब सीरीज तीन टेस्ट मैचों की थी और एक मैच में गैप लेकर फैसला लिया गया था।

भारत और श्रीलंका के बीच 1997 में खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले और तीसरे टेस्ट में टॉस जीतने वाले कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। लगातार दो टेस्ट में ऐसा पहली बार हुआ है।

युवराज सिंह ने ऋषभ पंत को दिग्गज विकेटकीपर जैसा बताया

नहीं लिया एमएस धोनी का नाम

भारतीय क्रिकेट टीम के धुरंधर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट प्रारूप में लगभग 15 महीने के बाद वापसी की थी और बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच में शतकीय पारी खेली थी। पंत ने इस शतकीय पारी से अपनी वापसी को यागदार बना दिया था और फिलहाल वो कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेल रहे हैं। पंत ने साबित किया है कि वो टेस्ट क्रिकेट के कितने बेहतरीन प्लेयर हैं जो भारत के लिए विकेट के आगे और विकेट के पीछे कमाल का प्रदर्शन करते हैं।

ऋषभ पंत में मिलती है गिलक्रिस्ट की झलक

ऋषभ पंत को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने बताया कि उन्हें

पंत में किस दिग्गज पूर्व विकेटकीपर की झलक मिलती है। हालांकि उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज कप्तान व विकेटकीपर-बल्लेबाज एमएस धोनी के साथ ऋषभ पंत की तुलना नहीं की। युवराज सिंह ने क्लब प्रेयरी फायर पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा कि मुझे ऋषभ पंत में एडम गिलक्रिस्ट की झलक दिखती है। जब वो पांचवें या फिर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो खेल को बदल देते हैं। मैं पंत को इस बारे में बताता हूं कि गिलक्रिस्ट ने टेस्ट मैचों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी को कैसे बदला और उनका अप्रोच क्या था।

पंत ने गिलक्रिस्ट को बताया था अपना आदर्श

आपको बता दें कि ऋषभ पंत ने भी कहा था कि गिलक्रिस्ट उनके आदर्श हैं तो वहीं हाल ही में गिलक्रिस्ट ने भी पंत की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि पंत ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें देखने के लिए वो पैसे खर्च करने के लिए तैयार हैं। पंत की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की तुलना अक्सर गिलक्रिस्ट के साथ की जाती है जो टेस्ट में गजब की बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते थे। युवी ने पंत की तारीफ ऐसे वक्त पर की है जब वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पंत ने छह साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। टेस्ट में उन्होंने 34 मैचों की 58 पारियां में 74.11 की स्ट्राइक रेट से 2419 रन बनाए हैं।

'चोट अब ठीक है, अगला बड़ा लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप': नीरज चोपड़ा

भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। वह अपने मौजूदा सत्र को समाप्त कर स्वदेश वापस आ गए हैं।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। वह लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। इस 26 साल के खिलाड़ी ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की 'मिशन ओलंपिक 2036' पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, 'मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है और हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।'

विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाली है। चोपड़ा पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं।

चोपड़ा ने फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर चोट की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए कहा कि अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है लेकिन अब चोट अब ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाउंगा।' उन्होंने कहा, 'तकनीकी मुद्दे भी हैं लेकिन हम उन पर काम करेंगे। मैं अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दूंगा। मैं भारत में भी अभ्यास करना पसंद करता हूं लेकिन जब प्रतियोगिताएं शुरू होती हैं तब मेरे लिए विदेश में अभ्यास करना सही रहता है।'

भारतीय खिलाड़ियों के ओलंपिक में छह पदक जीते लेकिन इसमें कोई स्वर्ण पदक नहीं था। इसके बारे में पूछे जाने पर चोपड़ा ने कहा, 'हमारे कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे। (लेकिन) इस बार, हमने पैरालंपिक में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और कई पदक जीते। आने वाले समय में हमें ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।'

ओलंपिक मेडलिस्ट को छोड़कर चायवाले संग सेल्फी का बुखार

हॉकी खिलाड़ियों का छलका दर्द

सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म बन चुका है, जहां हर कोई आम से खास बन जाता है। ना जाने ऐसी कितनी ही कहानियां हैं जिसमें सोशल मीडिया के कारण पूरी जिंदगी बदल गई। ऐसी ही एक कहानी है डॉली चाय वाले की। नागपुर के रहने वाले डॉली चायवाला अपने खास अंदाज से लोगों को चाय पिलाने के लिए सोशल मीडिया पर मशहूर हुए। अपने रोजमर्रा के काम को वो सोशल मीडिया पर शेयर करते थे और देखते ही देखते उनके वीडियो पर करोड़ों में व्यूज आने लगे।

इसके बाद उनकी किस्मत ऐसी पलटी कि आज वह प्राइवेट जेट से घूमते हैं, दुबई के शेखों से उनकी दोस्ती है। डॉली जहां भी

जाते हैं लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लाइन लग जाते हैं। ऐसी ही एक घटना को भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी हार्दिक सिंह ने याद किया जब वह टीम के साथ पेरिस ओलंपिक से वापस आ रहे थे।

भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक ने एक पॉडकास्ट में बताया कि वे पेरिस ओलंपिक से वापस आ रहे थे तो एयरपोर्ट पर डॉली चायवाले के साथ लोग फोटो लेने के लिए उतावले थे, लेकिन हमें किसी ने पहचाना तक नहीं। हार्दिक ने कहा, 'मैंने अपनी आंखों से यह सब देखा। एयरपोर्ट पर मैं, मनप्रीत और कुछ लोग थे। वहीं पर डॉली भी था। लोग डॉली चायवाले के पास फोटो के लिए भीड़ लगा रखे थे, लेकिन हमें किसी ने पहचाना नहीं। हम बहुत शर्मिंदा थे।'

भारत ने पेरिस ओलंपिक में जीता था ब्रॉन्ज

भारतीय मेंस हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में दमदार खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। ब्रॉन्ज मेडल के मैच में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया था। इससे पहले तोक्यो ओलंपिक ओलंपिक में भी ब्रॉन्ज जीता, लेकिन देश का नाम गर्व से ऊंचा करने वाले इन रियल हीरो को जब लोग नहीं पहचानते हैं तो उन खिलाड़ियों को दुख पहुंचता है जैसा की हार्दिक सिंह ने डॉली चायवाले घटना को याद किया।

खाता नहीं खोल पाया बांग्लादेश का ओपनर आउट होते ही दर्ज हो गया शर्मनाक रिकॉर्ड

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच शुरू हो गया है। यह मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क पर खेला जा रहा है। मैदान गीला होने की वजह से टॉस में एक घंटे देरी से हुई। सिक्का भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पक्ष में गिरा और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ओवरकास्ट कंडीशन की वजह से पिच में तेज गेंदबाजों के लिए मदद थी। बांग्लादेश के ओवर जाकिर हसन रन बनाने के लिए शुरुआत से जूझ रहे थे।

जाकिर का खाता नहीं खुला

कानपुर टेस्ट की पहली पारी में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन खाता नहीं खोल पाए। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने भारत के लिए पहला स्पेल डाला। दोनों के खिलाफ जाकिर कोई रन नहीं बना पाए। इसके बाद आकाश दीप ने उन्हें आउट कर दिया। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को जाकिर के बल्ले का किनार लेकर स्लिप में गई। वहां यशस्वी जायसवाल ने आगे कि तरफ जाकर गेंद को लपक लिया।

जाकिर के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड

जाकिर हुसैन ने इस पारी में 24 गेंदों का सामना किया। वह कोई रन नहीं बना पाए। इसके साथ ही उनके नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वह टेस्ट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा गेंद खेलने के बाद जीरो पर आउट होने वाले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ओपनर शॉन मार्श के नाम दर्ज था। 2017 के पुणे टेस्ट में मार्श 17 गेंद खेलने के बाद भी बिना रन बनाए पवेलियन लौटे थे।

विनेश पर फिर 'भड़कीं' बबीता फोगाट कहा- प्रधानमंत्री नहीं कम करने आएंगे वजन

ह रि या णा विधानसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले विनेश फोगाट की बहन बबीता फोगाट ने उन पर शब्दों के जरिए वार किया। बबीता ने कहा कि विनेश 100 ग्राम वजन की वजह से मेडल जीतने से चूक गईं। वजन घटाना सिर्फ खिलाड़ियों की जिम्मेदारी होती है और वजन को घटाने के लिए प्रधानमंत्री नहीं आएंगे। अगर आप डिसक्वालिफाई हो गई हैं तो इसके लिए सरकार का जिम्मेदार ठहराना गलत है। मैंने कभी खेल के साथ राजनीति नहीं की।

एक टीवी कार्यक्रम के दौरान बबीता फोगाट से पूछा गया कि क्या विनेश के साथ पेरिस में जो कुछ भी हुआ तो क्या आप उसके बाद उनसे मिली हैं। इसका जवाब देते हुए बबीता ने कहा कि मैंने मैसेज के जरिए उनसे बात की थी। मैंने अपने बेटे का उनके साथ वाला वीडियो भी शेयर किया था जिससे की उनका दुख कुछ कम हो। वो मेरी बहन रहेंगी, हमने एक-दूसरे के खिलाफ कुश्ती भी की है, ऐसा नहीं है कि हम एक-दूसरे के खिलाफ नहीं लड़े हैं।

बबीता फोगाट ने कहा कि हमने एक-दूसरे के साथ एक टूर्नामेंट का फाइनल भी खेला था और उसमें मुझे जीत मिली थी। 2018 कॉमनवेल्थ के दौरान हम तीन बहनें एक ही वेट कैटेगरी में खेले थे। उसमें मैं थी, विनेश की छोटी बहन थी और उसकी बड़ी बहन प्रियंका भी थीं और हम तीनों ने ट्रायल दिया था। हमें पापा ने सिखाया की जो मेहनत करेगा उसे जीत मिलेगी और हम बहनों ने भी इसके लिए कभी बुरा नहीं माना कि हम एक ही वेट में क्यों आ गए। आप जिस भी क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं वो आपका धर्म है।

पार्टी जहां कहेगी वहां करूंगी चुनाव प्रचार

बबीता से पूछा गया कि आप विनेश के खिलाफ चुनाव प्रचार करने जाएंगी तो उन्होंने कहा कि मुझे मेरी पार्टी जहां के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी देगी मैं वहां जाकर प्रचार करूंगी। बबीता से पूछा गया कि आपके पास कोई प्रस्ताव भी आया था कि आप विनेश के खिलाफ खड़ी हो जाइए। तो इसका जवाब देते हुए बबीता ने कहा कि नहीं मेरे सामने इस तरह का कोई भी प्रस्ताव नहीं आया।

धरती को खोद कर यशस्वी जायसवाल ने पकड़ लिया गेंद

कभी-कभी देखने को मिलता है ऐसा कैच

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल ने कमाल कर दिया। आकाशदीप सिंह की गेंद पर यशस्वी ने एक हैरतअंगेज कैच लपका। यशस्वी का यह कैच इतना बेहतरीन था कि अंपायर को भी उस पर यकीन नहीं हुआ। पारी के 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर आकाशदीप ने बांग्लादेशी बल्लेबाज जाकिर हसन को ऐसा छकाया कि वह जैसे-तैसे गेंद तक अपना बैट लेकर जा सके, लेकिन तब काफी देर हो चुकी थी।

जाकिर हसन आकाशदीप की गेंद पर शॉट कनेक्ट ही नहीं क

पाए। ऐसे में गेंद बैट का किनारा लेते हुए स्लिप में खड़े यशस्वी के पास चली गई। यशस्वी ने भी चपलता दिखाते हुए डाइव लगाकर गेंद को अपने हथेली में जकड़ लिया। पहली नजर में ऐसा लगा कि गेंद ग्राउंड को छू गई है, लेकिन यशस्वी और स्लिप में खड़े फील्डरों को यकीन था कि कैच पूरी तरह से क्लीन है। थर्ड अंपायर ने भी यशस्वी के कैच को सही पाया और इस तरह बांग्लादेश को पहला झटका लगा।

24 गेंद में खाता नहीं खोल पाए थे जाकिर हसन

बांग्लादेश के ओपनर बल्लेबाज जाकिर हसन क्रीज पर आने के बाद से ही संघर्ष करते हुए दिखे। शादमान के साथ मिलकर जाकिर ने कुल 24 गेंद का सामना किया, लेकिन इस दौरान वह अपना खाता तक नहीं खोल पाए। क्रीज पर इतना लंबा वक्त बिताने के बावजूद एक भी रन नहीं बना पाने से जाकिर हसन काफी निराश थे। हालांकि, इस दौरान बांग्लादेश के लिए शदमान इस्लाम ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया।

8 दिन में 47% उछल चुका है अनिल अंबानी के रिलायंस पावर का शेयर

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)। भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों ने आज लगातार आठवें दिन अपर सर्किट लग गया। बीएसई पर यह एक बार फिर 5% के अपर सर्किट के साथ 46.36 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका 52-सप्ताह का उच्च स्तर है। पिछले 8 लगातार कारोबारी सत्रों में इसकी कीमत में 46.6% की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 18,622.68नकरोड़ रुपये पहुंच गया है। हाल ही में यह तेजी कंपनी के बोर्ड ने तरजीही आवंटन के माध्यम से 1,525 करोड़ रुपये मूल्य के 46.2 करोड़ इक्विटी शेयर या वारंट जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। रिलायंस पावर की प्रमोटर रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अपनी इक्विटी हिस्सेदारी में 600 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि करेगा। इस तरजीही इश्यू में भाग लेने वाले अन्य निवेशकों में ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और सनातन फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

कंपनी का कहना है कि वह तरजीही इश्यू से जुटाई गई धनराशि का उपयोग अपने बिजनस ऑपरेशन का विस्तार करने के लिए करना चाहती है। इसका एक हिस्सा कर्ज कम करने और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा।कभी रिटेल निवेशकों की पसंदीदा कंपनी रही रिलायंस पावर ने हाल में सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन का 3,872.04 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने की घोषणा की थी। रिलायंस पावर की गारंटी को जारी करने और उसे चुकाने के बदले में वीआईपीएल के 100% शेयर सीएफएम को गिरवी रखे गए हैं।

सोना-चांदी की चमक,सप्ताह के अंतिम दिन गिर गए कीमती धातुओं के भाव

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सप्ताह के अंतिम दिन घरेलू बाजार में दोनों प्रमुख कीमती धातुओं सोना और चांदी के भाव में गिरावट आई है. एमसीएक्स पर दोनों कीमती धातुओं के भाव आज शुक्रवार के कारोबार में गिरे हुए हैं.

एमसीएक्स पर 4 अक्टूबर की डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर के कॉन्ट्रैक्ट में आज करीब 0.33 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है. वायदा कारोबार में सोना 246 रुपये के नुकसान के साथ 75,141 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. इसी तरह 5 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी का वायदा सौदा भी नुकसान में ट्रेड कर रहा था. चांदी के भाव में एमसीएक्स पर आज 549 रुपये (करीब 0.59 फीसदी) की गिरावट आई हुई है और भाव 92,115 रुपये पर आ गया है.

इस कारण आज आई गिरावट

दरअसल दोनों कीमती धातुओं के भाव में बीते दिनों शानदार तेजी आई है. एक दिन पहले सोना और चांदी दोनों के भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे. उसके बाद उच्च स्तर के दबाव के चलते आज कुछ करेक्शन दिख रहा है. हालांकि एनालिस्ट मान रहे हैं कि सोना और चांदी के भाव आने वाले दिनों में भी मजबूत बने रहने वाले हैं. ब्याज दरों में कटौती और भू-राजनीतिक तनाव से सोना को सपोर्ट मिलता रहेगा, जबकि चांदी की औ द्यो गि क मांग तेज बनी हुई है.

क मॉ डि टी ए क्स चें ज सेंटर यानी कॉमेक्स पर गोल्ड फ्यूचर (दिसंबर 2024 कॉन्ट्रैक्ट) 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 2,687.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था. इसी तरह चांदी (सिल्वर कॉमेक्स दिसंबर 2024 कॉन्ट्रैक्ट) 0.78 फीसदी के नुकसान के साथ 32.096 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही थी.

एक सप्ताह में इतना चढ़ गया भाव

सोना और चांदी दोनों के भाव में पिछले सप्ताह से जबरदस्त तेजी देखी जा रही है. पिछले एक सप्ताह में सोने की कीमतों में करीब 2 हजार रुपये की तेजी देखी जा चुकी है, जबकि इस दौरान चांदी के भाव में 2,300 रुपये की तेजी आई है.

चेन्नई: 77,031 रुपये प्रति 10 ग्राम
दिल्ली: 77,183 रुपये प्रति 10 ग्राम
कोलकाता: 77,035 रुपये प्रति 10 ग्राम
मुंबई: 77,037 रुपये प्रति 10 ग्राम
हैदराबाद: सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,000 रुपये है।

35 साल आयु के धनकुबेरों में दिल्ली-यूपी को तीसरा-चौथा स्थान

बंगलूरू में मुंबई से अधिक अमीर, युवाओं की पहली पसंद बंगलूरू

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)। हुरुन इंडिया ने अमीर युवा भारतीयों की सूची जारी की है। इन लोगों में कई चर्चित युवा कारोबारियों को शामिल किया गया है। 35 साल से कम उम्र के इन धनकुबेरों की सूची में मुकेश अंबानी के दो बच्चों- मुकेश और ईशा अंबानी को भी जगह मिली है। इन दोनों के अलावा हुरुन ने थर्ड वेव कॉफी के दो संस्थापकों- सुशांत गोयल और आयुष बथवाल को भी शामिल किया है। ऑनलाइन भुगतान करने की प्रणाली- रेजरपे के फाउंडर शशांक कुमार और मीशो के संस्थापक विदित आत्र और संजीव बर्नवाल को भी हुरुन रिच लिस्ट अंडर 35 में जगह दी गई है। बता दें कि इस सूची में ऐसी 150 हस्तियों को स्थान दिया गया है जिन्होंने उद्यमी के रूप में 35 साल से कम आयु में ही अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता पाई है।

हुरुन की सूची में शीर्ष तीन राज्यों के नाम जानिए

सूची में पहले पायदान पर महाराष्ट्र के 33, दूसरे पर कर्नाटक के 30 और तीसरे पर दिल्ली के 21 उद्यमी सूची में हैं। तेलंगाना 9 उद्यमियों के साथ पांचवें और गुजरात 7 उद्यमियों के साथ छठे स्थान पर है। इस बार सूची में यूपी के सबसे ज्यादा उद्यमी नोएडा के बजाय आगरा और गाजियाबाद के हैं। दोनों शहरों से तीन-तीन युवा उद्यमियों ने प्रदेश का मान बढ़ाया है।

कितनी संपत्ति होने पर सूची में जगह मिली

हुरुन इंडिया के मुताबिक कम से कम 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का कारोबार खड़ा करने वाले युवाओं को इस सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में एक तरफ जहां वर्तमान पीढ़ी के युवा बिजनेस टायकून शामिल हैं, तो दूसरी तरफ अगली पीढ़ी के ऐसे कारोबारी दिग्गज जिन्होंने 100 मिलियन डॉलर का कारोबार खड़ा किया है, उन्हें भी हुरुन इंडिया अंडर 35 की लिस्ट में शामिल किया गया है।

युवा कारोबारियों को कौन सा शहर अधिक पसंद है

खास बात ये भी है कि बंगलूरू में 35 साल से कम उम्र के अमीर भारतीयों की संख्या मुंबई की तुलना में अधिक है। ताजा सूची के मुताबिक भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में मशहूर बंगलूरू में 29 अमीर हस्तियां रहती हैं, जबकि 26 युवा धनकुबेर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रहते हैं।अंतरराष्ट्रीय समूह हुरुन इंटरनेशनल ने 35 वर्ष से कम उम्र वाले भारतीय उद्यमियों की जो सूची जारी की है, इसमें पहली बार उत्तर प्रदेश चौथे नंबर पर रहा। इस राज्य के 12 युवा उद्यमियों को सूची में जगह मिली है।

आशा छात्रवृत्ति एसबीआई के बैंकिंग से परे सेवा के मूल मूल्य को है दर्शाती: चेयरमैन शेट्टी

एसबीआई फाउंडेशन ने शुरू की आशा स्कालरशिप 2024

हैदराबाद, 27 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)समूह चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बताया कि, आशा छात्रवृत्ति पहल एसबीआई के बैंकिंग से परे सेवा के मूल मूल्य को दर्शाती है और सभी के लिए प्रगति और समृद्धि की दिशा में योगदान देती है।

हैदराबाद मुख्यालय में समूह चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बताया कि, एसबीआई फाउंडेशन ने भारत के 10,000 प्रतिभाशाली युवाओं का समर्थन करने के लिए आशा स्कालरशिप अथवा आशा छात्रवृत्ति 2024 शुरू की है। जिसमें एसबीआई ने अपनी सीएसआर शाखा एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आशा छात्रवृत्ति-2024 के तृतीय संस्करण की घोषणा की है, जो वंचित पृष्ठभूमि से देश भर में 10,000 मेधावी छात्र व छात्राओं को आर्थिक समर्थन की गारंटी देता है।

श्री शेट्टी ने बताया इस वर्ष एसबीआई फाउंडेशन ने इस परिवर्तनकारी पहल को 10,000 मेधावी छात्र व छात्राओं तक विस्तारित किया है। जिसमें निःस्संदेह आशा स्कॉलर्स 2047 तक हमारे राष्ट्र के विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस पहल के तहत कक्षा 6 से लेकर स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में शामिल होने वाले छात्र व छात्राओं को 15,000 से 20,00,000 तक का आर्थिक लाभ मिल सकता है तथा हाईस्कूल, स्नातक पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, साथ ही आइआइटी और आइआइएम में नामांकित छात्रों के लिए विशेष श्रेणियां उपलब्ध हैं।

अजा तथा अजजा छात्र-छात्राओं के लिए 'विदेश में अध्ययन' श्रेणी के तहत छात्रवृत्ति कार्यक्रम दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से परास्नातक और उससे अधिक की पढ़ाई करने वालों का समर्थन करेगा। स्कूल श्रेणी में, प्रत्येक राज्य से शीर्ष 300 छात्रों को 'सुपर 300' के रूप में चयनित किया जाएगा। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के वे छात्र जिन्होंने गत शैक्षणिक वर्ष में 75% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं और जिनके परिवार की वार्षिक आय 3 लाख से कम है, वे इस श्रेणी में आवेदन करने के पात्र हैं।

इस मामले में छात्रवृत्ति आवेदन https://www.sbifashascholarship.org पर उपलब्ध है और यह वेबसाइट 1 अक्टूबर 2024 तक खुला रहेगा।

जिसमें छात्रवृत्ति के लिए पात्रता और समयसीमा का विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है और छात्र-छात्राएं ईमेलः sbiashascholarship@buddy4study.com; फोनः 011-430-92248 (एक्सटेंशनः 303) (सोमवार से शुक्रवार) - सुबह 10:00 बजे से शाम 6 बजे तक) पर भी पूछताछ कर सकते हैं।

सेबी के अकाउंट्स की जांच करेगी पार्लियामेंट की कमेटी

फाइनेंस मिनिस्ट्री आज अकाउंट्स की डिटेल्स सबमिट करेगी

मुंबई,27 सितंबर (एजेंसियां)। पार्लियामेंट की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (पीएसी) सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी एसईबीआई के अकाउंट्स की डिटेल्ड जांच करेगी। कमेटी फाइनेंशियल ईयर 2022-23 और फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के सेबी के अकाउंट्स का रिव्यू करेगी।यह पहली बार है कि पीएसी ने सेबी के फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की जांच की जरूरत महसूस की है। कांग्रेस के सीनियर लीडर केसी वेणुगोपाल पब्लिक अकाउंट्स कमेटी के प्रमुख हैं। इस कमेटी में एनडीए और विपक्ष दोनों दलों के नेता शामिल हैं।इस बात की जानकारी एक सरकारी अधिकारी ने दी है। पब्लिक अकाउंट्स कमेटी का काम सरकार के रेवेन्यू और एक्सपेंडिचर की जांच करना है और पब्लिक फाइनेंस में अकाउंटेबिलिटी सुनिश्चित करना है।सरकारी अधिकारी ने मनीकंट्रोल को बताया, 'पीएसी ने पहले कभी सेबी को नहीं बुलाया है। उसने डेटा मांगा है। इसकी आखिरी डेट 27 सितंबर है। इस तारीख तक फाइनेंस मिनिस्ट्री को पार्लियामेंट सेक्रेटेरिएट को ये डेटा अवेलेबल कराना होगा।'पीएसी ने जो डिटेल्स मांगी हैं, उनमें सेबी की रिसीट्स और पेमेंट्स, सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट और सेबी की इनटर्नल कमेटी के ऑब्जर्वेशन भी शामिल हैं। पीएसी की 29 अगस्त को हुई मीटिंग के एजेंडा में सेबी के अकाउटंस की जांच शामिल थी। अधिकारी ने कहा, 'पीएसी अपनी अगली मीटिंग में सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच को बुला सकती है। यह रेगुलेटर के परफॉर्मेंस का रिव्यू होगा।'

पीएसी ऐसे वक्त यह जांच करने जा रही है, जब हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से सेबी प्रमुख पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी शॉर्ट सेलर का आरोप है कि बुच ने अडाणी मामले की जांच में निष्पक्षता नहीं दिखाई थी।

दवाई-मोटरसाइकिल सहित 100 वस्तुएं होंगी सस्ती

घट सकती है जीएसटी दर; सरकार बना रही योजना

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में दवाइयों, बाइक सहित जरूरी वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं। बोतलबंद पानी, पेय पदार्थ के साथ कुछ सामान महंगे हो सकते हैं। केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह यानी जीओएम जीएसटी दरों में सुधार की योजना बना रहा है। इसमें 100 वस्तुओं को शामिल किया गया है। जीओम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में बदलाव पर 20 अक्तूबर को बैठक करेगा। इसमें जीएसटी की 12 फीसदी दर घटाकर 5 फीसदी करने पर चर्चा होगी। जीओएम सिफारिशें जीएसटी परिषद के समक्ष रखेगा। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को बताया, चर्चा में मोटर साइकिल और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। बुधवार को जीओएम की बैठक में चिकित्सा और दवा से संबंधित वस्तुओं पर कर दरों में कमी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह सभी 12 फीसदी के स्लैब में हैं। भट्टाचार्य ने कहा, इन कटौतियों से होने वाले संभावित राजस्व हानि को जीओएम कुछ वस्तुओं जैसे एयरटेड पानी और पेय पदार्थों पर जीएसटी बढ़ाने के विकल्प के रूप में देख रहा है। इन पर 28 फीसदी कर लगाए जाते हैं। साथ ही उपकर भी बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में चार जीएसटी स्लैब हैं। इनकी दरें 5 फीसदी, 12%, 18%, और 28% हैं। 2024 में औसत जीएसटी दर 11.56% हो गई है जो रेवेन्यू न्यूट्रल रेट 15.3 फीसदी से कम है।

बीमा प्रीमियम पर फैसला नवंबर में

स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम पर दर कम करने का निर्णय लेने के लिए मंत्रिस्तरीय समिति की पहली बैठक 19 अक्तूबर को होगी। बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इस कर को हटाने या कम करने की मांग की जा रही है। जीएसटी परिषद ने इस पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। मंत्री समूह को अक्तूबर अंत तक परिषद को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। बीमा प्रीमियम पर परिषद द्वारा अंतिम निर्णय नवंबर में होने वाली बैठक में लिया जाएगा।

साइकिल के भी घट सकते हैं दाम

मंत्री ने कहा, आम लोगों द्वारा इस्तेमाल

की जाने वाली साइकिल पर दर कम करने पर मंत्री समूह विचार-विमर्श करेगा। साइकिल और उसके कलपुर्जों पर 12 प्रतिशत कर है। ई-साइकिल पर पांच फीसदी है।

कानूनन 40 प्रतिशत तक लग सकता है कर

जीएसटी कानून के तहत वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40% तक का कर लगाया जा सकता है। हालांकि, 18 प्रतिशत कर वाली कुछ वस्तुएं जैसे बाल, ड्रायर, हेयर कलर तथा मेकअप उत्पाद फिर से 28 प्रतिशत स्लैब में आ सकते हैं। पश्चिम बंगाल ने सुझाव दिया कि जीएसटी परिषद की 23वीं बैठक में लिए गए निर्णय पर फिर से विचार किया जाना चाहिए, जिसमें 28 प्रतिशत के स्लैब को हटाकर 178 वस्तुओं पर कर की दरें घटाई गई थीं। साथ ही वस्तुओं पर कर की दर को घटाकर पांच प्रतिशत पर लाकर आम आदमी को राहत मिलेगी।

सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

पर रिलायंस में तेजी के चलते रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा मार्केट कैप

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में सुबह के ट्रेड के दौरान सेंसेक्स-निफ्टी के ऑलटाइम हाई छूने के बाद मुनाफावसूली लौटने के चलते बाजार गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर के स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में ये गिरावट आई है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 264 अंकों की गिरावट के साथ 85,571 पर तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37 अंकों नीचे गिरकर 26,179 अंकों पर क्लोज हुआ है.

बाजार फिसला पर मार्केट कैप में उछाल

आज के कारोबार में सेंसेक्स निफ्टी भले ही नीचे गिरकर क्लोज हुआ हो लेकिन निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप ऑलटाइम हाई 477.97 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो कि पिछले कारोबारी सत्र में 477.17 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. आज के ट्रेड में मार्केट कैप में 80000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ जबकि 15 गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 29 शेयर तेजी के साथ जबकि 21 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में सन फार्मा 2.67 फीसदी, रिलायंस 1.72 फीसदी, टाइटन 1.50 फीसदी, एचसीएल टेक 1.31 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.10 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.90 फीसदी, एनटीपीसी 0.73 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.66 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.63 फीसदी, टाटा स्टील 0.54 फीसदी, मारुति 0.49 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि पावर ग्रिड 3.03 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.83 फीसदी, भारती एयरटेल 1.74 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.65 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

सेक्टरोल अपडेट

आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. जबकि बैंकिंग, एफएमसीजी, मीडिया और रियल एस्टेट स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी मुनाफावसूली देखने को मिली है.

दर्जन भर वंदे भारत एक्सप्रेस रेलवे के लिए सफेद हाथी बनने की राह पर? ट्रेन में पैसेंजर्स का टोटा!

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेल की वीवीआईपी ट्रेन है वंदे भारत एक्सप्रेस। इसका किराया वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस से भी ज्यादा है। रेलवे का दावा है कि यह देश की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है। इसकी स्पीड 150 किलोमीटर प्रति घंटे की है। इसमें शानदार पेंट्री सर्विस है। साथ ही नियत समय पर ट्रेन चलती है। इतनी विशेषताओं से लैस ट्रेन में भी पैसेंजर नहीं मिले तो आप क्या कहेंगे?बीते दिनों रेल दुनिया वेबसाइट में आई एक खबर के मुताबिक कुछ रूट्स पर तो वंदे भारत पूरी आक्युपेंसी के साथ चलती हैं। लेकिन कुछ ऐसे रूट्स ऐसे भी हैं जहां यात्रियों का टोटा है। इस रिपोर्ट में एक आंकड़ा दिया गया है, जो वातानुकूलित कुर्सी यान का है। इसमें बताया गया है कि ये वंदे भारत रेलवे के लिए सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। इनमें भुबनेश्वर-विशाखापट्टनम, टाटानगर-ब्रम्हपुर, रीवा-भोपाल, कलबुर्गी-बेंगलुरु, उदयपुर-आगरा / जयपुर, दुर्ग-विशाखापट्टनम, नागपुर-सिकंदराबाद जैसे रूट्स शामिल हैं। वन्दे भारत एक्सप्रेस चलाने का उद्देश्य देश के प्रमुख शहर को इंटरसिटी कनेक्टिविटी देना है। ऐसे शहर जो बिजनेस हब है या औद्योगिक इकाइयों से समृद्ध है या फिर बड़े धार्मिक यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है उन्हें जोड़ने के लिए ये ट्रेन चलाए जा रहे हैं। मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, बनारस, पुणे इत्यादि ऐसे ही शहर है। ऐसा नहीं है कि सभी वंदे भारत खाली चलते हैं। मुम्बई -अहमदाबाद, नई दिल्ली-वाराणसी, नई दिल्ली-कटरा, वाइजाग-सिकंदराबाद, सिकंदराबाद-तिरुपति, दिल्ली के आनंद विहार से देहरादून, त्रिवेंद्रम-कासरगोड, चेन्नई-नागरकोल आदि ऐसे रूट्स हैं, जहां पैसेंजरों की कोई कमी नहीं है। ये वंदे भारत 100 फीसदी ऑक्युपेंसी के साथ चलते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
सूर्योदय - 06-09
सूर्यास्त. -18-04
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-22 बजे
चंद्र-	कर्क	मे	तुला...	07-28 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-38 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-52 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-57 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-49 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-26 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	19-02 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-48 बजे
			मिथुन	22-48 बजे
			कर्क--	01-00 बजे
			सिंह---	03-12 बजे

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी **14-50** तक उपरान्त द्वादशी
मास - आश्विन कृष्ण , शनिवार **28 September**
नक्षत्र - आश्लेषा **03-36** तक उपरान्त मघा
योग - सिद्ध **23-50** तक उप साध्य
करण- बालव **14-50** तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - इंदिरा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:07 से 10:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:09 - 07:37	अशुभ	लाभ.	18:06 - 19:36	शुभ
शुभ.	07:37 - 09:07	शुभ	उत्पात	19:36 - 21:06	अशुभ
रोग	09:07 - 10:37	अशुभ	शुभ.	21:06 - 22:36	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:06	अशुभ	अमृत	22:36 - 00:07	शुभ
चंचल	12:06 - 13:36	शुभ	चंचल	00:07 - 01:37	शुभ
लाभ.	13:36 - 15:06	शुभ	रोग	01:37 - 03:07	अशुभ
अमृत.	15:06 - 16:36	शुभ	काल.	03:07 - 04:37	अशुभ
काल.	16:36 - 18:04	अशुभ	लाभ	04:37 - 06:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है। तब तक निरंतरता रखे । समय आपके पक्ष में है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जालिम, आधा चांद, चॉकलेट केक, नशे के नए कोड-वर्ड

युवाओं को टारगेट बनाने नाइट पार्टी, लड़कियों की एंट्री फ्री, रायपुर में मनाली, गोवा, जम्मू से सप्लाई

रायपुर, 27 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रायपुर शहर में होने वाली बड़ी नाइट पार्टियों में अचानक चॉकलेट केक और बर्फी की डिमांड बढ़ गई। सोशल मीडिया के जरिए पार्टियों के इनविटेशन सार्वजनिक होते और महंगे टिकट बिकते। पुलिस की नजर पड़ी तो ड्रग्स कारोबार की परतें खुलने लगीं। पुलिस खुद ग्राहक बनकर सप्लायर प्रोफेसर गैंग के गुर्गों तक पहुंची। जिम्मी उर्फ शुभम सोनी को पकड़ा और चॉकलेट केक (एमडीएमए), बर्फी (चरस) और पिस्टल बरामद हुई। उसकी निशानदेही पर अभिषेक साहू, गन सप्लायर सोनू अग्रवाल भी गिरफ्तार हुए। आरोपियों से पूछताछ में पता चला रसूखदारों की डिमांड पर नीला पत्ता और जालिम भी सप्लाई करते थे। युवाओं को कैसे किया जा रहा टारगेट? क्या हैं ड्रग्स के कोड-वर्ड और बड़े शहर क्यों बन रहे 'उड़ता पंजाब'?

एमडीएमए यानी मि था इ ली न डा इ ऑ क सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए) या मेफेड्रोन या एक्सटेसी। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और जया शाह की वॉट्सऐप चैट से इसकी चर्चा शुरू हुई। इसके एक ग्राम की कीमत करीब 15 हजार रुपए है।

नशा करने वालों के बीच इसके और भी कोड नेम है। इसे लेने के बाद दिमाग में नशा चढ़ता है। मदहोशी आती है। अधिकतर लोग इसे मस्ती के लिए लेते हैं। ज्यादा मात्रा में एक साथ लेने पर यह जान के लिए खतरा तक बन सकती है।

यह स्टिम्युलेंट है, जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है

इस ड्रग का असर 30 से 45 मिनट में दिखने लगता है

इसे लेने से अचानक काफी खुशी और एनर्जी महसूस होती है

लेने वाला खूब बातें करता है, हार्टबीट और बीपी बढ़ जाता है।

22 सितंबर : कमल विहार इलाके से एससीसीयू ने आरोपी ड्रग पैडलर शुभम सोनी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि मनाली से ड्रग्स कोरियर में मंगवाता था। फिर उसकी बिक्री रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव में करता था।

25 अगस्त : मंदिर हसौद पुलिस ने कार से एक दंपती को गांजा के साथ पकड़ा था। उनसे 16 लाख का गांजा जब्त बरामद हुआ। आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर आए थे। पूछताछ में सामने आया कि पुलिस को झांसा देने के लिए नकली परिवार बनाया था।

22 जून : ई-रिक्शा में बैठकर आमानाका इलाके में सरस्वती नगर निवासी आरोपी अमन सोनेकर उर्फ सन्नी, वीरेंद्र सोनी और गौतम सोनी स्पास्मो टैबलेट बेचने निकले थे। पुलिस ने पकड़ा और तलाशी के दौरान 2800 गोलियां बरामद की।

हालांकि पुलिस ज्यादातर मामलों में कैरियर और लोकल सप्लायर तक ही पहुंच पाती है। फरवरी 2024 से अगस्त 2024 तक पुलिस ने एनडीपीएस मामले में 150 से ज्यादा प्रकरण दर्ज करके 204 लोगों की गिरफ्तारी की है। लेकिन सरगना तक नहीं पहुंच पाई।

युवाओं को टारगेट बनाने के लिए होती हैं पार्टियां

एक पुलिस अफसर ने बताया- ड्रग डीलर कारोबार बढ़ाने के लिए नाइट पार्टियों का सहारा लेते हैं। पार्टी में एंट्री फीस बहुत अधिक होती है, लेकिन लड़कियों को फ्री एंट्री दी जाती है। पार्टी में जमकर जाम छलकते है और ड्रग्स की भी खरीद फरोख्त होती है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्त में आए आरोपियों ने बताया कि, कोड-वर्ड बताने पर ही सप्लायर को ड्रग्स दिया जाता था। सप्लायर से वॉट्सऐप के माध्यम से संपर्क करता था और पैसे एडवांस लेने के बाद ही सामान की डिलीवरी देने पहुंचता था।

रायपुर एएसपी दौलत राम पोर्ते के अनुसार, वॉट्सऐप के जरिए सौदेबाजी होती है। बिगड़ैल रईसजादों का मैसेज मिलते ही उसके बताए ठिकाने पर ड्रग्स छोड़ा जाता है। रायपुर में ड्रग सिंडिकेट का करोड़ों का कारोबार है। रसूखदारों के संरक्षण धड़ल्ले से चल रहा है। ड्रग्स के बारे में जानकारी रखने वाले एक अफसर ने बताया- रायपुर में ड्रग्स के लती पान मसाले में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें ड्रग्स आसानी से मिले, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों को ब्याज में पैसा देकर काम करवा रहे हैं। पुलिस के हत्थे चढ़े प्रोफेसर गैंग के सदस्यों ने बताया था- 2 साल में रायपुर के अलावा बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग और राजनांदगांव में ड्रग्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। स्मैक ड्रग्स में एमडी का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में किया जा रहा है। इसके अलावा गांजा, डोडा, चरस और नशीली गोलियों की भी डिमांड है।

बार्डर के शहर बने डंपिंग यार्ड

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दूसरे राज्यों से प्रतिबंधित दवाइयां मंगवाने वाले कारोबारियों ने शहर के आउटर या बॉर्डर वाले शहर स्टॉक डंप करवा रहे हैं। दिखावे के लिए उन्होंने छोटे-छोटे मेडिकल स्टोर खोलकर रखें हैं, ताकि किसी को शक न हो।

रायपुर सहित प्रदेश भर में मामूली विवाद पर चाकूबाजी, लूट, मारपीट, हत्या, चोरी के साथ घरेलू हिंसा के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अधिकांश घटनाओं में आरोपी नशे के आदी पाए गए है।

दो दिन पहले ही मरीन ड्राइव में 50 रुपए के लिए कलेक्ट्रेट के ड्राइवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रदेश में नशीली दवाइयों पर शिकंजा कसा जा सके इसके लिए 10 साल पहले ड्रग विभाग का सेटअप स्वीकृत किया गया था। प्रदेश भर में 11 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स है, इनकी जांच केवल 90 ड्रग इंस्पेक्टर के भरोसे है। स्टाफ की कमी के चलते साल में एक या दो बार जांच होती है।

झारखंड के 18 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका 2 अक्टूबर तक बारिश के आसार

रांची, 27 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के 18 जिलों में आज भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। इतना ही नहीं विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ नहीं होने वाला है। आज राजधानी रांची में भी बारिश के आसार हैं। सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक दो अक्टूबर तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होती रहेगी।

आज जिन जिलों में भारी बारिश की बात कही गई है, उसमें देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां शामिल हैं। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने डीप साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर आज काफी जबरदस्त असर राजधानी रांची सहित राज्य के 18 जिलों में देखा जा सकता है।

दुर्गा पूजा में भी बारिश संभावित

इधर मौसम विभाग ने दुर्गा पूजा में भी बारिश की संभावना जताई है। विभाग की ओर से बताया गया है कि एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में दो अक्टूबर से लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इस वजह से तीन से सात अक्टूबर तक झारखंड में बारिश हो सकती है। बात बीते 24 घंटे के मौसम की करें तो साहिबगंज में सबसे अधिक 106 मिमी बारिश हुई। जबकि रांची और आसपास के क्षेत्र में बादल छाए रहे।

सामान्य से महज एक फीसदी कम बारिश

झारखंड में इस बार अच्छी बारिश हुई है। एक जून से 26 सितंबर तक सामान्य से महज एक फीसदी कम बारिश हुई है। झारखंड में सामान्य बारिश 999.7 मिमी है, जबकि वास्तविक वर्षापात 990.5 मिमी है। रांची में सामान्य वर्षा 1013.9 मिमी है, जबकि अब तक यहां 1202.2 मिमी बारिश हो चुकी है।

कांग्रेस न्याय यात्रा, बैज बोले- छत्तीसगढ़ जल रहा

कवर्धा पुलिस कस्टडी में मौत पर कहा- हत्या का केस दर्ज हो, गिरौदपुरी से निकली यात्रा

बलौदाबाजार, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस न्याय यात्रा की शुरुआत सतनामी समाज के पवित्र स्थल गिरौदपुरी से हो गई है। इस दौरान पीसीसी चीफ ने कहा कि छत्तीसगढ़ जल रहा है। कवर्धा पुलिस कस्टडी में हुई मौत पर हत्या का केस दर्ज होना चाहिए। बैज ने शिवरीनारायण पहुंचकर, भगवान श्रीराम और मां शबरी के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा। बैज ने कहा कि न्याय की लड़ाई और यात्रा की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा। यात्रा के दौरान बैज बलौदाबाजार आगजनी, अमर गुफा जैतखाम विवाद, विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी और कवर्धा कांड जैसे संवेदनशील मुद्दों को जनता को बताएंगे।

अभ्यर्थियों का दावा- जेएसएससी-सीजीएल पेपर फिर लीक हुआ

आयोग ने सबूत मांगे, राज्यपाल ने हेमंत सरकार को जांच कराने को कहा

रांची, 27 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से एक साल में दूसरी बार ली गई संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) फिर विवादों में है। परीक्षार्थियों ने इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, सवालों के पहले की परीक्षाओं से रिपीट होने जैसे आरोप लगाए हैं। अभ्यर्थियों ने इसकी शिकायत राज्यपाल से की है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिख जांच कराने को कहा है। इधर, अभ्यर्थियों के सवालों को लेकर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट की। साथ ही कहा कि अगर परीक्षा में गड़बड़ी हुई है तो उसके सबूत दें। आरोप सही पाए गए तो परीक्षा रद्द होगी। इसके बाद नाराज अभ्यर्थी आयोग कार्यालय पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष को पेन ड्राइव, सीडी और प्रश्नों के रिपीट होने के सबूत दिए। फिर आयोग ने कहा कि 30 सितंबर को बैठक कर निर्णय लिया जाएगा। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग सामान्य स्नातक उत्तीर्ण उम्मीदवारों की नियुक्ति सरकार के विभिन्न विभागों के सचिवालय में करती है। इसके लिए संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा लेती है। इसे जेएसएससी-सीजीएल के नाम से भी जाना जाता है। यही परीक्षा फिर विवादों में है। इस परीक्षा के जरिए निम्न पदों पर नियुक्ति होनी है। उम्मीदवारों के प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी के बीच झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने प्रेस कांफ्रेंस किया। इस प्रेस कांफ्रेंस में परीक्षा आयोजन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने दी।

नड्डा की सीक्रेट-मीटिंग, 40 मिनट बाद बुलाए गए रमन

रायपुर में बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा- 50 की जगह अब जोड़ने होंगे 60 लाख सदस्य

रायपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी के सदस्यता अभियान की समीक्षा से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश के चुनिंदा नेताओं की एक सीक्रेट मीटिंग ली। जिसमें बैठक शुरू होने के 40 मिनट बाद पूर्व सीएम और स्पीकर रमन सिंह को बुलाया गया। जिसे लेकर बैठक के दौरान कई तरह की चर्चाएं चलती रहीं।

नड्डा की इस सीक्रेट मीटिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और सांसद बृजमोहन अग्रवाल समेत पार्टी के कुछ चुनिंदा नेता ही मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान का टारगेट 10 लाख बढ़ा दिया है। प्रदेश में अब 50 की जगह 60 लाख सदस्य बनाने होंगे। नड्डा ने सभी

सांसद, विधायक और पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल रमन सिंह पहले शाम 7 बजे ही प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंच गए थे। जबकि जेपी नड्डा 7 बजकर 40 मिनट पर पहुंचे और फिर इसी परिसर में स्थित गद्रे भवन में पार्टी के नेताओं की बैठक ली।

40 मिनट तक चर्चा के बाद रमन सिंह गद्रे भवन बुलाए गए और उनसे 30 मिनट तक जेपी नड्डा की बातचीत हुई। बता दें कि जेपी नड्डा के छत्तीसगढ़ दौरे से ठीक 1 दिन पहले रमन सिंह ने दिल्ली में नड्डा से मुलाकात की थी। इस दौरान प्रदेश में सत्ता और संगठन से जुड़े कई मुद्दों पर उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से बातचीत की थी। ऐसे में इस पूरे वाक्ये को इसी मुलाकात से जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इस सीक्रेट मीटिंग में सरकार के कामकाज को लेकर चर्चा हुई इसके अलावा निगम-मंडल और आयोग के नामों पर अंतिम मुहर लगने की बात भी कही जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक फिलहाल पहले से तय नामों को ही अभी जारी किया जा सकता है। जबकि बचे हुए पदों के लिए सदस्यता अभियान की परफॉर्मेंस देखी जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई इस बैठक में बृजमोहन अग्रवाल की बैठक में मौजूदगी के भी कई मायने निकाले गए।

गरियाबंद में हाथी ने दिव्यांग को कुचलकर मार डाला

गरियाबंद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में मशरूम तोड़ने गए दिव्यांग को हाथी ने पटक-पटककर मार डाला। बताया जा रहा है कि इलाके में 3 दंतैल हाथियों की मौजूदगी है। इसे लेकर हाई अलर्ट भी जारी किया गया था। मामला फिंगेश्वर वन परिक्षेत्र के सोरिद खुर्द जंगल का है। मृतक का नाम कुमार (44) है, जो सोरिद खुर्द का निवासी है। कुमार दोपहर करीब 3 बजे जंगल गया था, जहां हाथियों से उसका सामना हो गया।

फिंगेश्वर रेंजर तरुण तिवारी ने बताया कि चंदा ग्रुप से खदेड़े गए तीन हाथी धमतरी जिले के रास्ते सप्ताह भर पहले गरियाबंद के फिंगेश्वर पहुंचे हुए थे। वन अमला तब से लगातार हाथियों को लेकर इलाके में अलर्ट कर रहा था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला, झारखंड सीएम के पूर्व सचिव पर एफआईआर

आईएएस विनय और संयुक्त-आयुक्त पर ईओडब्ल्यू में केस दर्ज, मरांडी बोले- जाते-जाते भी घोटाले की तैयारी

रायपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला केस में झारखंड के सीएम हेमंत के पूर्व सचिव आईएएस विनय कुमार चौबे और आबकारी संयुक्त रहे गजेंद्र सिंह पर एफआईआर दर्ज की गई है।

रायपुर की ईओडब्ल्यू और एसीबी ने धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचने की धाराओं में नया केस दर्ज किया है। दोनों पर भ्रष्टाचार और सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

मामले में आने वाले दिनों में कई गिरफ्तारियां होने की संभावना है। एफआईआर दर्ज होने के बाद झारखंड में सियासी बवाल शुरू हो चुका है। झारखंड के पूर्व सीएम ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार फिर घोटाले की तैयारी में है। झारखंड के जिन अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनसे ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में भी पूछताछ की थी। ताजा एफआईआर में झारखंड

आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के अलावा झारखंड में शराब आपूर्ति, मैनपावर और होलोग्राम बनाने वाली कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में शराब कारोबार के जरिए अवैध कमाई करने वाले सिंडिकेट से कथित तौर पर जुड़े रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर समेत अन्य ने झारखंड में भी कारोबार के लिए जनवरी 2022 में विनय कुमार चौबे समेत झारखंड के आबकारी अफसरों के साथ मिलकर शराब बिक्री का नियम बनवाया। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन के एमडी अरुणपति त्रिपाठी को झारखंड में कंसल्टेंट बनाया गया। त्रिपाठी को 1.25 करोड़ का भुगतान झारखंड ने किया। एफआईआर में कहा गया है कि विनय चौबे, गजेंद्र सिंह ने सिंडिकेट को लाभ दिखाने के लिए मदिरा सप्लाई एजेंसी और प्लेसमेंट एजेंसियों के लिए निविदा शर्त में 100 करोड़ के टर्नओवर की शर्त डाली। एफआईआर में जिक्र है कि शराब सिंडिकेट की आपराधिक साजिश के कारण झारखंड को 2022-23 में राजस्व का भारी नुकसान हुआ। एसीबी छत्तीसगढ़ में शिकायत के बाद हुई शुरुआती जांच में पाया है कि नियम में फेरबदल कर शराब कंपनियों से करोड़ों का कमीशन लिया गया। एफआईआर में जिक्र है कि पूर्व में जांच के दौरान सिद्धार्थ सिंघानिया नाम के कारोबारी के कब्जे में डायरी मिली थी। इस डायरी में छत्तीसगढ़ की तरह झारखंड में शराब कारोबार में कब्जे की योजना दर्ज थी।

छात्र के जय श्रीराम बोलने पर टीचर ने मारा थप्पड़

एवीबीपी के नेताओं ने जड़ा ताला, जमकर की नारेबाजी

रायगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिला मुख्यालय में दसवीं के छात्र के द्वारा स्कूल में जय श्रीराम बोलने के बाद टीचर के द्वारा उसे थप्पड़ मारने और फिर कई घंटो तक खड़ा कराने के मामले में तूल पकड़ लिया है। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने स्कूली छात्रों के साथ मिलकर स्कूल के गेट में ताला लगाते घंटो नारेबाजी की गई।

मिली जानकारी के मुताबिक रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित शासकीय आत्मानंद स्कूल में आज सुबह उस वक्त बडा हंगामा हो गया जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक दर्जन से भी अधिक छात्र नेताओं ने स्कूली छात्रों के साथ मिलकर स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाते हुए नारेबाजी की। साथ ही साथ उन्होंने प्रीसिंपल के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। मामला यह था कि एक दिन पहले कक्षा दसवी में पढ़ने वाले एक छात्र को टीचर ने जय श्री राम बोलने पर एक थप्पड मारा और उसके बाद उसे क्लास रूम के बाहर घंटो तक खडा कर दिया। इतना ही नही प्राचार्य ने भी इस पूरे मामले में छात्र को धमकाते हुए दोबारा ऐसा नही करने को कहा जिसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मोर्चा खोला। शुक्रवार को स्कूल गेट के सामने नारेबाजी करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने इस मामले में कार्रवाई करने की मांग करते हुए घंटो तक नारेबाजी की और जब वहां प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे तब उन्होंने दोषी टीचर व प्राचार्य के खिलाफ जांच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई का आग्रह किया। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता रोशन महंत ने बताया कल 10वीं क्लास का एक छात्र को स्कूल में झपकी आ गया था और स्कूल के टीचर के द्वारा उसे उठाये जाने के बाद उसके मुंह से जय श्री राम निकल गया था।

हिंदु संस्कृति में उठते ही जय श्री राम या राम-राम कहा जाता है। स्कूली छात्र के मुंह से भी जय श्री राम निकलने पर टीचर के द्वारा उसे थप्पड मारते हुए प्रींसिपल आफिस ले जाया गया। जबकि बच्चे का स्वास्थ्य खराब था इस वजह से उसे स्कूल में ही झपकी आ गई थी। इसके बावजूद प्रींसिपल के द्वारा उसे चार पीरियेड तक खड़ा करके रखा गया।

तेरी मां को मैंने मार दिया, पुलिस को बुलाकर लाओ

हत्या करने के बाद पिता ने बेटे को बताई सच्चाई, छा गया सन्नाटा

बिलासपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां 75 साल के बुजुर्ग ने अपने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति अपनी पत्नी की लाश के साथ बैठा रहा। सुबह जब बेटे और बहू ने देखा की अभी तक दरवाजा नहीं खुला तो वह पिता के कमरे में पहुंचा। जिसके बाद वहां का नजारा देखकर वह हैरान हो गया। बेटे ने दरवाजा खोला तो पिता ने कहा कि मैंने तेरी मां को मार दिया है पुलिस को बुलाकर लाओ। दरअसल, पूरा मामले बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र का है। यहां के कर्रा गांव के रहने वाले घासीराम यादव की उम्र 75 साल है और वह खेती किसानी का काम करते हैं। घासीराम के घर में उसकी पत्नी पुनीता यादव, बेटा और बहू रहते थे। बुधवार रात सभी खाना खाने चले गए। इसके बाद बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी।

बुधवार रात घासीराम उसकी पत्नी और परिवार के सदस्य खाना खाने के बाद सोने चले गए। घासीराम और उसकी पत्नी बाहर एक अलग कमरे में सो रहे थे। गुरुवार सुबह जब बेटे ने देखा माता-पिता के कमरे का दरवाजा बंद है वह हैरान रह गया। वह दरवाजा खटखटाने लगा। उसके बाद जब दरवाजा खुला तो वहां नजारा हैरान करने वाला था। बेटे को देखकर पिता ने कहा कि तेरी मां को मैंने मार दिया है। पुलिस को बुलाकर लाओ। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर पहुंची। पुलिस की पूछताछ में आरोपी घासीराम ने बताया कि पत्नी के साथ आए दिन विवाद होता था। उसका कैरेक्टर सही नहीं थी। मैं उसे इधर-उधर जाने से मना करता था लेकिन वह मानती नहीं थी। आए दिन इसी बात पर विवाद होता था जिसके बाद मैंने उसकी हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। घासीराम ने बेटे को बताया कि बुधवार की रात भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद मैंने तेरे मां की हत्या कर दी। पिता ने बेटे से कहा कि मुझे अपने काम पर किसी तरह का पछतावा नहीं है।

15 जिलों में यलो अलर्ट, अरपा नदी में बहा बीजेपी कार्यकर्ता

रायपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 15 जिलों के लिए आज यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बिलासपुर में कल अरपा नदी के तेज बहाव में बीजेपी कार्यकर्ता लापता हो गया। अब तक उसकी तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि वह दशगात्र में शामिल होने गया था, तभी एनिकट के पास उसका पैर फिसल गया। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायगढ़, गौरेला-पेन्ड्रा- मरवाही, सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, बलरामपुर में गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। सरगुजा संभाग के जिलों में हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

टीएस सिंहदेव और डेप्युटी सीएम के बीच हुई सीक्रेट मीटिंग

राजनीतिक हलचलें तेज, विजय शर्मा ने कहा- आप बधाई के पात्र हैं

कवर्धा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो दिग्गज नेताओं की मुलाकात के बाद राज्य की सियासत तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्य के पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव और बीजेपी सरकार के डेप्युटी सीएम विजय शर्मा की कवर्धा रेस्ट हाउस में बुधवार को मुलाकात हुई है। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच करीब 15 मिनट तक बात हुई। हालांकि बात क्या हुई इसे सार्वजानिक नहीं किया गया है। इन दोनों की मुलाकात के दौरान विधायक भी मौजूद थे।

दरअसल, डेप्युटी सीएम विजय शर्मा कवर्धा के लोहारीडीह हत्याकांड के बाद परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे। इस दौरान वह कुछ देर से लिए रेस्ट हाउस में ठहरे थे। उसी रेस्ट हाउस में

टीएस सिंहदेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस अचानक मुलाकात को लेकर लोगों ने तरह-तरह की चर्चाएं शुरू कर दी हैं। डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने टीएस सिंहदेव का स्वागत भी किया।

लोहारीडीह में बीते 15 सितंबर को आगजनी की घटना हुई थी। इसके बाद से इस मामले को लेकर सियासत तेज हो गई। बुधवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व डेप्युटी सीएम कवर्धा के दौरे पर थे। सिंहदेव लोहारीडीह केस में जेल में बंद लोगों से मुलाकात की। इस दौरान टीएस सिंहदेव ने कहा- इस केस में राजनीति नहीं होनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वह लोगों की समस्याओं को सुने और उनके लिए न्याय की मांग करें।

विजय शर्मा ने टीएस सिंहदेव की तारीफ भी की। मीडिया से चर्चा करते हुए विजय शर्मा ने कहा कि सिंहदेव जब कांग्रेस सरकार में मंत्री थे तो उन्होंने ये कहते हुए ग्रामीण विकास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था कि कांग्रेस सरकार गरीबों को पीएम आवास का लाभ नहीं दे रही है। गरीबों के आवास के लिए उन्होंने प्रयास किया इसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं। विजय शर्मा ने कहा कि राज्य में बीजेपी की सरकार आने के बाद सबसे पहले गरीबों को आवास देने का फैसला लिया। छत्तीसगढ़ को 9 लाख 37 हजार आवास मिले हैं। इसके लिए पहली किस्त भी जारी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दो लाख से अधिक आवास को पूरा कर लिया है।

शिगेरू इशिबा बनेंगे अगले प्रधानमंत्री

पार्टी अध्यक्ष का चुनाव जीता, चीन से निपटने के लिए एशिया में नाटो बनाना चाहते हैं इशिबा

टोक्यो, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जापान में रक्षा मंत्री रह चुके शिगेरू इशिबा अब देश के नए प्रधानमंत्री होंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक शुक्रवार को लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चुनाव में उन्होंने जीत दर्ज की। वे 1 अक्टूबर को संसद सत्र की शुरुआत के साथ पद संभालेंगे। दरअसल, जापान में सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री चुना जाता है। एलडीपी पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष चुने गए इशिबा अब जुलाई 2025 तक पीएम पद पर रहेंगे। इसके बाद देश में आम चुनाव होंगे।

67 साल के इशिबा ने अपनी प्रतिद्वंदी सनाए तकाइची को 21 वोटों के अंतर से हराया। इशिबा को पार्टी सदस्यों के 215 वोट हासिल हुए। इशिबा इससे पहले भी 4 बार पार्टी लीडरशिप के लिए चुनाव लड़ चुके हैं। 2012 में वे शिंजो आबे के खिलाफ भी खड़े

हुए थे, लेकिन उन्हें हर बार हार का सामना करना पड़ा। चुनाव जीतने के बाद इशिबा ने कहा, "अब पार्टी नए सिरे से खड़े होकर लोगों का भरोसा जीतेगी। मैं अपने कार्यकाल में देश की जनता से सच बोलूंगा। मैं देश को सुरक्षित और खुशहाल बनाने के लिए काम करता रहूंगा।" इशिबा जापान के रक्षा और कृषि मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 1986 में 29 साल की उम्र में पहला चुनाव जीता था। तब वे जापान की संसद के सबसे युवा सदस्य बने थे। इस बार अपने कैंपेन में इशिबा ने देश के न्यूक्लियर पावर प्लांट्स को धीरे-धीरे बंद करने का वादा किया है। इसके अलावा उन्होंने चीन और नॉर्थ कोरिया जैसे खतरों से निपटने के लिए एशिया में भी एक नाटो बनाने की बात कही है। इशिबा पीएम किशिदा के आलोचक हैं। वे एलडीपी की नीतियों से इतर जापान में महिला सम्राट बनाने की पैरवी करते हैं। इस वजह से पार्टी के कई नेता उनके खिलाफ हैं। दरअसल, एलडीपी के ज्यादातर सदस्यों का मानना है कि महिलाओं को एक मां और पत्नी के पारंपरिक कर्तव्य ही निभाने चाहिए। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 14 अगस्त को पार्टी चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी। वे 2021 में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष चुने गए थे। उनका तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में खत्म हो जाएगा। इस दौरान किशिदा पर भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप लगे हैं जिसकी वजह से उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में किशिदा की अप्रूवल रेटिंग 20% से नीचे थी। ये लगातार आठवां महीना है जब किशिदा की रेटिंग इतनी नीचे रही है। 2021 में पीएम किशिदा की रेटिंग 65% के करीब थी। शिंजो आबे की मौत के बाद उनकी रेटिंग में गिरावट आनी शुरू हुई। दरअसल आबे की मौत के बाद यूनिफिकेशन चर्च के साथ एलडीपी के संबंधों का खुलासा हुआ था। ये चर्च पार्टी को आर्थिक सपोर्ट मुहैया कराता था। बाद में इससे जुड़े कई घोटाले सामने आए। इस साल अप्रैल में स्थानीय चुनावों में एलडीपी की बुरी हार हुई थी। इसके बाद जुलाई में टोक्यो मेट्रोपॉलिटन असेंबली के उपचुनावों में भी पार्टी की करारी हार मिली।

बेल्जियम के पीएम ने पोप फ्रांसिस के सामने ही उनकी कड़ी आलोचना की

ब्रुसेल्स, 27 सितंबर (एजेंसियां)। ईसाई धर्म के सबसे बड़े धर्मगुरू पोप फ्रांसिस इन दिनों बेल्जियम दौरे पर हैं। इसे लेकर पूरे बेल्जियम में उत्साह का माहौल है। हालांकि बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने पोप फ्रांसिस के उद्घाटन समारोह में ही कुछ ऐसा कर दिया, जिसने पूरे ईसाई जगत को हैरान कर दिया है। दरअसल बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने कैथोलिक चर्च के यौन शोषण मामलों को लेकर पोप फ्रांसिस के सामने ही उनकी कड़ी आलोचना कर डाली। बेल्जियम पीएम ने पोप फ्रांसिस से यौन शोषण मामलों में सख्त कदम उठाने की मांग की।

इजराइली हमले में हिजबुल्लाह के ड्रोन चीफ की मौत

लेबनान में जंग रोकने से नेतन्याहू का इनकार, अमेरिकी दावा- पहले वे मान गए थे

यरूशलम, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने गुरुवार, 26 सितंबर को दक्षिणी लेबनान पर एयरस्ट्राइक की। इस एयरस्ट्राइक में हिजबुल्लाह की ड्रोन यूनिट के कमांडर मोहम्मद सरूर की मौत हो गई है। इजराइली अधिकारियों ने सरूर की मौत की पुष्टि की है।

दूसरी तरफ इजराइल ने लेबनान में जंग रोकने से इनकार कर दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने गुरुवार, 26 सितंबर को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि सीजफायर की रिपोर्ट्स गलत हैं। सीजफायर पर नेतन्याहू के इनकार के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने सीजफायर प्रस्ताव की घोषणा से पहले इजराइल के साथ बातचीत की थी। तब उन्होंने इसके लिए सहमति जताई थी। सीएनएन के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जीन पियरे ने कहा कि बुधवार को इजराइली पक्ष की

सहमति के बाद ही 21 दिन के सीजफायर प्रस्ताव का ऐलान किया गया था। इसके बाद अमेरिका और फ्रांस ने यूएन में इसे लेकर संयुक्त बयान भी जारी किया, लेकिन कुछ ही घंटे बाद इजराइल ने इससे इनकार कर दिया। इजराइल की हारेत्ज वेबसाइट ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से लिखा है कि नेतन्याहू और उनके करीबी मंत्रियों को सीजफायर प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी गई थी। अमेरिकी दबाव में दोनों ने इस पर सहमति भी जताई थी, लेकिन कुछ कैबिनेट मंत्रियों की तीखी आलोचना के बाद नेतन्याहू ने अपना रुख बदल दिया। अमेरिका पहुंचने के बाद पीएम नेतन्याहू ने मीडिया से कहा कि इजराइली सेना पूरी ताकत से लेबनान में लड़ाई जारी रखेगी। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम अपने सभी मकसद पूरा नहीं कर लेते।

लेबनान की स्टेट मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल ने लेबनान के यूनीन इलाके में गुरुवार को हमला किया।

जंग के बीच लेबनान में क्यों तैनात हैं भारतीय सैनिक

46 साल से यूएन पीस कीपर्स तैनात, अफ्रीका में पाकिस्तानी सैनिकों की जान बचाई थी

बेरूत, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल और लेबनान के बीच 8 दिनों से जंग जारी है। इस जंग में अब तक 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजराइल ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और ड्रोन यूनिट के कमांडरों को एयरस्ट्राइक में मार दिया है। इसी बीच इजराइल में तैनात भारतीय सेना के एक जवान को गुरुवार सुबह एयर एंबुलेंस से भारत लाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिक का नाम हवलदार सुरेश आर (33) है। वे बीते 30 दिनों से इजराइल के एक अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें सिर में चोटें आई हैं, जिसकी वजह से वो जगह और लोगों को पहचान नहीं पा रहे थे। चोट लगने की वजह साफ नहीं हुई है। सुरेश इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स में संयुक्त राष्ट्र के मिशन यूएनडीओएफ में शामिल थे। यूएनडीओएफ एक शांति सेना मिशन है , जिसका काम इजराइल और सीरिया के बीच संघर्ष विराम बनाए रखना तथा दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव कम करने की कोशिश करना है। गोलान हाइट्स के अलावा भारत के 900 जवान लेबनान में भी हैं। ये यूएनआईएफआईएल में शामिल हैं जिनका काम लेबनान और इजराइल के बीच शांति कायम रखना है। मार्च 1978 की बात है। लेबनान में मौजूद फिलिस्तीन समर्थक उग्रवादियों ने दर्जनों यहूदियों की बेरहमी से हत्या कर दी। इन हत्याओं का बदला लेने के लिए इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में आतंकियों के सफाए के लिए एक ऑपरेशन चलाया। इसके बाद दोनों देशों में जंग शुरू हो गई। इसे इजराइल की तरफ से लेबनान पर किया गया हमला कहा गया। जब यह मामला यूएन में पहुंचा तो तुरंत यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल ने इस जगह पर शांति कायम करने के लिए एक प्रस्ताव पास किया। इस प्रस्ताव के मुताबिक इजराइली सेना को फौरन लेबनान सीमा से वापस लौटने को कहा गया। जिस जगह से इजराइली सेना ने वापसी की थी, उसी जगह को यूएन ने अपनी कस्टडी में ले लिया था। तब से ही यह इलाका संयुक्त राष्ट्र के कब्जे में है। इस इलाके में यूएन की तरफ से शांति कायम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय फोर्स की तैनाती की गई। इन जवानों को संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल यानी यूएनआईएफआईएल कहा जाता है। 1978 के बाद से ही यहां यूएनआईएफआईएल की तैनाती है। दक्षिणी लेबनान में जहां यूएन फोर्स की तैनाती है, उस 110 किलोमीटर के इलाके को 'ब्लू लाइन' कहा जाता है। यह दोनों देशों के बीच एक बफर जोन है। इस समय संयुक्त राष्ट्र के पीस मिशन में 48 देशों के लगभग 10,500 पीसकीपर्स हैं। इस वक्त भारत के भी 900 पीसकीपर्स की तैनाती दक्षिणी लेबनान के इजराइल सीमा के पास तैनात है। 1999 में रिटायर्ड मेजर जनरल राजपाल पूनिया यूएन पीस मिशन में दक्षिण अफ्रीका के सिएरा लियोन में एक मिशन के लिए गए थे। यहां शांति कायम करने के लिए उन्हें स्थानीय छोटे-छोटे आतंकी संगठन के खिलाफ ऑपरेशन चलाना था।

पश्चिमी सुमात्रा में भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण ढह गई सोने की खदान

15 की मौत, सात लापता

जकार्ता, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत में भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण एक अवैध सोने की खदान ढहने से 15 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बचावकर्मी सात लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इंडोनेशिया में अवैध खनन अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनता रहा है। यहां खनिज संसाधन दूरदराज इलाकों में स्थित है। प्रांतीय आपदा एजेंसी के प्रमुख इर्वान इफेंदी ने कहा, गुरुवार की शाम को सोलोक जिले में भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण अवैध सोने की खदान ढह गई। बचाव कर्मियों को घटनास्थल पर पहुंचने में आठ घंटे लग गए, क्योंकि सड़क मार्ग से यहां पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने आगे बताया कि पीड़ित स्थानीय निवासी हैं, जो हाथों से ही नन करते हैं। अनुमान लगाया जा रहा कि खदान ढहने के समय वहां 25 लोग मौजूद थे, जिनमें से 15 की मौत हो गई।

वुहान के पास डूबी चीन की परमाणु पनडुब्बी

सैटेलाइट इमेज में नजर नहीं आ रही, अमेरिका बोला- ड्रैगन के लिए यह शर्मनाक

बीजिंग, 27 सितंबर (एजेंसियां)। चीन की एक परमाणु पनडुब्बी वुहान के पास वुचांग शिपयार्ड में डूब गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सैटेलाइट के हवाले से इसकी जानकारी दी। डूबने वाली पनडुब्बी झाओ क्लास की थी और परमाणु ऊर्जा से चलती थी। घटना मई या जून में हुई थी, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है।

अमेरिका के कई अधिकारियों ने भी पनडुब्बी के डूबने का दावा किया है। हालांकि चीन ने अब तक इस मामले की पुष्टि नहीं की है। वॉशिंगटन में चीनी ऐम्बेसी के प्रवक्ता ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके पास इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं है।

16 मई के बाद लापता हुआ सबमरीन

10 मार्च को मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट इमेज में झाउ-क्लास सबमरीन को वुहान के पास शिपयार्ड में खड़ा देखा गया था। इस सबमरीन को उसकी लंबी टेल से पहचाना जाता है। इसके बाद इसे प्लैनेट लैब्स

की सैटेलाइट इमेज में 16 मई को भी देखा गया। जून के आखिर में यहां की फिर से तस्वीरें ली गईं, जिसमें इसे नहीं देखा गया।

सैटेलाइट इमेज पर रिसर्च करने वाले टॉम शुगार्ट ने सबसे पहले इसकी जानकारी दी। शुगार्ट ने कहा कि पहले उन्हें लगा कि कोई पनडुब्बी डूब गई होगी, लेकिन बाद में पता चला कि वह चीन की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी थी। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह पता नहीं चल पाया है कि इसके डूबने का कारण क्या था। जब ये डूबी तब उसमें न्यूक्लियर फ्यूल था या नहीं इसकी भी जानकारी नहीं है। इस हादसे में कोई हताहत हुआ या नहीं इसका भी पता नहीं चला है।

एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि चीन का डिफेंस सेक्टर भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। यह घटना पीएलए की जवाबदेही पर सवाल खड़े करती है। एक दूसरे अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह बीजिंग के लिए एक शर्मिंदगी की तरह है, जो नेवी के विस्तार में जुटा हुआ है।

इससे पहले पिछले साल अगस्त में भी चीन की एक परमाणु पनडुब्बी में 55 सैनिकों की मौत का दावा किया गया था। चीनी पनडुब्बी पीले सागर में एक बैरियर से टकरा गई थी, जिसकी वजह से उसका ऑक्सीजन सिस्टम फेल हो गया था। इसके बाद दम घुटने से सैनिकों के मारे जाने की खबर आई थी। हालांकि चीनी अधिकारियों ने किसी भी हादसे से इनकार किया था।

चीन मिलिट्री पावर रिपोर्ट 2023 के मुताबिक चीन के पास 6 न्यूक्लियर फ्यूल बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी, 6 न्यूक्लियर फ्यूल पावर अटैक पनडुब्बी और 48 डीजल अटैक पनडुब्बी थीं। परमाणु पनडुब्बी दो तरह की होती हैं। बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी और अटैक पनडुब्बी। बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी ज्यादा ताकतवर होती है। वहीं, अमेरिका के पास 53 तेज गति से हमला करने वाली पनडुब्बी, 14 बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी और चार गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी हैं। अमेरिका का पूरा पनडुब्बी बेड़ा परमाणु ऊर्जा से चलता है। चीन अपनी पनडुब्बियों की संख्या को साल 2025 तक 65 और साल 2035 तक 80 तक ले जाना चाहता है।

तुरंत रजिस्ट्रेशन कराएं, चीन में रहने वाले भारतीयों को दूतावास ने दिया निर्देश

बीजिंग, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने चीन में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को दूतावास में पंजीकरण कराने की सलाह दी है। यह पंजीकरण भविष्य में भारतीय दूतावास से प्राप्त होने वाली सभी सेवाओं के लिए आवश्यक होगा। दूतावास द्वारा जारी एक परामर्श में कहा गया है कि भारतीयों को दूतावास संबंधी सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए यह सलाह दी जाती है कि चीन में रहने वाले सभी भारतीय नागरिक, जिनमें छात्र भी शामिल हैं, पंजीकरण कराएं।

परामर्श में कहा गया है कि वेबसाइट पर पंजीकरण फॉर्म सफलतापूर्वक जमा करने पर, आवेदक का नाम, पासपोर्ट नंबर

और पंजीकरण संख्या वाला पंजीकरण दस्तावेज स्वचालित रूप से डाउनलोड करने योग्य पीडीएफ प्रारूप में तैयार हो जाएगा और पंजीकरण फॉर्म भरने की प्रक्रिया के दौरान आवेदक द्वारा प्रदान की गई पंजीकृत ईमेल आईडी पर भी भेज दिया जाएगा। सभी भारतीय नागरिकों को दूतावास संबंधी किसी भी सेवा, पासपोर्ट नवीनीकरण, दस्तावेजों के सत्यापन, पुलिस मंजूरी प्रमाण पत्र, जन्म और विवाह पंजीकरण के लिए अपने आवेदन के साथ पंजीकरण दस्तावेज संलग्न करने को कहा गया है।

तालिबान बोला-अफगानिस्तान में महिलाओं से भेदभाव नहीं होता

उन्हें सारे अधिकार मिले, हॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा था- गिलहरी और बिल्लियां अफगानी महिलाओं से ज्यादा आजाद

काबुल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। तालिबान ने चर्चित हॉलीवुड अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप के अफगान महिलाओं को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होता है। ऐसे आरोप लगाना बेतुका है। तालिबान प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं को मानवाधिकार की रक्षा की जाती है। किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता है। कुछ महिलाएं तालिबान के खिलाफ दुष्प्रचार करती हैं। तालिबान के एक और प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने बीबीसी से कहा कि महिलाओं को उन अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सका, जो इस्लाम ने उन्हें दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंध इस्लामी

शरीयत कानून के मुताबिक हैं। इससे पहले मेरिल स्ट्रीप ने ने यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली में सोमवार को भाषण दिया था। उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान में महिलाओं से ज्यादा बिल्ली और गिलहरियों के पास आजादी है। स्ट्रीप ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद से महिलाओं पर कई प्रतिबंध लाद दिए गए हैं। अफगानिस्तान में जानवर भी आजाद घूम सकते हैं, अफगान महिलाओं को छिपने के लिए मजबूर किया जाता है। यह बेहद अजीब है और प्रकृति के नियमों के भी खिलाफ है। मेरिल स्ट्रीप ने कहा कि जिस तरह से अफगानिस्तान में सामाजिक पतन हुआ है वह दुनियाभर के लिए एक सबक है। वहां 70 के दशक में महिलाएं जज होती थीं, वकालत करती थीं। लगभग हर फील्ड में नौकरी कर रही थीं। अब उनके सारे अधिकार छीन लिए गए हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि एक बिल्ली अपने दरवाजे पर बैठ सकती है। अपने चेहरे पर सूरज की रोशनी महसूस कर सकती है। वह पार्क में गिलहरी का पीछा कर सकती है। एक पक्षी काबुल में गा सकती है, लेकिन एक लड़की ऐसा नहीं कर सकती है। वे सड़कें, पार्क और सार्वजनिक जगह, जो कभी उनके लिए खुले थे, अब उनसे छीन लिए गए हैं। अब वहां ऐसा दम घोंटने वाला सिस्टम बन चुका है जो उन्हें जीवन की बुनियादी खुशियां भी हासिल नहीं करने देता।

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में हिंदी पखवाड़ा

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप - केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में हिंदी पखवाड़ा उत्साह के साथ मनाया गया। बाबुल कुमार सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ ग्रेड) की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा कर्मचारियों के लिए हिंदी में भाषण, अनुवाद, गायन, निबंध-लेखन, प्रश्नोत्तरी जैसी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों की कुल भागीदारी 71 रही । सितंबर 26 को आयोजित समापन समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

आधिकारिक कार्यों में हिंदी भाषा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश की एक प्रति भेंट की गई। पिछले वर्ष हिन्दी में प्रकाशित सर्वोत्तम वैज्ञानिक लेख को भी पुरस्कृत किया गया।

मोहम्मद यूनुस ने माना- हसीना को साजिश के तहत हटाया

कहा- छात्र नेताओं ने प्लानिंग के साथ आंदोलन चलाया, वे देश को बदलेंगे

ढाका, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने मान लिया है कि शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए साजिश रची गई थी। अमेरिका में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव की मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनुस ने बांग्लादेश के छात्र नेताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे लोग बांग्लादेश का नया रूप तैयार कर रहे हैं।

मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनुस ने कहा, "यह प्रदर्शन बेहद अच्छे से प्लान किया एक आंदोलन था, जिसमें किसी एक शख्स लीडर बनाकर गिरफ्तार नहीं किया गया। इस वजह से पूरे देश के युवाओं को प्रेरणा मिली और यह आंदोलन और भी शक्तिशाली बन गया।"

इसके बाद यूनुस ने मीटिंग में अपने असिस्टेंट महफूज आलम

का परिचय देते हुए कहा कि इसके लिए हम दोनों जिम्मेदार थे। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, चीफ एडवाइजर ने कहा कि अगर आप इन स्टूडेंट लीडर्स के चेहरों को देखेंगे तो ये आम युवाओं की तरह देखेंगे। लेकिन जब ये बोलना शुरू करेंगे तो आप कांप जाएंगे। इन्होंने अपने भाषणों और अपने समर्पण से पूरे देश को हिलाकर रख दिया।" यूनुस ने कहा, "पूरे आंदोलन के पीछे महफूज का दिमाग था। हालांकि, वह इस बात को नकारता रहता है, लेकिन इसी तरह से उसे पहचान मिली है। यह आंदोलन अचानक से नहीं शुरू हुआ। इसे पूरे अहतियात के साथ डिजाइन किया गया था। आंदोलन की लीडरशिप भी इसी के तहत तैयार की गई थी। किसी को नहीं पता कि यह लीडर कौन था।"

इसके बाद यूनुस ने सभी छात्र नेताओं के लिए तालियां बजवाईं और आगे के लिए शुभकामनाएं दीं। रिपोर्ट के मुताबिक, चीफ एडवाइजर ने शेख हसीना की सरकार के दौरान छात्र नेताओं पर हुए हमलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये नेता गोलीबारी के बावजूद पूरी बहादुरी के साथ खड़े रहे। यूनुस के इस भाषण के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन उनके बगल में मौजूद थे। बांग्लादेश में हिंसा के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना 5 अगस्त को भारत आ गई थीं। उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 22 अगस्त को अंतरिम सरकार ने हसीना और उनके परिवार के लोगों के डिप्लोमैटिक पासपोर्ट भी रद्द कर दिए थे।

भारत को लेकर नरम पड़े मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के तेवर

कहा- कभी नहीं चलाया 'इंडिया आउट' एजेंडा

माले, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ तल्ख तेवर दिखाते रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अब कुछ नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने 'इंडिया आउट' एजेंडा चलाने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि, द्वीपीय देश की धरती पर विदेशी सेना की मौजूदगी एक 'गंभीर समस्या' है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचे राष्ट्रपति मुइज्जू ने गुरुवार को प्रिंसटन विश्वविद्यालय के डीन लीडरशिप सीरीज के एक कार्यक्रम में पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। मालदीव के समाचार पोर्टल adhadhu.com ने राष्ट्रपति के हवाले से लिखा कि, हम कभी भी बिंदु पर, किसी एक देश के खिलाफ नहीं रहे हैं। यह भारत को बाहर निकालने का एजेंडा नहीं है। मालदीव को अपनी धरती पर विदेशी सैन्य उपस्थिति के कारण गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है। मुइज्जू ने कहा, मालदीव के लोग देश में एक भी विदेशी सैनिक नहीं चाहते हैं। पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में काफी तनाव देखने को मिला है। मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह इंडिया द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानों का संचालन करने वाले लगभग 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। उनकी जगह डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टरों का संचालन करने के लिए असैन्य कर्मियों को नियुक्त किया था।

भारत से रिश्ते सुधारने में जुटा तुर्किये?

यूएन में नहीं अलापा कश्मीर राग, गाजा पर फोकस

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्किये भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने में जुटा हुआ है। ऐसा इसलिए कि तुर्किये के राष्ट्रपति रैकप तैयप एर्दोगन ने इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर मुद्दे का जिक्र नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र में उनका भाषण गाजा की स्थिति पर फोकस रहा। जहां हमास के खिलाफ इस्राइली हमले में अब तक 40 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। दरअसल, 2019 में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद एर्दोगन ने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की वकालत की थी। इसके साथ ही उन्होंने हर साल संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे का जिक्र जरूर किया। मगर इस बार एर्दोगन ने गाजा में फलीस्तिनियों की स्थिति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र पर लोगों की मौत को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। एर्दोगन ने एक बार फिर कहा कि दुनिया पांच से बड़ी है। गाजा दुनिया में बच्चों और महिलाओं के लिए सबसे बड़ा कब्रिस्तान बन गया है। उन्होंने अमेरिका और प्रमुख यूरोपीय संघ के देशों सहित पश्चिमी देशों से इन मौतों को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया। एर्दोगन का कश्मीर मुद्दे को छोड़ने का रुख तब सामने आया है कि तुर्किये ब्रिक्स देशों के समूह का सदस्य बनने की कोशिश कर रहा है।

गहलोत बोले–एसओजी रिपोर्ट में मंत्री गजेंद्र सिंह आरोपी थे

> *सत्ता परिवर्तन के बाद यू-टर्न लिया* > *रिटायर्ड जज से कराएं संजीवनी केस की जांच*

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को हाईकोर्ट से संजीवनी मामले में क्लीन चिट मिलने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एसओजी पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने बयान जारी कर कहा- संजीवनी प्रकरण को लेकर केंद्री मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मामले में हाईकोर्ट का फैसला अदालत के सामने अब एसओजी की तरफ से रखे गए तथ्यों के आधार पर आया है।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद एसओजी ने हाईकोर्ट में यू-टर्न ले लिया। इस केस के जांच अधिकारी को भी हटा दिया गया और भाजपा सरकार के नामित सरकारी वकीलों ने भी केंद्रीय मंत्री का ही पक्ष लिया। अब राज्य में सरकार बदलने के बाद एसओजी पर भाजपा सरकार ने दबाव बनाया जिसके कारण एसओजी ने कोर्ट में यू-टर्न लिया और इन्हें आरोपी नहीं माना है।

हाईकोर्ट ने मंत्री की याचिका के **अनुरूप एफआईआर को रद्द नहीं किया**

गहलोत ने एक्स पर लिखा- इस सबके बावजूद हाईकोर्ट ने मंत्री की याचिका के अनुरूप एफआईआर को रद्द नहीं किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की इजाजत लेकर आगे कार्रवाई की जा सकती है। एसओजी ने 12 अप्रैल 2023 को सरकारी वकील को लिखे गए पत्र इस केस की तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजी। इसके पेज नंबर 7 पर केंद्री मंत्री गजेंद्र शेखावत और उनके परिजनों की अपराध में संलिप्तता होने की बात लिखी और आरोपी माना। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि जिन कंपनियों की संलिप्तता संजीवनी घोटाले में है उनसे गजेंद्र सिंह शेखावत का सीधा संबंध है।

शेखावत के प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं था

गहलोत ने लिखा- इस केस के सैकड़ों पीड़ितों ने मुझसे मुलाकात की तब मैंने एसओजी से इस मामले की जानकारी मांगी। तब एसओजी ने गृहमंत्री के रूप में मुझे इन तथ्यों और इस प्रकरण की प्रगति से अवगत करवाया। मेरा गजेंद्र शेखावत के प्रति कोई व्यक्ति द्वेष नहीं था। एसओजी की इस ब्रीफिंग के आधार पर ही मैंने मीडिया के सामने शेखावत और उनके परिजनों पर लगे आरोपों की जानकारी सामने रखी। शेखावत ने कल भी अपने बयानों में अपनी स्वर्गीय माताजी पर लगे आरोपों का जिक्र किया। मेरा उनकी स्वर्गीय माताजी के प्रति पूरा सम्मान है लेकिन राज्य के गृहमंत्री के रूप में मेरे सामने लाए गए तथ्यों को पीड़ितों और जनता के सामने रखा जाना मेरा कर्तव्य था।

दो फीट जमीन के लिए हत्या

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र के भाकरीवाला गांव में 11 साल पुराने हत्या के मामले में कोर्ट ने 3 महिलाओं समेत 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शरद तंवर ने बीते दिन गुरुवार को मामले में फैसला सुनाया, जिसमें कुनाराम बावरी की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए व्यक्तियों को कड़ी सजा दी गई। कुनाराम की हत्या सिर्फ दो फीट जमीन के लिए कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार मृतक कुनाराम बावरी (52) का अपने चाचा भागचंद बावरी के परिवार से 2 फीट जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

रूपनगढ़ फायरिंग मामले में 10 आरोपी हिरासत में

50 हजार के पांच इनामी आरोपी अब भी फरार

अजमेर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले के रूपनगढ़ में बीते दिनों जमीनी विवाद में हुई फायरिंग बेकसूर वेल्डिंग करने वाले शकील शेख की मृत्यु हो गई थी, जबकि नारायण कुमावत नाम का व्यक्ति गोली लगने से जख्मी हो गया था, जिसका जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में इलाज जारी है।

मामले में अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के सुपरविजन में अजमेर पुलिस ने फायरिंग कर हत्या करने वाली गैंग के 6 आरोपियों और वारदात में शामिल बदमाशों की मदद करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इसके अलावा पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त 10 वाहनों को भी जब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि रूपनगढ़ स्थित जैन छात्रावास के सामने बेशकीमती सरकारी जमीन पर बलवाराम चौधरी ग्रुप और उसके रिश्तेदारों द्वारा पर कब्जे की नीयत से 22 सितंबर को अंधाधुंध फायरिंग की गई थी, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई थी। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पांच बदमाशों के खिलाफ नकद राशि का इनाम भी रखा गया था। आईजी और एसपी के द्वारा 40 पुलिसकर्मियों की टीम का गठन किया गया था पुलिस ने 9 दिनों के भीतर हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य इनामी बदमाशों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। मामले में पुलिस द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में बलवाराम चौधरी के भांजे दिनेश चौधरी उसके साथी हनुमान जाट, नरेश जाट, पुखराज जाट पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि पुलिस फायरिंग करने वाले गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार करने में लगी है। अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वही अजमेर रेंज आईजी ओमप्रकाश के आदेश पर फायरिंग की वारदात में फरार आरोपी राजवीर, पुखराज, दिनेश जाट व हनुमान के ऊपर 50-50 हजार रुपये के इनाम की राशि घोषित की गई है।

मोर्चरी में हुई शवों की अदला-बदली टैगिंग के बावजूद सौंपा गलत शव

बीकानेर , 27 सितंबर (एजेंसियां)। पीबीएम अस्पताल मोर्चरी में पर डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही उस वक्त सामने आई जब मोर्चरी में रखे दो शवों की अदला-बदली हो गई। हैरत की बात है कि शवों पर टैग लगा होने के बावजूद आपस में बदल कैसे गए? प्राप्त जानकारी के अनुसार भटिंडा के रहने वाले एक युवक को नागौर खुनखुना थाना पुलिस गंभीर रूप से घायल अवस्था में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल लेकर आई थी, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसी दौरान नोखा पुलिस भी एक लावारिस लाश को लेकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी लेकर पहुंची थी। नोखा पुलिस ने लावारिस शव का पोस्टमार्टम करवा दिया था, जबकि भटिंडा वाले मृतक के परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाना चाहते थे, जिसके लिए परिजनों ने लिखित सहमति भी पुलिस को दी थी। भटिंडा वाले मृतक के परिवार वाले जब शव को लेकर रवाना हुए तो कुछ दूर जाने पर उन्हें कुछ शक हुआ। उन्होंने जब शव का चेहरा देखा तो शव किसी और का था, ये देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद आनन-फानन में सदर थाना पुलिस ने शवों को उनके सही परिजनों तक पहुंचाया। हैरत की बात है कि मोर्चरी में मृतकों बॉडी पर टैगिंग सिस्टम होने के बावजूद भी ऐसी गफलत कैसे हुई? मोर्चरी में इस तरह की लापरवाही ने अस्पताल पर भी सवालिया निशान उठाए हैं।

क्लीन चीट मिलने के बाद शेखावत हुए मुखर

कहा-गहलोत ने कभी नहीं चाहा कि पीड़ितों को न्याय मिले

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पीड़ितों को न्याय दिलाने की नीयत कभी नहीं रही। वो पहले भी इस प्रकरण को लेकर राजनीति कर रहे थे और अब भी वही कर रहे हैं। अब जब मानहानि में खुद को फंसता देख रहे हैं तो उन्हें मेरी दिवंगत मां का सम्मान भी याद आ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि संजीवनी प्रकरण में हाईकोर्ट से मुझे मिली क्लीन चिट से अशोक गहलोत व्यथित हो उठे हैं। जब तक वो सत्ता में थे, सरकार के संसाधनों का दुरुपयोग कर मुझे फंसाने की कोशिशें करते रहे। मुझे फंसाने के लिए उन्होंने वकीलों पर सरकारी कोष से 40 करोड़ रुपये खर्च कर दिए, लेकिन जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर कर जवाब दिया। शेखावत ने कहा कि बड़े आश्चर्य की बात है कि अब उन्हें मेरी दिवंगत मां के सम्मान की याद आ रही है। जब उन्होंने मेरी दिवंगत मां को लेकर अनर्गल बयानबाजी की थी, तब क्यों उनके मन में ऐसा सम्मान नहीं आया। अब जब कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस और मजबूत हो गया है तो उन्हें कानून का डर सता रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत को हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश से एसआईटी गठन कर एसओजी की जांच की याद आ रही है।

साफ है कि उन्हें सरकारी एजेंसियों पर कतई भरोसा नहीं है। शेखावत ने कहा कि भारत के संविधान और न्याय व्यवस्था पर मुझे पूरा भरोसा है। दुर्भावना के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने विरोधियों के खिलाफ जो षड्यंत्र रचे, उसकी सजा उन्हें शीघ्र मिलेगी।

सरकारी दावे धरे रह गए, दौसा में डेंगू से महिला डॉक्टर की मौत

दौसा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी दावे धरे रह गए और एक डॉक्टर की डेंगू से मौत हो गई। यह मामला दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा उप जिला अस्पताल का है, जहां डॉक्टर ज्योति मीणा चिकित्सक के रूप में लगभग 1 साल से अपनी सेवाएं दे रही थीं। बीते दिनों उनकी डॉक्टर ज्योति की अचानक तबीयत बिगड़ी, जिसके चलते उन्हें तुरंत जयपुर के अपेक्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

लालसोट के सीएमओ डॉक्टर पवन जैन ने बताया कि तीन दिन पहले डॉक्टर ज्योति मीणा इलाज के लिए अपेक्स हॉस्पिटल जयपुर में भर्ती हुई थीं, जहां उनकी प्लेटलेट्स की संख्या लगातार गिरती गई और यह 12,000 रह गई। इस कारण उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट किया गया। आईसीयू में भर्ती होने के बाद भी डॉक्टर ज्योति मीणा की स्थिति में लगातार गिरावट होती रही और फिर उनकी मौत हो गई। डॉ. ज्योति मीणा की एक डेढ़ साल की बेटी है, और उनके पति डॉ. धर्म सिंह मीणा रामगढ़ पचवारा उप जिला अस्पताल में ही ईएनटी स्पेशलिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में उनकी बेटी भी डेंगू से पीड़ित थी, लेकिन वह स्वस्थ हो गई थी। अफसोस की बात है कि डॉ. ज्योति खुद डेंगू की चपेट से नहीं बच सकीं। डॉ. मीणा के निधन से चिकित्सा महकमे में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब मौसमी बीमारियों का प्रकोप इतना बढ़ चुका है, तो सरकारी दावे कैसे विफल हो गए, खासकर जब एक डॉक्टर की जान डेंगू के चलते चली गई। इससे चिकित्सा विभाग भी लाचार नजर आया।

राजस्थान में भाजपा को झटका : सदस्यता अभियान में सबसे कमजोर रहा रिपोर्ट कार्ड

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान ने राजस्थान में सत्ता और संगठन दोनों की कलई खोल दी। भाजपा शासित राज्य होने के बाद भी सदस्यता अभियान में राजस्थान की स्थिति सबसे खराब बताई गई। सिर्फ संगठन ही नहीं, मंत्रियों की स्थिति भी इसमें खराब नजर आई है।

यहां तक की मुख्यमंत्री का गृह जिला भरतपुर भी सदस्यता अभियान में टॉप 5 में शामिल नहीं हो सका। सदस्यता अभियान पार्टी का यह प्रदर्शन हाईकमान के चिंता का कारण बन गया है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रदेश में बड़ा झटका लगा था। अब पार्टी सदस्यता अभियान में भी पिछड़ गई है, जबकि कुछ समय बाद प्रदेश में कई सीटों पर उपचुनाव भी होने हैं। राजस्थान में जल्द ही सात

अहम सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें खींवसर, चौरासी, दौसा, देवली उनियारा, दौसा, रामगढ़, सलूंबर और झुंझुनू विधानसभा सीट शामिल है।

लेकिन, सदस्यता अभियान में इन विधानसभा सीटे वाले जिले रैंकिंग में बहुत ज्यादा पिछड़े हुए हैं। खास बात यह है कि भाजपा नेता उपचुनाव 7-0 से जीतने का दावा कर रहे हैं। लेकिन, सदस्यता अभियान इन दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है।

जिला परिषद से लेकर पार्षद तक जुड़ेंगे अभियान से

सदस्यता अभियान के तहत प्रदेश में भाजपा को 15 अक्टूबर तक सवा करोड़ सदस्य बनाने हैं। अभियान का पहला चरण 25 सितंबर को खत्म हो गया, लेकिन भाजपा प्रदेश में अभी तक 23 लाख ही सदस्य बना पाई है। अभियान का दूसरा चरण एक अक्टूबर से शुरू होगा। ऐसे में अभियान को रफ्तार देने के लिए अब भाजपा जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और पार्षदों को भी सदस्यता अभियान से जोड़ने जा रही है।

नवंबर में हो सकते हैं चुनाव

आम तौर पर विधानसभा सीट खाली होने के 6 महीने में उपचुनाव करवा दिए जाते हैं। राजस्थान में जिन 7 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। उनमें से पांच सीटें तो मई में ही खाली हो गई थीं। हालांकि, इन सभी की शपथ 25 जून को हुई थी। लेकिन, विधानसभा से इनके इस्तीफे इससे करीब दो सप्ताह पहले हो गए थे। इस लिहाज से भी देखा जाए तो नवंबर तक उपचुनाव करवाने होंगे। इधर, निर्वाचन विभाग की टीम भी पिछले दिनों उपचुनावों वाली जगहों का दौरा करके आ चुकी है।

दो युवकों के साथ मारपीट के बाद गर्माया माहौल

राजसमंद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजसमंद में कल रात दो युवकों के साथ मारपीट की घटना के बाद माहौल गर्मा गया। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने वाहनों के शीशे फोड़ दिए। जानकारी मिलने के कुछ ही समय में एएसपी महेन्द्र पारिक, डीवाईएसपी विवेक सिंह, कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनवंत सिंह सोढा, राजनगर पुलिस थाना इंचार्ज रमेश मीणा सहित नाथद्वारा डीवाईएसपी व बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। घटना से गुस्साए लोगों और हिंदू संगठनों ने देर रात राजनगर थाने पहुंचकर आरोपियों को पकड़ने की मांग की।

एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर पंजा खाते दिखा कुत्ता

अस्पताल के अंदर से लेकर आया कटा पैर; 4 महीने में दूसरी घटना

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के बाहर एक कुत्ता इंसान का कटा हुआ पंजा खाते हुए दिखा। यह देखकर आसपास मौजूद लोग चौंक गए और उसका वीडियो बनाने लगे। घटना हॉस्पिटल के गेट नं-2 के सामने गुरुवार शाम करीब 6 बजे की है। लोगों का कहना था कि कुत्ता हॉस्पिटल के अंदर से ही कटा हुआ पैर लेकर आया था। 4 महीने में यह दूसरा मामला है, जब कुत्ता इंसानी शरीर के कटे हुए अंग को खुले में लेकर घूमता और नोचता दिखा।

पंजा कहां से आया, इसकी जांच करवा रहे

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ का कहना है कि कुत्ते के पास मानव अंग मिलने की सूचना मिली है। ये एसएमएस की मैन बिल्डिंग के सामने का बताया जा रहा है। प्रशासन इसकी जांच करवा रहा है कि ये आया कहां से है। हमारे यहां नियम है कि मानव अंग को डिस्पोजल के लिए मॉर्च्युरी में रखवाया जाता है और फिर इसे साइंटिफिक तरीके से डिस्पोज किया जाता है। घटना के 15 घंटे बाद भी एसएमएस अस्पताल प्रशासन कटे पंजे के बारे में कोई जानकारी नहीं जुटा पाया है। कुत्ते के हॉस्पिटल में गेट नंबर 2 तक पंजा लेकर आना बड़ी बात है, क्योंकि इससे कई मीटर दूर तक ऑपरेशन थिएटर नहीं है। ऑपरेशन थिएटर भी मेन बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर है। अब प्रशासन सीसीटीवी फुटेज के जरिए जांच करने की तैयारी कर रहा है।

4 महीने पहले हाथ उठा लाया था कुत्ता

इससे पहले 23 जून को ट्रॉमा सेंटर में भी ऐसा ही एक मामला हुआ था। तब एक कुत्ता मुंह में एक व्यक्ति का कटा हुआ हाथ लेकर घूमता दिखा था। हॉस्पिटल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 30 मिनट बाद कुत्ते के मुंह से हाथ रिकवर कर लिया था। इस घटना के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया था। जांच में सामने आया था कि श्रेसर में आने के कारण एक व्यक्ति का का हाथ कोहनी के पास से कट गया था। इस पर परिजन उसे एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में लेकर आए। यहां डॉक्टर्स ने मेडिकल इश्यू बताया और हाथ नहीं लगने की बात कही। इसके बाद मरीज के साथ आए परिजन ने हाथ को बिना किसी को सूचित किए हॉस्पिटल के बाहर डस्टबिन में फेंक दिया था।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर में खाद्य सुरक्षा टीम की बड़ी कार्रवाई, 2 हजार किलो लड्डू नष्ट किए

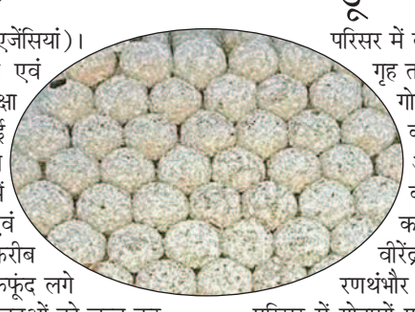

सवाई माधोपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर परिसर में स्थित प्रसाद की दुकानों एवं भंडार गृह तथा गोदामों से करीब 2000 किलो से भी अधिक फफूंद लगे एवं खराब हो चुके बेसन के लड्डुओं को जब्त कर नष्ट करवाया। सवाई माधोपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम की ये अब तक कि सबसे बड़ी कार्रवाई है । तिरुपति बालाजी मंदिर सहित देश भर के कई मंदिरों में प्रसाद को लेकर उठे विवाद के बाद राजस्थान सरकार भी मंदिरों में चढ़ाए जाने वाले प्रसाद को लेकर पूरी तरह एक्शन में दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में सवाई माधोपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मसिंह मीणा के निर्देश पर रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में चढ़ाए जाने वाले प्रसाद को लेकर कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान टीम ने मंदिर परिसर में बनी दुकानों एवं प्रसाद भंडार गृह तथा दुकानों के सीज किए गए गोदामों से खराब एवं फफूंद लगे करीब दो हजार किलो से भी अधिक बेसन के लड्डू एवं कच्चा माल जब्त करके नष्ट करवाया। खाद्य सुरक्षा निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि टीम ने रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर परिसर में गोदामों एवं भंडार गृह को खुलवाकर उनमें रखे खराब व फफूंद लगे करीब दो हजार किलो से भी अधिक बेसन के लड्डू व बेसन के चूरे को नष्ट करवाया है। गौरतलब है कि इसी माह में 6 , 7 और 8 सितंबर को रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश का तीन दिवसीय लक्खी मेला आयोजित हुआ था, जिसके लिए दुकानदारों ने पहले ही अधिक मात्रा में प्रसाद तैयार कर लिया था लेकिन आशा के अनुरूप श्रद्धालुओं के नहीं आने के कारण प्रसाद रखा रह गया और उसमें फफूंद आ गई। रही-सही कसर मन्दिर ट्रस्ट ने पूरी कर दी। ट्रस्ट ने आगामी दो अक्टूबर तक मंदिर में मरम्मत कार्य को लेकर को श्रद्धालुओं के लिए मंदिर बंद कर दिया है।

सीईटी की पहली पारी का पेपर ख़त्म

भरतपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में सीईटी के पेपर के लिए 55 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 27 और 28 सितंबर करीब 60 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की प्रथम पारी की परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू हुई, जो 12 बजे ख़त्म हुई। सुबह 8 बजे के बाद परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों की एंट्री बंद कर दी गई। सेंटर में प्रवेश के दौरान सभी अभ्यर्थियों की गहनता से चेकिंग की गई। कई लड़कों के शर्ट और टी-शर्ट तक उतरवा लिया गए। अब दूसरी पारी का पेपर 2 बजे से होगा। जिसके लिए अभ्यर्थियों को 1 बजे तक ही सेंटर में प्रवेश दिया जाएगा। सुबह सभी सेंटरों पर परीक्षार्थियों की काफी भीड़ देखने को मिली। सभी परीक्षार्थियों को लाइन में लगाकर प्रवेश दिया गया।

कश्मीर में जवान की मौत, बीकानेर में नेशनल हाईवे रोका

शहीद का दर्जा, अधिकारी पर कार्रवाई की मांग; 2 दिन बाद भी बॉडी लेने से इनकार

बीकानेर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) के अनंतनाग में बीकानेर के जवान की मौत के मामले में जयपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे 24 घंटे से जाम है। परिवार और समाज के प्रतिनिधि जवान को शहीद का दर्जा देने की मांग कर रहे है। बिना कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के जवान की मौत को सुसाइड बताने वाले सैनिक कल्याण अधिकारी भी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

दरअसल, बीकानेर के पांचू के रहने वाले जवान रामस्वरूप कस्वां (24) की 25 सितंबर को अनंतनाग में गोली लगने से मौत हुई थी। प्रारंभिक तौर पर सामने आया था कि ऑन ड्यूटी फायरिंग के दौरान जान गई, जिसे बाद में सुसाइड बताया गया। परिजनों का मानना है कि जवान की मौत ऑन ड्यूटी हुई है, ऐसे में उसे शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। जवान की बॉडी लेने से भी परिवार ने इनकार कर दिया था।

नेशनल हाईवे का रूट डायवर्ट किया

नेशनल हाईवे- 11 (बीकानेर-जयपुर) पर गुरुवार दोपहर 12.30 से परिवार व अन्य लोग बैठे हुए हैं। नेशनल हाइवे जाम होने से बीकानेर शहर के अन्य मार्ग प्रभावित हुए हैं। बस और ट्रक जयनारायण व्यास कॉलोनी और सार्दुल कॉलोनी से होकर निकल रहे हैं। उधर, छोटे वाहनों को पब्लिक पार्क के अंदर से निकाला जा रहा है। स्कूल बस और ऑटो को भी आज सुबह परेशानी का सामना करना पड़ा। धरने पर आज नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और चूरू सांसद राहुल कस्वां के पहुंचने की संभावना है।

पहले शहीद की तरह अंतिम संस्कार की तैयारी

पांचू के पूर्व प्रधान भंवरलाल ने कहा कि प्रशासन ने पहले जवान को शहीद बताया था। उसी तरह गुरुवार सुबह तक अंतिम संस्कार की तैयारी की गई थी। एसडीएम और तहसीलदार खुद मौके पर आए थे। अंतिम संस्कार के लिए जगह देख रहे थे। गांव में एक जगह फाइनल भी की गई थी। शाम को जब जिला सैनिक अधिकारी ने सुसाइड का पत्र जारी किया तो सारी पिक्चर ही उलट गई। इससे समाज की गरीमा को ठेस पहुंची है। ग्रामीण और परिजनों को सेना के अधिकारियों ने वार्ता के लिए बुलाया था लेकिन उनसे मिलने कोई नहीं गया। जिला प्रशासन ने भी दोनों पक्षों में वार्ता का प्रयास किया लेकिन सहमति नहीं हो सकी। इसके बाद गुरुवार देर शाम जिला कलेक्टर के साथ प्रतिनिधि मंडल की वार्ता हुई लेकिन इसमें सहमति नहीं बन पाई। अब शुक्रवार को फिर से सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत का प्रयास हो सकता है।

भाई बोला-उसे डिप्रेशन नहीं था

जवान के भाई सैन्यकर्मी श्रीराम कस्वां ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया- 25 सितम्बर को सुबह 8.26 बजकर रामस्वरूप (जवान) ने पिता और मेरी बेटी से बात की थी। उसकी बातों से कोई डिप्रेशन नहीं दिखा। 10 मिनट लगातार बात की थी।

दमरे भारत स्काउट्स और गाइड्स ने राज्य स्तरीय पुरस्कार रैली आयोजित

दमरे जीएम अरुण कुमार जैन ने पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किए

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स ने शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में स्काउट्स, गाइड्स, रेंजर्स और रोवर्स के लिए राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार रैली 2023-2024 का आयोजन किया। संरक्षक (स्काउट्स और गाइड्स) और महाप्रबंधक, एससीआर अरुण कुमार जैन, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की। नीरज अग्रवाल, अध्यक्ष (स्काउट्स और गाइड्स) और अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर और पी. किशोर बाबू, राज्य मुख्य आयुक्त (स्काउट्स और गाइड्स) और प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, एससीआर मुख्य अतिथि थे। एपीआरओ भाग-1 के अनुसार 1984 में इसकी स्थापना के बाद से यह हमारे राज्य में आयोजित की जा रही पहली राज्य पुरस्कार स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर रैली है।

राज्य पुरस्कार रैली हर साल प्रमाण पत्र सौंपने और उन स्काउट्स और गाइड्स को सम्मानित करने के लिए आयोजित की जाती है, जिन्होंने राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और निर्धारित पाठ्यक्रम के अलावा 5 प्रवीणता परीक्षणों में अर्हता प्राप्त की है। स्काउट्स का परीक्षण जिला और राज्य स्तर पर स्वतंत्र परीक्षकों द्वारा किया जाता है।

राज्य मुख्य आयुक्त रेलवे राज्यों के मामले में महाप्रबंधक और संरक्षक और सिविल राज्यों के मामले में राज्यपाल और संरक्षक द्वारा राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र के पुरस्कार के लिए लगभग 14 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले स्काउट या गाइड की सिफारिश करने वाला अंतिम प्राधिकारी होता है।

कार्यक्रम के दौरान, अरुण कुमार जैन ने योग्य स्काउट्स और गाइड्स को राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि राज्य पुरस्कार स्तर तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है।

उन्होंने विजेताओं को स्काउटिंग और गाइडिंग के सर्वोत्तम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि युवा कार्यक्रम के उच्चतम स्तर यानी राष्ट्रपति पुरस्कार तक पहुंच सकें। महाप्रबंधक ने कहा कि स्काउट्स और गाइड्स प्रशिक्षण युवा पीढ़ी को बहुत कम उम्र में अच्छा ज्ञान, जीवन कौशल, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में मदद करता है।

प्रशिक्षण सदस्यों को सामाजिक और धार्मिक बाधाओं को दूर करने, सभी मामलों में समानता की भावना विकसित करने में भी मदद करता है।

उन्होंने कहा कि वे जो प्रार्थना गाते हैं और जो वादा करते हैं, नौ गुना नियम के साथ, हमारे युवा सदस्यों के चरित्र विकास का आधार बनते हैं। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उन्हें उच्चतम स्तर तक पहुंचने के लिए उसी कड़ी मेहनत और समर्पण को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान, गायन और नृत्य के विभिन्न कला रूपों का प्रदर्शन करते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेताओं ने राज्य की गतिविधि और वर्ष भर आयोजित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण रिपोर्ट पर भी प्रस्तुत किया।

जी.आर.एस. राव, राज्य आयुक्त (स्काउट्स/एआर) एवं सीपीओ/प्रशासन, एससीआर ए.के. रावत, राज्य सचिव एवं उप सीएमएम/सीएचजी/एससीआर, श्री रूथविक मालवा, राज्य कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ डीएफएम/एससी, जे. शेखर बाबू, सहायक राज्य आयुक्त (स्काउट्स) एवं सचिव, पीजी/एससीआर और के. राजेश, राज्य मुख्यालय आयुक्त एवं पीआरओ, एससीआर ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

एक शाम माताजी के नाम जागरण 4 को

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी स्थित श्री कृष्णा गौशाला में माताजी नवयुवक मंडल द्वारा एक शाम माताजी के नाम शुक्रवार 4 अक्टुबर सायं 5.30 बजे से रंगारंग डांडिया कार्यक्रम एवं रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में माताजी नवयुवक मंडल के रमेश हाम्बड़ एवं जसवन्त देवड़ा ने संयुक्त रूप से बताया कि माताजी नवयुवक मंडल माधापुर, मनिकोन्डा, गच्चीबावली, टोली चौकी, अंजयनगर, दरगा, खाजागुडा, नानकरामगुडा, नारसिंगी, पुपालगुडा, अलकापुर भक्तों के सानिध्य में जागरण व डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

माँ भगवती का पंडाल सजाकर शाम 5.15 बजे से 9 बजे तक पुरुष व महिलाओं द्वारा रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम एवं रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे संदीप सेजु एंड पार्टी राजस्थानी अंदाज में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे भक्तों के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर, माताजी के दर्शनकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

वनकर्मियों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाएंगे : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायल वनकर्मियों से मुलाकात की

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने कल मुलुगु जिले के तडवई रेंज में वन विभाग कर्मियों पर हमले की घटना पर दुख व्यक्त किया। हमले की घटना के बारे में पीसीसीएफ डोबरियाल मंत्री सुरेखा को फोन पर बताया। डोबरियाल ने मंत्री को बताया कि पेड़ों को अवैध रूप से हटाने और भूमि को समतल करने की सूचना पर गुरुवार आधी रात को दमरावई वन क्षेत्र में गए एफएसओ विनोद, एफबीओ शरत चंद्र और सुमन ने जेसीबी को जब्त कर लिया और वन कार्यालय ले गए। इस पृष्ठभूमि में, जेसीबी को जब्त करने के लिए वहां आए आरोपियों ने वन अधिकारियों पर अंधाधुंध हमला किया, लाइटें और जीप को नष्ट कर दिया और जेसीबी को छीन लिया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनका हर तरह से समर्थन करेंगी। उन्होंने वरिष्ठों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्हें अच्छा इलाज मिले। मंत्री सुरेखा ने उच्च अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया कि वन कानूनों का उल्लंघन करके और वन अधिकारियों पर हमला करके गंभीर अपराध करने वाले आरोपियों को कड़ी सजा दी जाए। इसी बीच मंत्री कोंडा सुरेखा, गार्जियन अस्पताल, वारंगल पहुंची और बदमाशों के हमले में घायल वन अनुभाग अधिकारी, वन बीट अधिकारी शरत चंद्र मिलकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। डीएफओ राहुल किशन जादव ने मंत्री सुरेखा को घटनाक्रम के बारे जानकारी दी। उन्होंने इलाज करा रहे वनकर्मियों के परिजनों से बात की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन पर किए गए परीक्षणों और बरती जाने वाली सावधानियों पर चिकित्सा अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराने की सलाह दी गयी। मंत्री सुरेखा ने डीएफओ को उनके पूरी तरह ठीक होने तक स्थिति की लगातार समीक्षा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सुरेखा ने कहा कि वन संसाधनों की रक्षा के उद्देश्य से सैनिकों की तरह लड़ने वाले वन अधिकारियों और कर्मचारियों की किसी भी स्तर पर अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम उन वन कर्मियों की रक्षा करेंगे जो वनों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि वन अधिकारियों पर हो रहे हमलों और मैदानी स्तर पर उन्हें होने वाली कठिनाइयों की समय-समय पर समीक्षा की जा रही है। मंत्री ने कहा कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस दिशा में किए जाने वाले सुधारों पर चर्चा करेंगे। मंत्री सुरेखा ने साफ कर दिया है कि वन अधिकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया जाएगा और कड़ी सजा दी जाएगी।

वन अधिकारियों पर जेसीबी मालिक ने डंडों से किया हमला

मुलुगु, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तडवई वन रेंज में गुरुवार देर रात तीन लोगों ने वन अधिकारियों पर लोहे की छड़ों से हमला कर दिया, क्योंकि उन्होंने उनका अर्थमूवर वाहन जब्त कर लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, वन अनुभाग अधिकारी विनोद दो अन्य अधिकारियों के साथ गुरुवार रात गश्त कर रहे थे और टीम ने पेड़ों को उखाड़ने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक अर्थमूवर को देखा और उसे जब्त कर लिया। अर्थमूवर को वन कार्यालय ले जाया गया और कुछ देर बाद मशीन के मालिक गंटा सूरज रेड्डी दो अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचे और कार्यालय में मौजूद विनोद और अन्य कर्मचारियों पर लोहे की छड़ों से हमला करना शुरू कर दिया। हमले में विनोद के सिर में चोट आई और वन बीट अधिकारी शरत चंद्र को भी गंभीर चोटें आईं। घायल अधिकारियों को उनके सहकर्मियों ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हमलावर अपने साथ जेसीबी भी ले गए। वन अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

करमनघाट सीरवी समाज का नवरात्रि महोत्सव 3 से

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा में गुरुवार 3 अक्टुबर से शनिवार 12 अक्टुबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.15 बजे से 10.15 बजे तक एवं शाम 8.15 बजे से 10.30 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा।

शुक्रवार 11 अक्टुबर रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाता के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे दिनेशनाथ योगी एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। शुक्रवार 11 अक्टुबर समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में सायं 6.15 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगी। पूर्णाहुति कार्यक्रम 11 अक्टुबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक रहेगी।

हवन में बैठने के लिए समाज बन्धु अपना नाम अपने एरिया मेम्बरों के पास सम्पर्क कर दे सकते है। समाज बन्धुओं से निवेदन है प्रतिदिन सपरिवार पधारकर, माँ श्री आईजी का दर्शनकर, प्रसाद व कार्यक्रम का लाभ लेवे।

रामायण मेला समिति द्वारा पत्रिका का विमोचन

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी के प्रेस विज्ञप्ति द्वारा बताया कि राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, गोविंद नारायण राठी गिरधारी लाल डागा एवं मनोज जायसवाल द्वारा नुमाइश मैदान में होने वाले 52वें रामायण मेला की पत्रिका का विमोचन किया गया। रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने सभी हिंदू भाइयों को इस पुनीत कार्यक्रम के सम्मिलित होने का निवेदन किया। इस अवसर पर मेला कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा संयोजक मनोज जायसवाल शैलेश अग्रवाल सुमित राठी ने भाग लिया।

बीडीएल में हिंदी पक्षोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड में हिंदी पक्षोत्सव मनाया गया। पक्षोत्सव पर निगम कार्यालय सहित कंचनबाग इकाई, भानूर इकाई और विशाखापट्टणम इकाइयों में क्रमश: विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा प्रचार-प्रसार की गतिविधियां आयोजित की गईं। 26 सितंबर को आयोजित समापन कार्यक्रम से पूर्व शब्दावली, टिप्पणी- आलेखन, कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन, श्रुतलेख, मल्टीमीडिया प्रश्नमंच, मल्टीमीडिया अंत्याक्षरी, हास्य कवि-सम्मेलन इत्यादि उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यम के सी एम डी कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.) ने की। निगम स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में पी वी राजाराम, निदेशक (उत्पादन), डी वी श्रीनिवास राव, निदेशक (तकनीकी), अधिशासी निदेशक (संव्यवहार विकास) कमोडोर गिरीश आर प्रधान (से.नि.) सहित महाप्रबंधकगण व अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। गृह मंत्री और रक्षा मंत्री के संदेशों के वाचन के साथ-साथ पक्षोत्सव के दौरान निगम कार्यालय, कंचनबाग इकाई, भानूर इकाई और विशाखापट्टणम इकाई में आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुतकी गई। दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार पुरस्कारों के दूसरे वर्ग में पक्षोत्सव के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को भी नक़द पुरस्कार वितरित किए गए। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरसिंहम शिवकोटी, उप प्रबंधक (मानव संसाधन- राजभाषा) ने किया और इसके आयोजन में मनोहर नाईक, मुख्य कार्यालय अधीक्षक का सक्रिय योगदान रहा।

आरपीएफ के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के स्थापना दिवस के उपलक्ष में रेल निलयम में रक्तदान शिविर एवं मरणोपरांत नेत्रदान जागरूकता के लिए तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने शिविर आयोजित किया! कार्यक्रम का उद्घाटन में मुख्य अतिथि साउथ सेंट्रल रेलवे के अरोमा सिंह ठाकुर एवं विशेष अतिथि मोहम्मद सदन जेब खान, वरिष्ठ अधिकारी उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय, सतीश प्रभु, डी श्रीनिवास, अरोमा सिंह ने किया।

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए रक्तदान शिविर और नेत्रदान जागरूकता शिविर के बारे में जानकारी दी। प्रवीण श्यामसुखा ने नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा के बारे में बताते हुए नेत्रदान संकल्प फॉर्म भरने का सभी से आह्वान किया। उपाध्यक्ष मनीष जैन ने रक्तदानियों को सम्मानित किया। मंत्री अनिल दुगड़, कार्यकर्तागण प्रकाश दुगड़, प्रेमप्रकाश पुगलिया, रोबिन बैद ने अतिथियों का स्वागत किया।

स्थापना दिवस के उपलक्ष में आरपीएफ के 60 जवानों ने रक्तदान किया और 70 जवानों ने अपने नेत्र की जांच करवाई। सभी रक्तवीरो को आरपीएफ की ओर से सत्यनारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यकर्ता सुदीप नौलखा, प्रतीक बम्बोली और मनोज हिरावत ने रक्तविरो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद की ओर से मंत्री अनिल दुगड़ ने आभार ज्ञापन किया।

मुख्यमंत्री की चेतावनी के बावजूद अवैध खनन जारी

बनाए जा रहे फर्जी दस्तावेज

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में रेत का अवैध परिवहन और अनधिकृत रेत उत्खनन बेरोकटोक जारी है। अनियमितताओं को अगले स्तर पर ले जाते हुए, अब रेत की बिक्री और अवैध परिवहन के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। तेलंगाना मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीजीएमडीसी) द्वारा हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर स्पलाई एंड सीवरेज बोर्ड को भारी मात्रा में रेत आवंटित की गई थी। हालांकि, ये आवंटन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किए गए थे, ऐसा आरोप बीआरएस नेता मन्ने कृष्णक ने लगाया है। उन्होंने कहा कि 150 करोड़ रुपये की कीमत की 1,50,000 मीट्रिक टन महीन रेत फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टीएसएमडीसी द्वारा जल कार्य विभाग (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) को आवंटित की गई।

बंगाल में बिहार के बच्चों के साथ हुआ मारपीट का निन्दा

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बंगाल के सिलिगुड़ी में बिहार के छात्रों के साथ हुई मारपीट का घोर निन्दा की है। उन्होंने वहां की सरकार से मांग की है कि मारपीट करने वालों को अरेस्ट कर कठोर से कठोर सजा दी जाए। समिति के महासचिव सागर भगत ने बताया कि बिहार के लोगों के साथ हमेशा इस तरह की घटनाएं होती है। इसलिए हमने बार-बार बिहार के नेताओं से निवेदन किया है कि सभी लोगों को मिलकर इसकी आवाज उठाना चाहिए। इसपर राजनीतिक नहीं करना चाहिए। इस तरह की घटना एक बार नहीं कई बार हो चुका है। कभी महाराष्ट्र में तो कभी तमिलनाडु में तो अब बंगाल में। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम अच्छा नहीं होगा। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने बिहार सरकार और केंद्र सरकार से मांग की है कि आप लोग अगर बिहार में नौकरी देने का कोशिश करें ताकि वहां के लोगों को बाहर जाने कि जरूरत ही ना पड़े।

विश्व के सभी देश भारतीय मानकों पर होंगे आधारित : कलेक्टर

कलेक्टर ने दिए निर्माताओं को घटिया सामान न बनाने का निर्देश

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरिशेट्टी ने कहा कि, निकट भविष्य में विश्व के सभी देश भारतीय मानकों पर आधारित होंगे। इस संदर्भ में, विश्व मानक दिनोत्सव पर ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा में बीआईएस भारत मानक ब्यूरो की बैठक आयोजित हुई, जिसमें हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरिशेट्टी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस बारे में कलेक्टर शेट्टी ने इस बैठक में उपस्थित विभिन्न इलेक्ट्रानिक, इलेक्ट्रिसिटी तथा अन्य वस्तुओं के निर्माताओं को सुझाव दिया कि किसी को भी गुणवत्ता से समझौता नहीं करना चाहिए। भविष्य भारतीय मानकों का है व गुणवत्ता कोई लागत नहीं पर यह एक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि घटिया वस्तुओं का निर्माण अस्थायी उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो इसका संपूर्ण मानवता के भविष्य के अस्तित्व पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

इसके पश्चात बीआईएस हैदराबाद शाखा प्रमुख पीवी श्रीकांत ने कहा कि 14 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विश्व मानक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, हम एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में मानकों का पालन करेंगे। इस कार्यक्रम में जिन मुख्य अधिकारियों ने भाग लिया उनमें, बीआईएस अधिकारी सुजाता, तन्निरु राकेश, अभिसाई इट्टा, वनजामूर्ति, उद्योगपतिगण, उपभोक्ता संघ सदस्यगण और उपभोक्तागण शामिल हैं।

जो ईश्वर-दर्शन तत्क्षण घट में करवाए वहीं है सच्चा गुरु : डॉ. सर्वेश्वर जी

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल), काचीगुड़ा क्षेत्र में चल रही भगवान शिव कथा के षष्ठम दिवस दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक व संचालक दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने तारकासुर वध की गाथा को भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तारकासुर ने घोर तपस्या कर ये वरदान प्राप्त किया कि उसकी मृत्यु केवल शिवपुत्र के हाथों ही हो। तारकासुर ने सोचा कि शिव तो वैरागी हैं, सो वह तो विवाह नहीं करवाएंगे और न ही उनका कोई पुत्र होगा। यह सोच उसने खुद को अमर मान सब प्राणियों पर अत्याचार आरम्भ कर दिए। लेकिन शिव-पार्वती विवाह के उपरांत उनके यहां कुमार कार्तिकेय का जन्म हुआ। देवताओं ने कुमार को देवसेना का सेनापति घोषित कर तारकासुर पर चढ़ाई कर दी। कुमार कार्तिकेय ने बड़ी वीरता से तारकासुर का अंत कर उसके भय व आतंक के साम्राज्य को धराशायी कर दिया। इस अवसर पर गुरु गीता के श्लोकों का गायन कर जनमानस को पूर्ण गुरु की पहचान से अवगत करवाया गया।

कथा का मर्म समझाते हुए स्वामी जी ने बताया कि ये तारकासुर प्रतीक है आज समाज में प्रतिष्ठित तथाकथित धर्मगुरुओं का। तारकासुर का शाब्दिक अर्थ है तारने वाला असुर। अर्थात वो झूठे तथाकथित धर्मगुरु जो समाज को तारने के उपदेश तो देते हैं लेकिन न तो उन्होंने स्वयं ईश्वर दर्शन किया है और न ही अपनी शरण में आए जिज्ञासुओं को ईश्वर दर्शन करवाने का सामर्थ्य रखते हैं। उलटा लोगों को अपने शब्दजाल में फंसा कर और भी भ्रमित कर देते हैं। आज जरूरत है पूर्ण गुरु की पहचान को प्राप्त करने की। पूर्ण गुरु वहीं होते हैं जो दीक्षा देते समय मस्तक पर हाथ रख तत्क्षण ही ईश्वर का दर्शन घट में करवा देते हैं। वो कोई मंत्र, माला, नाम आदि नहीं देते अपितु ईश्वर को प्रकट कर देते हैं। ऐसे सद्गुरु की खोज करें, अन्यथा दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान में आकर आप अपनी जिज्ञासा को शांत कर सकते हैं और पूर्ण गुरु की कृपा से ईश्वर का दर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व ओंकार राम चौधरी हैं। तृतीय दिवस की कथा के दैनिक यजमान श्रीमति दीक्षा एवं सचिन गुप्ता रहे। कथा स्थल पर रमेश कुमार बंग (चेयरमैन, महेश बैंक), श्रीमति उर्मिला साबू, अनंत काबरा, बाबूलाल जोशी, संतोष अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, सुरेश कुमार मोदी एवं पवन नलपुरिया की विशेष उपस्थिति रही।

आईसीएफआरई-आईएफबी ने हाइब्रिड मोड में आरएजी की बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन जैव विविधता संस्थान (आईएफबी), हैदराबाद भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के अंतर्गत आने वाले संस्थानों में से एक है, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त परिषद है। हैदराबाद के दुलापल्ली में स्थित संस्थान को पूर्वी घाट, मैंग्रोव और तटीय पारिस्थितिकी पर जोर देते हुए वन जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग पर अनुसंधान करने का अधिकार है। आईसीएफआरई-आईएफबी, हैदराबाद ने नव-प्रस्तावित वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं की जांच करने और चल रही परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करने के लिए 27 अक्टूबर, 2024 को हाइब्रिड मोड में अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी) की बैठक आयोजित की। आईसीएफआरई-आईएफबी के निदेशक, आईएफएस ई. वेंकट रेड्डी की अध्यक्षता में आरएजी में तेलंगाना और ओडिशा के राज्य वन विभागों, तेलंगाना राज्य वन विकास निगम के प्रतिनिधियों, एफसीआरआई, कागज उद्योगों के प्रतिनिधियों, प्रख्यात वनपालों और आईसीएआर, सीएसआईआर, गैर सरकारी संगठनों के वैज्ञानिक प्रतिनिधियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों के 20 बाहरी विशेषज्ञ शामिल थे। बैठक में आईसीएफआरई योजना निधि से संभावित वित्त पोषण के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों के तहत छह नए परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बारिश ने बिगाड़ा पहले दिन का खेल, बांग्लादेश 3/107

कानपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच का पहला दिन बारिश के नाम रहा। लंच के बाद कुछ ओवर का खेल ही हुआ था कि फिर जबरदस्त बारिश के कारण खेल संभव नहीं हो पाया। बांग्लादेश ने इस दौरान 3 विकेट खोकर 107 रन बना लिए। कल (गुरुवार) रात हुई बारिश के कारण मैदान गीला होने से सुबह के सत्र का खेल कुछ देरी के साथ शुरू हुआ। हालांकि, पहले सत्र में बारिश तो नहीं हुई लेकिन बांग्लादेश की टीम ने इस सत्र में दो विकेट गंवाए। दूसरा सत्र भी थोड़ी देरी से शुरू हुआ, इस बीच ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर तीसरा विकेट निकाला। लेकिन इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई और पूरे मैदान को कवर से ढक दिया गया।

मैच अधिकारियों ने बारिश न रूकने के संभावना को देखते हुए दिन का खेल समाप्त करने का फैसला किया। मैच के दूसरे दिन शनिवार को खेल आधा घंटा पहले शुरू होगा। सुबह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पिछले मैच में दो विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारत को पहली सफलता 9वें ओवर में दिलाई, जब उन्होंने जाकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच करा दिया। जाकिर हसन ने 24 गेंदों का सामना किया लेकिन खाता नहीं खोल पाए। आकाश दीप ने शादमान इस्लाम को एलबीडब्ल्यू कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। शादमान ने 36 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 24 रन बनाए। दो विकेट 29 रन पर गिर जाने के बाद मोमिनुल हक और कप्तान शांतो ने तीसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया।

लंच के बाद अश्विन ने नजमुल शांतो को एलबीडब्ल्यू कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। शांतो ने 57 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 31 रन बनाए। बारिश के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब मोमिनुल हक 81 गेंदों में 7 चौके के सहारे 40 रन और रहीम 13 गेंदों में 6 रन बनाकर क्रीज पर थे।

रविचंद्रन अश्विन एशिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच में आर अश्विन ने पहली पारी में जैसे ही कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो को आउट किया उन्होंने इतिहास रच दिया और एशिया में वो टेस्ट प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम पर दर्ज था, लेकिन अब अश्विन उनसे आगे निकल गए।

अश्विन ने तोड़ा कुंबले का महारिकॉर्ड

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अश्विन ने जैसे ही विरोधी टीम के कप्तान शान्तो को आउट किया उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अश्विन ने शान्तो को पहली पारी में 31 रन के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया और भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इस विकेट को लेते ही अश्विन एशिया में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बन गए। एशिया में अश्विन ने टेस्ट प्रारूप में अब तक कुल 420 विकेट (खबर लिखे जाने तक) लिए हैं जबकि अनिल कुंबले ने एशिया में कुल 419 विकेट लिए थे।

दूसरे नंबर पर पहुंचे अश्विन

एशिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में अब अश्विन दूसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में पहले नंबर पर मुथैया मुरलीधरन हैं जिन्होंने 612 विकेट लिए थे। वहीं 420 विकेट के साथ अश्विन दूसरे नंबर पर आ गए जबकि अनिल कुंबले तीसरे नंबर पर चले गए। इस लिस्ट में 354 विकेट के साथ रंगना हेराथ चौथे जबकि 300 विकेट के साथ हरभजन सिंह पांचवें नंबर पर हैं।

आईपीएल 2025 में मैचों की संख्या में नहीं होगा इजाफा

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में कुल 74 मैच ही खेले जाएंगे। यह आईपीएल के 2023-27 के चक्र के लिए बेचे गए नए मीडिया राइट्स के दौरान आईपीएल 2025 के लिए तय किए गए मैचों की संख्या से 10 मैच कम है। इसके अनुसार आगामी सीज़न में कुल 84 मैच खेले जाने थे।

नए चक्र के लिए टेंडर संबंधी दस्तावेज़ में यह वर्णित था कि प्रति सीज़न मैचों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। आईपीएल ने इसमें बताया था कि 2023 और 2024 में कुल 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 जबकि डील के अंतिम साल 2027 में अधिकतम 94 मैच खेले जाएंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि आईपीएल द्वारा आगामी सीज़न में मैचों की संख्या में बढ़ोतरी न करने की एक बड़ी वजह भारतीय खिलाड़ियों का वर्कलोड प्रबंधन भी है। भारत लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने का दावेदार है जो कि 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बीसीसीआई इस पक्ष में है कि अगर भारत फ़ाइनल में प्रवेश करता है तो खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम मिल सके। अभी आईपीएल 2025 के कार्यक्रम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन यह मार्च के मध्य से लेकर मई के अंतिम सप्ताह तक खेला जा सकता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में इकोनॉमिक्स टाइम्स से कहा, हमने आईपीएल 2025 में 84 मैचों को आयोजित किए जाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। यह अनुबंध का हिस्सा है और यह बीसीसीआई पर निर्भर करता है कि सीज़न में 74 या 84 कितने मैचों का आयोजन होगा।

केकेआर के मेंटर बने ड्वेन ब्रावो

सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट लिया, 11 घंटे बाद नई जिम्मेदारी संभाली

स्पोर्ट्स डेस्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंड ड्वेन ब्रावो आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर बन गए हैं। वे केकेआर में गौतम गंभीर की जगह लेंगे।

ब्रावो ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया था। इसके महज 11 घंटे बाद उन्होंने केकेआर के मेंटर की जिम्मेदारी संभाल ली। उन्होंने इंस्टा पोस्ट में लिखा-'मेरा दिमाग खेलना चाहता है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा। मैं खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहता कि अपने साथियों, फैंस और टीम को निराश करूं। इसलिए भरी मन से संन्यास का ऐलान करता हूं।'

40 साल के क्रिकेटर ने सीजन से पहले कहा था कि यह उनका आखिरी सीजन होगा, लेकिन चोट की वजह से उन्हें कैरेबियन प्रीमियर लीग के बीच में होगी रिटायरमेंट अनाउंस करना पड़ा है। ब्रावो ने पिछले साल आईपीएल को अलविदा कहा था। उन्होंने अब तक खेले 582 टी-20 मैचों में 631 विकेट लिए हैं। वे इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। ब्रावो ने इंस्टा पोस्ट में लिखा- 'एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के रूप में 21 साल- यह एक अविश्वसनीय जर्नी रही है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव आए।' उन्होंने लिखा- 'सबसे अहम, मैं अपने सपने पूरे कर सका, क्योंकि मैंने हमेशा अपना 100% दिया, हालांकि मैं इसे जारी रखना चाहता हूं, लेकिन अब वास्तविकता का सामना करने का समय आ गया है।'

सीपीएल, आईपीएल, पीएसएल और बिग बैश लीग जीते

ब्रावो ने 18 साल के टी-20 करियर में अलग-अलग टीमों से कैरेबियन प्रीमियर लीग, इंडियन प्रीमियर लीग, पाकिस्तान सुपर लीग और बिग बैश जैसे फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट जीते हैं। इतना ही नहीं, वे वेस्टइंडीज के साथ 2 बार टी-20 वर्ल्ड कप भी जीत चुके हैं।

2021 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था

ब्रावो ने 3 साल पहले 2021 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने के साथ कोचिंग भी कर रहे हैं। ब्रावो पिछले 12 महीने से आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ काम किया। वे टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में अफगानिस्तान के बॉलिंग कंसल्टेंट भी बनाए गए थे।

बांग्लादेशी 'सुपर फैन' को लादकर ले जाया गया अस्पताल

मैच में भारतीय फैंस से झड़प की खबर

कानपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच ग्रीन पार्क स्टेडियम पर टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। इस मैच को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की वजह से भारत में काफी गुस्सा है। इसकी वजह से भारत में बीसीसीआई से मांग भी हो रही है कि बांग्लादेश से सीरीज न खेलें। इसके बाद भी सीरीज का आयोजन हो रहा है। अब कानपुर टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के सुपर फैन की स्टेडियम में फैंस से झड़प हो गई।

स्टेडियम में फैंस के बीच हुई भिड़त

कानपुर में खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के दौरान फैंस आपस में भिड़ गए। इस झड़प में बांग्लादेश के सुपर फैन कहे जाने वाले टाइगर रॉबी घायल हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। टाइगर रॉबी बांग्लादेश के सभी मैच में चीयर करने स्टेडियम पहुंचता है। उसके पूरे शरीर पर टाइगर की पेंटिंग होती है। कानपुर टेस्ट में भी उसे उसी गेटअप में वह टीम को चीयर करने पहुंचा था। बांग्लादेश की टीम टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में पहले बैटिंग कर रही है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गेंदबाजी का फैसला किया था।

फुटबॉल क्लब आर्सनल के कोच आर्टेटा के नायब तरीके

- मैच की रात खिलाड़ियों का सामान चोरी कराया
- लाइटबल्ब की सहायता से टीम टॉक

स्पोर्ट्स डेस्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया के टॉप और सबसे पुराने फुटबॉल क्लबों में से एक आर्सनल पिछले दशक में सफलता के लिए जूझ रहा था। इसी दौरान, दिसंबर 2019 में स्पेनिश फुटबॉलर मिकेल आर्टेटा को बतौर कोच इसकी जिम्मेदारी मिली। आर्टेटा की कोचिंग में 5 साल के अंदर ही आर्सनल को प्रीमियर लीग खिताब के दावेदारों में बदल दिया। कोचिंग के उनके अनोखे तरीकों का शुरू में मजाक भी उड़ाया गया। आर्टेटा के चौंकाने वाले तरीकों से खुद इंग्लैंड की इस मशहूर टीम के खिलाड़ी भी हैरान रह जाते हैं। हाल ही में उन्हें अपने खिलाड़ियों को विपक्षी टीम गेमप्लान से सतर्क रहना सिखाना था, तो मैच के पहले आर्टेटा ने पार्टी में जेबकतरे बुलाकर उनके सामान चोरी करवा दिए। क्लब के कार्यप्रणाली प्रमुख केविन बाल्वर्स हंसते हुए कहते हैं, 'मैं कैमरा सिस्टम कमरे में था।

पार्टी के बाद खिलाड़ी सामान ढूंढ़ते-ढूंढ़ते परेशान थे, तो उन्हें बुलाकर सीसीटीवी फुटेज दिखाया गया।' खिलाड़ियों को बताया गया कि आपको इस बात के लिए हमेशा तैयार रहना होगा कि सामने वाली टीम आपको ऐसे ही चकमा देती है। बाल्वर्स कहते हैं ये 'एक्टिवेशन' तकनीक थी। यह मैच से पहले का दिमागी खेल है, जिसके पीछे गहरा मनोवैज्ञानिक संदेश था।

आर्टेटा क्लब में चॉकलेट लैब्राडोर डॉग लेकर आए

प्री-मैच कोचिंग में ऐसा ही एक वाकया नामी खिलाड़ी इवान टोनी के ट्वीट से जुड़ा है। तब इवान उनके खिलाफ दूसरी टीम में थे, जिसने आर्सेनल को एक मैच में बुरी तरह हराया था। आर्टेटा ने मैच से पहले उनके खिलाड़ियों का मजाक उड़ाने वाला यह ट्वीट सबको दिखाया और इसका बदला लेने की चुनौती दी। उनकी टीम ये मैच 2-1 से जीत गई। मैनचेस्टर सिटी से एक अहम मैच हारने के बाद टीम का हौसला पस्त था। खिलाड़ी निराश थे। तब आर्टेटा क्लब में चॉकलेट लैब्राडोर डॉग ले आए थे। उन्हें रिसर्च में पता चला था कि कुत्ते को थपथपाने से दिमाग शांत होता है।

बारबाडोस के बाद यूएई में भी इतिहास रचेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह साल अब तक शानदार रहा है। एक तरफ रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतकर भारत का परचम बुलंद किया और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम यूएई में तिरंगे की शान बढ़ाने पहुंच चुकी है।

भारत की महिला टीम टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। क्रिकेट फैंस को टूर्नामेंट के आगाज का बेसब्री से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी।

शाकिब अल हसन को मिला तगड़ा झटका

बांग्लादेश बोर्ड ने तो अपने हाथ ही खींच लिए

ढाका, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष फारूक अहमद ने स्पष्ट कर दिया है कि दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के खिलाफ देश में चल रहे मामलों के कारण बोर्ड उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा का भरोसा नहीं दे सकता है। 37 साल के शाकिब ने गुरुवार को टी20 इंटरनेशनल से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर स्वदेश लौटने पर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया जाता है तो वह अक्टूबर में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट मैच खेलना चाहेंगे।

बांग्लादेश की समाचार पत्रों के मुताबिक फारूक अहमद ने कहा, 'शाकिब की सुरक्षा बोर्ड के हाथ में नहीं है। बोर्ड किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता। उस वापस लौटने पर फैसला उन्हें ही लेना है। उनकी सुरक्षा सरकार के उच्चतम स्तर से होनी है। बीसीबी पुलिस या रैपिड एक्शन बटालियन जैसी सुरक्षा एजेंसी नहीं है। हमने उनके बारे में (सरकार में) किसी से बात नहीं की है। उनका मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए हम वास्तव में इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।' शाकिब को बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के दौरान हत्या के एक मामले में आरोपी के रूप में नामित किया गया था। राजनीतिक अशांति के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटना पड़ा था। शाकिब उनकी पार्टी अवामी लीग से संसद सदस्य थे।

पाकिस्तानी दल ने थामा भारत का झंडा

चैंपियन टीम इंडिया के साथ खिंचवाई तस्वीर

बुडापेस्ट, 27 सितंबर (एजेंसियां)। शतरंज ओलंपियाड 2024 में भारत ने इतिहास रचते हुए पुरुष और महिला, दोनों टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

चेस ओलंपियाड के इतिहास में भारत ने पहली बार दोनों टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण जीता और एक साथ स्वर्ण जीता। भारत ऐसा तीसरा देश बना जिसने एक ही चेस ओलंपियाड में पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल किया हो। टीम इंडिया ने इस जीत का जमकर जश्न मनाया। हालांकि, सोशल मीडिया पर भारतीय टीम के जश्न का एक खास वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, बुडापेस्ट में भारतीय टीम के जश्न में पाकिस्तानी दल भी शामिल हुआ। वायरल वीडियो में पाकिस्तान की टीम के सदस्य भारत का झंडा पकड़े नजर आ रहे हैं। वह सभी

भारतीय टीम के सदस्यों के साथ खड़े दिखे। पाकिस्तान के शतरंज खिलाड़ियों के ऐसा करने से सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

दोनों देशों के बीच खेल को लेकर कट्टर प्रतिद्वंद्विता ने हमेशा फैंस का ध्यान खींचा है। चाहे वह क्रिकेट, हॉकी, टेनिस या अन्य खेल हों, जब भी दोनों देश खेल के मैदान पर आमने-सामने होते हैं, तो फैंस भी उस मैच में गजब की दिलचस्पी लेते हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच सबकुछ ठीक नहीं रहा है। क्रिकेट में तो भारत ने पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान का दौरा तक नहीं किया है। हालांकि, पाकिस्तान की टीम पिछले साल भारत वनडे विश्व कप खेलने आई थी और तब उनका इस देश में जोरदार स्वागत किया गया था। पाकिस्तानी खिलाड़ियों का यहां खूब प्यार मिला था। हालांकि, हाल फिलहाल में कुछ विवाद देखने को मिले थे।

कानपुर में खिलाड़ियों की सुरक्षा करेंगे 'लंगूर'

कानपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के वेन्यू ग्रीन पार्क स्टेडियम में बंदरों के आतंक से निपटने के लिए लंगूरों की मदद ली है।

यह निर्णय फैंस, कर्मचारियों और प्रसारण कर्मियों को बंदरों से बचाने के लिए लिया गया, जो खाने की तलाश में स्टेडियम में घुसकर उत्पात मचा सकते हैं। मैच शुरू होने से पहले वेन्यू निदेशक संजय कपूर ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, बंदरों के आतंक से बचने के लिए हमने लंगूर तैनात किए हैं। बंदरों के आतंक से निपटने के लिए शहर में लंगूरों का इस्तेमाल आम बात है। पहले भी इस मैदान पर अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान उनकी मौजूदगी कारगर साबित हुई है। यूपीसीए ने इसके अलावा भी कई अन्य उपाय भी किए हैं, जैसे कि ऊंचे स्टैंडों को, जहां टेलीविजन क्रू अपने कैमरे लगाते हैं।

'खुद पर विश्वास रखें, अपने सपनों का पीछा करें'

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नितेश कुमार

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता पैरा-शटलर नितेश कुमार, जिन्होंने विजाग में नेवी चिल्ड्रेंस स्कूल से पढ़ाई की है, ने स्कूल को धन्यवाद दिया है और उन्हें श्रेय दिया है क्योंकि उन्होंने उनके सबसे कठिन समय के दौरान उनका हौसला बढ़ाया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने हाल ही में 2024 पेरिस पैरालंपिक में पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीता है।

यह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और मेरा मानना है कि एनसीएस परिवार मेरे सबसे कठिन समय के दौरान मेरा हौसला बढ़ाने के लिए सफलता में भागीदार हो सकता है। नितेश ने कहा, मैं अपनी दुर्घटना के बाद स्कूल में शामिल हुआ और मैं यह नहीं बता सकता कि सभी ने कितना सहयोग किया, खासकर मेरे प्रिंसिपल और केमिस्ट्री टीचर ने। उस समय मैं खेलों में दिलचस्पी नहीं रखता था, लेकिन मुझे अपने स्कूल के दिनों में अविश्वसनीय खेल संस्कृति याद है। उस समय मैं स्टैंड से सभी का समर्थन करता था और पैरालंपिक के दौरान मेरे एनसीएस समुदाय को मेरा समर्थन करते देखना बहुत ही उत्साहजनक था और मुझे खुशी है कि मैं देश के लिए कुछ बड़ा कर सका। बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल 3 श्रेणी के फाइनल में नितेश ने ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 के स्कोरलाइन के साथ हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने पांच पदक जीते - एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य, जो पैरालंपिक खेलों के किसी भी संस्करण में देश के सबसे अधिक है, और हाल ही में पेरिस में संपन्न कार्यक्रम में पहली बार महिलाओं की स्पर्धाओं में पोडियम हासिल किया। उन्होंने कहा, छात्रों के लिए एक संदेश, ध्यान केंद्रित रखें, कड़ी मेहनत करें, सफलता पर ध्यान न दें बल्कि अपने विकास पर ध्यान दें, खुद पर विश्वास करें और अपने सपनों का पीछा करें। मैं जल्द ही स्कूल का दौरा करने और आपके साथ इस जीत का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हूं।

निकिता तोमर मान, जिन्होंने 2010-2016 तक एनसीएस विजाग की अध्यक्षता की थी, जब कुमार वहां थे। वह अब नोएडा में इंद्रप्रस्थ ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल हैं, ने कहा एक शिक्षक के तौर पर मेरे लिए यह सबसे बड़ी संतुष्टि की बात है, जब कोई छात्र जिसने कुछ असाधारण हासिल किया है, उसे याद आता है कि उसकी सफलता में मेरी कितनी छोटी सी भूमिका रही। इस भावना की तुलना दुनिया में किसी और चीज़ से नहीं की जा सकती।

ऐतिहासिक इमारतों को पर्यटन क्षेत्रों में परिवर्तित किया जाएगा : रेवंत रेड्डी

प्राचीन बावड़ियों के जीर्णोद्धार के लिए कई उद्योगपति आगे आए

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुसी जलग्रहण क्षेत्र में ऐतिहासिक इमारतों को पर्यटन क्षेत्रों में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने उद्योगपतियों को हैदराबाद की संस्कृति को प्रतिबिंबित करने वाली इमारतों के संरक्षण के लिए आगे आने की सलाह दी। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम राज्य के कल्याण के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र को भी आगे बढ़ाएंगे। राज्य पर्यटन विभाग ने शुक्रवार को हैदराबाद में कई प्राचीन बावड़ियों के जीर्णोद्धार के लिए सीआईआई के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार ने मूसी सफाई कार्यक्रम को महत्वाकांक्षी तरीके से शुरू किया है। सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण शहर की कई ऐतिहासिक इमारतें जर्जर अवस्था में पहुंच गयी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में पुराने विधानसभा भवन का नवीनीकरण किया जा रहा है और जल्द ही इसमें विधान परिषद की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि जुबली हॉल, जहां वर्तमान में विधान परिषद स्थित

है, का ऐतिहासिक महत्व है। सीएम ने कहा कि यह भवन विशेष तकनीक से बनाया गया है और इसे भविष्य में भी संरक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने सीआईआई को जुबली हॉल को गोद लेने और उसकी सुरक्षा करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उस्मानिया अस्पताल की इमारत की सुरक्षा की जाएगी और इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम ने बताया कि उस्मानिया अस्पताल को गोशामहल स्टेडियम में स्थानांतरित किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि हाईकोर्ट भवन की सुरक्षा भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजेंद्रनगर में नये हाइकोर्ट भवन के निर्माण के लिए 100 एकड़ जमीन आवंटित कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद सिटी कॉलेज भवन के साथ-साथ पुरानापूल ब्रिज जैसी ऐतिहासिक संरचनाओं को संरक्षित करने की जरूरत है। चारमीनार संरक्षण परियोजना पहले से ही चल रही है। शहर की प्राचीन बावड़ियों का जीर्णोद्धार कर उन्हें पर्यटन स्थल बनाने के लिए कई उद्योगपति आगे आए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को समझौते के दस्तावेज सौंपे। उस्मानिया विश्वविद्यालय में महलका सीढ़ी कुएं के नवीनीकरण के लिए इंफोसिस को ठेका दिया गया है। साई लाइफ ने मंचीरेवु की बावड़ी को गोद ले लिया है। भारत बायोटेक सालार जंग और अम्मापल्ली कुओं का पुनर्वास करेगा। आदिकमेट बावड़ी का जीर्णोद्धार डोडला डेयरी द्वारा, फलक नुमा बावड़ी का जीर्णोद्धार टीजी आरटीसी द्वारा, रेजीडेंसी बावड़ी का कोठी महिला महाविद्यालय द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को राज्य के पर्यटक और ऐतिहासिक स्थलों को मुफ्त में देखने का मौका दिया जा रहा है। इसके लिए तेलंगाना दर्शिनी कार्यक्रम लाया गया है और जेआईवी पहले ही जारी किया जा चुका है।

सीएम ने बताया कि छात्रों को ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों के बारे में शिक्षित करने के लिए तेलंगाना दर्शी को लाया गया था। कार्यक्रम में राज्य के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, पर्यटन प्रधान सचिव वाणीप्रसाद, सीआईआई तेलंगाना के अध्यक्ष साई प्रसाद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी और मुख्यमंत्री ओएसडी वेमुला श्रीनिवास उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री के कार्यालयों पर ईडी की तलाशी

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के कार्यालयों और घरों पर छापेमारी की।

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी नई दिल्ली से शहर पहुंचे और राजस्व मंत्री तथा अन्य व्यक्तियों से जुड़े 16 स्थानों पर तलाशी ली। पता चला है कि 16 टीमें मंत्री से जुड़े स्थानों पर एक साथ तलाशी ली।

ये तलाशी सीआरपीएफ सुरक्षा प्राप्त राघव कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रा के दफ्तरों में की जा रही है। कंपनी ने हाल ही में नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई पैकेज का एक काम हासिल किया था।

गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव के दौरान चेन्नूर से कांग्रेस विधायक जी विवेक वेंकट स्वामी के दफ्तरों और घरों पर ईडी की छापेमारी हुई थी। उनके भाई और बेल्लमपल्ली से विधायक जी विनोद के यहां भी इसी तरह की छापेमारी की गई थी।

किशनबाग के निवासियों ने तोड़फोड़ की धमकी का किया विरोध

जमीन के बदले जमीन की मांग

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किशनबाग के निवासियों ने शुक्रवार को बहादुरपुरा के पास राजस्व कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, क्योंकि मंडल राजस्व अधिकारी (एमआरओ) ने कथित तौर पर उन्हें रविवार तक अपने घर खाली करने या ध्वस्तीकरण का सामना करने का आदेश दिया था। 'हमारे घरों को नष्ट न करें' जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों ने सरकार से 'भूमि के बदले भूमि' मुआवजे का लिखित आश्वासन मांगा, न कि उन्हें उनकी आजीविका के स्थान से दूर 2बीएचके घरों में स्थानांतरित किया जाए।

निवासियों ने दावा किया कि उनके घरों को बिना किसी पूर्व लिखित सूचना के, केवल तीन दिन पहले ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, एमआरओ अधिकारी ने कथित तौर पर उन्हें उस समय के भीतर वैकल्पिक आवास खोजने का निर्देश दिया, अन्यथा उनके घरों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि जब इन घरों को मंजूरी दी गई थी, तब सरकार क्या कर रही थी? वे उन घरों को क्यों नष्ट कर रहे हैं, जिन्हें बनाने में हमने अपनी ज़िंदगी लगा दी?

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने राजनीतिक नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब एआईएमआईएम नेता कहां हैं, जब हमारे परिवार सड़कों पर हैं? उन्होंने एआईएमआईएम पर कांग्रेस सरकार के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। दूरदराज के गांवों में स्थानांतरित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए एक महिला ने कहा कि मैं चाहती हूं कि मेरे बच्चे डॉक्टर बनें, लेकिन हम उन्हें कैसे शिक्षित कर सकते हैं, जब हम जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं?

एक बुज़ुर्ग निवासी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे परिवार के सदस्यों को उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं। मैं उन्हें कहां ले जाऊं? हमें इस बात का कोई भरोसा नहीं है कि हमें 2बीएचके घर कब मिलेंगे। जब हम कमाते ही नहीं हैं तो हम कैसे ज़िंदा रहेंगे? निवासी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को बेरोजगारी और गरीबी जैसे अधिक ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए तथा सरकार पर हमारे घरों को नष्ट करके गरीबों को और अधिक गरीबी की ओर धकेलने का आरोप लगाया। अभी तक, कोई भी एआईएमआईएम नेता या स्थानीय विधायक निवासियों की चिंताओं को दूर करने के लिए नहीं आए हैं, जबकि हैदराबाद पुलिस मौके पर भीड़ को प्रबंधित करने और भीड़भाड़ को रोकने के लिए यातायात को डायवर्ट करने में लगी हुई है।

खुल्लम खुल्ला प्यार... पुलिस ने किया एफआईआर

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, क्योंकि उनके सार्वजनिक रूप से प्यार जताने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो को लेकर लोगों में आक्रोश है और कई लोगों ने पुलिस से दोनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

आरोपी युवक की पहचान मोहम्मद वसीफ अरशद के रूप में हुई है। बालापुर पुलिस ने उन पर खतरनाक और अश्लील बाइक स्टंट करने का मामला दर्ज किया है। अरशद को हिरासत में लिया गया और बाइक जब्त कर ली गई। 22 सितंबर को हैदराबाद के बाहरी इलाके पहाड़ीशरीफ की मुख्य सड़क पर हुई इस घटना का वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। पिछले साल भी ऐसी ही एक घटना देखने को मिली थी, जिसमें एक जोड़ा चलती कार की छत पर बैठकर किस करता हुआ नजर आया था। इस घटना के बाद लोगों ने हैदराबाद पुलिस से दोनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी।

मंत्री ने प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 365 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 105 आवेदन, विद्युत विभाग से संबंधित 58, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग से संबंधित 42, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 29, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से संबंधित 26, प्रवासी प्रजावाणी के

माध्यम से 22 एवं अन्य से संबंधित 83 आवेदन आये। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, लोक प्रशासन विशेष अधिकारी श्रीमती दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं। राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ.जी चिन्नारेड्डी ने शुक्रवार को शुरू हुए "प्रवासी प्रजावाणी" कार्यक्रम में भाग लिया और आवेदन प्राप्त किए। इस कार्यक्रम में विधान पार्षद, विधायक व अन्य लोग शामिल हुए।

शतरंज चैंपियनों को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हाल ही में हंगरी के बुडापेस्ट में 10 से 23 तारीख 2024 तक आयोजित 45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्व में तीसरे स्थान पर रहने वाले अर्जुन और विश्व में 11वें स्थान पर रहने वाली हरिका सहित शतरंज चैंपियनों को 25-25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टीम स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, साथ ही अर्जुन ने भारत के लिए एक अतिरिक्त व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी हासिल किया।

सीईओ ने मतदाता नामांकन में ईआरओनेट 2.0 को तर्कसंगत बनाने पर जोर दिया

दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का समापन

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने मतदाता सूची में मतदाता पंजीकरण, माइग्रेशन और विलोपन प्रक्रियाओं का प्रबंधन करने के लिए विकसित एक वेब-आधारित प्लेटफॉर्म ईआरओनेट 2.0 को तर्कसंगत बनाने के महत्व पर जोर दिया। शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के समापन के दौरान, उन्होंने जिला नोडल अधिकारियों और आईटी टीमों से ईआरओनेट 2.0 के साथ पूरी तरह से जुड़ने का आग्रह किया, ताकि इसे एक मजबूत, फुलप्रूफ तंत्र बनाया जा सके।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, सीईओ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ईआरओनेट 2.0 फॉर्म प्रोसेसिंग को मानकीकृत करता है और मतदाता पंजीकरण से लेकर फील्ड सत्यापन और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के लिए निर्णय समर्थन तक मतदाता सूची प्रबंधन के सभी पहलुओं को एकीकृत करता है। उन्होंने आगे कहा कि मतदाता पोर्टल, मतदाता हेल्पलाइन ऐप और बीएलओ ऐप सहित कई प्लेटफॉर्म को कुशल फॉर्म जमा करने के लिए ईआरओनेट के साथ एकीकृत किया गया है।

उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के महत्व को दोहराया और कहा कि ईआरओनेट डुप्लिकेट प्रविष्टियों और माइग्रेटेड मतदाताओं की पहचान करके सटीकता सुनिश्चित करता है, जिससे एक स्वच्छ और अद्यतन मतदाता सूची प्रणाली में योगदान मिलता है।

जूनियर एनटीआर के विशाल कटआउट में लगी आग

थिएटर में नहीं चल पाई फिल्म 'देवरा', समर्थक हुए मायूस

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित सुदर्शन 35एमएम थिएटर में लगे अभिनेता जूनियर एनटीआर के विशाल कटआउट में शुक्रवार को आग लग गई, जिससे प्रशंसकों और दर्शकों के बीच दहशत फैल गई। हालांकि आग लगने का वास्तविक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, क्योंकि यह घटना फिल्म 'देवरा' के सुबह के शो के रद्द होने के बाद हुई, पुलिस सभी संभावित कोणों से इसकी जांच कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या आग नाराज प्रशंसकों ने लगाई थी।

स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने का कारण और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी अधिकारियों द्वारा अभी तक नहीं बताई गई है।

राज्यपाल ने सीपीआर जागरूकता प्रशिक्षण में भाग लिया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में राजभवन के कर्मचारियों के लिए एक अस्पताल द्वारा आयोजित व्यावहारिक सीपीआर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने व्यापक सीपीआर प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि जागरूकता बढ़ाने और व्यावहारिक निर्देश अनगिनत लोगों की जान बचा सकते हैं। उन्होंने कहा, आपातकालीन स्थितियों में, हर सेकंड मायने रखता है। तत्काल सीपीआर कार्डियक अरेस्ट के पीड़ितों के बचने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा सकता है। राज्यपाल ने सभी नागरिकों को सीपीआर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया और चिकित्सा समुदाय से अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के हिस्से के रूप में ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने राजभवन में प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के लिए डॉक्टरों की भी सराहना की, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को लाभ हुआ। उन्होंने डॉक्टरों को उनकी दो प्राथमिक जिम्मेदारियों की भी याद दिलाई, न केवल उपचार प्रदान करना बल्कि सीपीआर प्रशिक्षण और प्राथमिक चिकित्सा आदि जैसे महत्वपूर्ण उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, जिन्हें डॉक्टर की अनुपस्थिति में आपातकालीन स्थिति में रोगियों की सहायता के लिए प्रशासित किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री बुर्रा वेंकटेशम, आईएएस, के साथ-साथ वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ह्यग्रीव राव, अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. संबित साहू और अन्य चिकित्सा पेशेवर शामिल हुए।

ट्रांसजेंडर, क्रॉस-ड्रेसर्स गिरफ्तार

मोटर चालकों, दुकानदारों को परेशान करने का आरोप

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (उत्तर) जोन ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर ट्रांसजेंडर और क्रॉस ड्रेसर व्यक्तियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया और गुरुवार को कारखाना में पैसे के लिए मोटर चालकों और दुकानदारों को परेशान करने के आरोप में सात लोगों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोगों में यप्रल से के. दिन्ना चित्रा, बालाजीनगर से शेख मुमताज, बालाजीनगर से शेख आशु और यप्रल से शेख समीरा शामिल हैं, जो सभी क्रॉस ड्रेसर हैं।

मुख्य आयोजक एस चांदनी और उप-आयोजक एन जयश्री तथा वाई मनीषा को भी गिरफ्तार

कर लिया गया। टास्क फोर्स के अधिकारियों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम की मूल निवासी चांदनी, जो मूल रूप से पुरुष थी, ने लिंग-पुष्टि सर्जरी करवा ली और ट्रांसजेंडर बन गई। वह मुख्य आयोजक है। उसने अन्य उप-आयोजकों को भी सर्जरी करवाकर भीख मांगने के लिए प्रेरित किया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह नागरिकों, खास तौर पर व्यस्त यातायात जंक्शनों पर वाहन चालकों और दुकानदारों को परेशान करता है और उनसे पैसे ऐंठता है। उनकी हरकतों से सार्वजनिक उपद्रव होता है और यातायात संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अपनी गतिविधियों, परिचालन क्षेत्रों और समस्याओं के बारे में जानकारी साझा करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हैं।

देवरा फिल्म की स्क्रीनिंग में देरी, प्रशंसकों ने की तोड़फोड़

कोत्तागुडेम, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू फिल्म अभिनेता जूनियर एनटीआर के प्रशंसकों ने नव रिलीज हुई फिल्म देवरा के पहले शो (लाभ शो) के प्रदर्शन में देरी को लेकर शुक्रवार को जिले के पलोंचा स्थित वेंकटेश्वर थिएटर में तोड़फोड़ की। सुबह 4 बजे से ही दर्शक थिएटर में पहुंच गए थे, लेकिन सुबह 5.30 बजे दिखाई जाने वाली फिल्म 7.30 बजे भी नहीं दिखाई गई। इसके बाद कुछ युवाओं ने थिएटर प्रबंधन से बहस की और तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इस दौरान कुछ प्रशंसकों ने गुस्से में आकर थिएटर की खिड़कियां तोड़ दीं। प्रशंसकों का आरोप है कि उन्होंने 500 रुपये में ब्लैक में टिकट खरीदा है, जबकि एक टिकट की कीमत 250 रुपये है।

खम्मम में प्रशंसकों ने एक थिएटर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जहां फिल्म का लाभकारी शो दिखाया गया था। उन्होंने थिएटर प्रबंधन पर फिल्म देखने वालों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि प्रबंधन ने 1200 रुपये में टिकट बेचे और एक टिकट दो से तीन लोगों को बेचा गया। प्रशंसकों ने आगे आरोप लगाया कि थिएटर प्रबंधन भीड़ को नियंत्रित करने में विफल रहा, क्योंकि बिना टिकट वाले कई लोग थिएटर के अंदर घुस गए, जबकि टिकट वाले लोगों को बाहर ही रहना पड़ा। थिएटर में भीड़भाड़ के कारण कई लोगों को खड़े होकर फिल्म देखने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दो बीएचके लाभार्थियों ने किया प्रदर्शन

नागरकर्नूल, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग 10 महीने हो गए हैं, लेकिन डबल बेडरूम आवास लाभार्थियों, जिन्हें पूर्व में मकान आवंटित किए गए थे, अभी तक उन पर कब्जा नहीं कर पाए हैं। सरकार की उदासीनता से क्षुब्ध लाभार्थियों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर के सामने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से मकान सौंपने की मांग की। पिछली सरकार ने 240 डबल बेडरूम वाले मकान बनवाए थे और लाभार्थियों को लकी ड्रा के जरिए मकान आवंटित किए गए थे। लेकिन, बाकी बचे छोटे-मोटे कामों की आड़ में जिले के अधिकारी लाभार्थियों को मकान में रहने की अनुमति नहीं दे रहे थे।

इस मुद्दे को कलवाकुर्ती में अधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाया गया, साथ ही प्रदर्शन भी किए गए। फिर भी, अधिकारी लाभार्थियों को मकान पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दे रहे थे। लाभार्थियों ने कलेक्ट्रेट परिसर के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। लाभार्थियों ने कहा कि अगर जिला प्रशासन जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान नहीं करता है, तो विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया जाएगा।

खम्मम में सड़क दुर्घटना में 6 घायल

खम्मम, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबल्ली मंडल के सीतारामपुरम गांव में शुक्रवार को हुई दुर्घटना में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार से आ रही एक निजी बस ने प्याज की बोरियों से लदे एक खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में बस का विंडशील्ड और यात्री प्रवेश द्वार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक का पिछला हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारण प्याज की बोरियां सड़क पर गिर गईं और पुलिस को उन्हें चोरी होने से बचाने के लिए पहरा देना पड़ा, क्योंकि बाजार में एक किलोग्राम प्याज की कीमत 60 रुपये तक पहुंच गई थी। घायलों को इलाज के लिए पेनुबली सरकारी क्षेत्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस हैदराबाद से एलुरु जा रही थी जबकि प्याज से भरा ट्रक वैजाग जा रहा था। वीएम बंजार पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

रिश्वत मांगने के आरोप में कोंडापुर पंचायत सचिव गिरफ्तार

एसीबी ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को संगारेड्डी जिले के कोंडापुर गांव और मंडल के पंचायत सचिव को 5000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में पकड़ा। अधिकारी मोहम्मद शकील ने संगारेड्डी के कोंडापुर मंडल स्थित मंडल शिक्षा कार्यालय में निवास प्रमाण पत्र बनवाने वाले एक व्यक्ति से रिश्वत की मांग की। पंचायत सचिव को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। मोहम्मद शकील को गिरफ्तार कर हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

काले जादू के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण-पूर्व) टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर यहां बंडलागुडा में काले जादू की शक्तियों के माध्यम से लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं सहित अन्य समस्याओं के समाधान के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम इलियास अहमद उर्फ मोहम्मद इलियास (42) है, जो बंडलागुड़ा के जहांगीराबाद का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार, महबूबनगर का मूल निवासी अहमद 2012 में आजीविका की तलाश में हैदराबाद आया था और काले जादू से समस्याओं का समाधान कराने के नाम पर लोगों को ठगना शुरू कर दिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसने कई लोगों को राहत और समस्याओं के समाधान का वादा करके भारी मात्रा में धन इकट्ठा करके धोखा दिया। हालांकि समस्याएं हल नहीं हुईं, लेकिन वह लोगों से और अधिक धन की मांग करता रहा। अधिकारियों ने उसके पास से काला जादू करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फोटो और धागे, 8,000 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.